मूंडै बोलै रेतड़ली

सरदारअली परिहार

परिहार प्रकाशन
बीदासर बारी के बाहर
बीकानेर

* प्रकाशक
परिहार प्रकाशन
बीदासर बारी र बाहर बीकानेर

* पल्ही छपाई 1992

* पोथी दीठ पिचेतर रुपिया

* पूठ री सजावट विजयकुमार श्रीमाळी

* छापाखानो
साखला प्रिण्टस
सुगन निवास चन्दन सागर
बीकानेर 334 001

MOONDE BOLE RETARLI (Poetry) by
Sardar Ali Parihar

Rs 75/

समर्पण

मावड री हेत
जठा जम्या सस्कार
पिछाण मानख री

अर
मरम बोली री
गीता री रागळपा

अर
सोरम धरती री
आज ताईं लगी-लग पा रह्यो हू
उण हेत-हज री वगड न अरपू
अै ओळमा
अ ढाळा
अ बोल

म्हारी मा स्वरूप वनड रहमत नै
घण मान सू

रहमत रहम मोकळी बरस, माई मूड हासडली।
रूडै माय भर्यो वीर रै, हेत वन रो होवडली।

विगत

म्हारी बात

म्हार अतस मै गीत राग री हूस हिलोळा लेवण ढूकी, जण हिंवाळ पहाड र 12 हजार फुट ऊचो घाटया सू च्यारू खूटा झरणा कळ-कळ वहवता देख्या। उण ठौड कुदरत र रू रू मै झीण झीण सगीत री रणकौ जणै लेहरा लेवतो। इसडो रूप देख र मनडो गावण खातर मच मचिया खावण ढूको। जिन ही निजर जावती हरीटास भोम फूला लदोडो घाटया च्यारूमेरा खुसबू फलाय री ही। थोडोक ऊचो जाया झीखा ज्यू बरफ पडणी सुरू हुई। रूखा री डाळया अर पत्ता धौला घख दीसण लाग्या, चादी जडी डूगरिया देख देख र मन हरखण लाग्यो। भोम अर आभ रो इसो रूप देख्या जीव ठिकाणै नी रह्यो मूड सू बोल निसरग्या—'इण पहाडा रै बीच साथी हस-हस चालो रे, बरफ पडो अथाग साथी धीरै चालो र आज तो इण आळी म घणी कमी दीस है पण उण टम जिका सबद निसरघा हा बान ही राख्या है।

डूगर ही बोल अडी वात नी है। थळी री रेत पूनम री चादणी रात साफ-सूथरी आभो, टम-टमावता तारा, इमरत बरसातो चाद, नीचै मखमल जडी रेत र धोरै पर बैठ र सोनल रूपल चेकळू न देखण ढूकया मिनख देखतो ही जाव। अेक रात म्हन भी इण माटी पर पाळो चालण रो मोको मिल्यो। म्हारी आख्या इसडो रूप देख्या पछै फारया ही नी फिरी, बरसा पैली मन मै बस्याडो हिंवाळै रो रूप फीको लखावण लाग्यो। कुदरत री ओ अटूट रूप देख्या पछ होठा सू गीत नी निकळ, आ किया हुव। दूधा न्हायी चादणी मै इयावरगी लाग्यो कै रेत रो कण-कण मूड सू याल है। ठाह नीं किण घटी मूड सू सबद अर धुन निसरी—

चादडलै री रात चादणी, तारा छायी रातडली।
धोरलिया र गावा बीचा रळ मिळ बठ साथडली।।

आ 'रळ मिळ बठ साथडली' सू ही जीव मै आयी क थळी र लागा मै जिनरो हेत निजर आव बो अपणै-आप म अनूठो है। रेत हेत रो रेलो थळी रै घर-घर म दीसै है। थळी रै चितरांम पर लिखण री बात हिवडै मै हिलोळा लेवण लागी। इमै मनडो इण मुजब आगो-पाछो भाजण ढूक्यो। पाथीखाना रा चक्कर लगाया पण जीव ना धाप्यो वूढ-वडेरा सू वाता चीता की पण मन नीं मायो। छेकड गावा मै, खेता मै अर अवेड म जा'र रह्या ही मनड न ठावस आयो। ठौड-ठौड पर जावण सू

ठाह लाग्यौ क थळी रा चितराम इतरा है कि लिखताईज जावौ कोई छेडो ही कोनीं। गाव मे जाया पछ किसोक लाग्यो इण री चिन्हिक बाता आपर सामन राखू।

जालौर र गावा म अेवाडिया सू ठाह लाग्यो क भेडा मै जण छूत री बीमारी फल जाव तो अेक भेड (जिकी रोगली नी हुवै) रो काळजो छुरी सू छून'र टुकडा न भेडा र काना न छेद र घाल्या नै रोगलिया नी हुव। अठ रा लोग कोकडी न घण चाव सू चूस है दिसावर मै भी साथै राख है। बम्बई मै आ बात देखण नै मन मिली है। सेखावाटी छेत्र मै जीवण माता वास्त कहिज है क मा री मिंदर तोडण न फौज आयी तो सहद मारया रा छत्ता रा छत्ता उड र फौज पर पडया जिक सू फौज भाज छूटी। बाडमेर जिल मै तिल्वदा गाव मै मलीनाथ जी री किरपा तणा मेळ माथ धोनीक साडो खोदया मीठो पाणी निसरण ढूक है। जसल्मेर अर बाडमेर र गावा मै कठ कठ ही सफेद फूला रा आक मिळ है। इण रा फूल चमेली जन्या धोळा धख है। गाव रा लोग मान है क इण मै सिवजी रो वासो है। सगळो गाव इण री पूजा कर है। मोहा गाव री धोरो भल भल गिणना ऊचो है। इण रै उपर सू नीच उतरता पाण धसक धसक उतरणो आज भी याद आवे है। जसल्मेर री भोम तो चितराम री खाण हीज है। जोधाणो नागाणो अर बीकाणो वीर-वीरा री भोम है। इण री बाता लिखण म जोधपुर रो पुस्तक प्रकासक, बीकानेर रो राजस्थान अभिलेखागार नागोर रो पोथीखानो देख्या ही लिखण रो काम पूरो होयो है।

काळी कळायण कागलिया "हाखती जण इण भाम पर आव है तो थळी री माटी रो रूप देखण जोग हुव है। मोरा री मीठी मीठी बोली र बीचा हूळियो चालतो देख मनडो आपो-आप नाचण ढूक है। चिन्हा चिन्हा पानडा खेता मे दिखण लाग है जद खेत धणी रात मैं ढूचों बणाय लेत मै ही सोणो सुरु करद है। ढूच पर अेक रात हू भी काटी है। जिकी लाखीणी नींद ढूच पर आयी बा हू आज भी नी भूल्यौ हू। दिन निकळ्या ढूच नीच देख्यो तो सापा र चालण रा निसाण मडोरा पडया हा। काती रै महीण मै आस पास र खेता रा लोग रात मे अेक ठौड पर भेळा हा र धूणी माथ तपता दीस। थोड-थोड टेम पछ अेक जणो उठ र खेत रो फेरो दे आव। फेरो देती टेम मूड सू जोर जोर सू बाल गोधो गोधो। अधारी रात मै खेत मै कोई जिनावर है तो भाग जाव। आपस मै बठया आम कानी किरत्या हिरण्या देख'र टेम बताव। जण किरत्या आभ र बीचो-बीच दीसी तो फट बोल्या 12 बजगो है। म्हारी घडी देखी तो 12 ही बजी ही। जीव मै आयो तारा सू टेम जाणणो कितरो चोखो है। खत मै भणत बोलणो मळा काढणो अर धान धरा ल्यावणो अक दूज री मदद बिना नी हुव। भाई चार रो रूप गावा मै धणो सातरा है।

थळी रा मिंदर दरगा जिको जाव न सुख दीनो है बो म्हार काळज री कोर है। आज भी आख मूद इयाम रमू हू तो रमतो ही जावू हू। गावा र लोगा

साचो धरम अगेज्यो है क व जीव मारणो तो दूर रहयो रूख बाढणो भी पाप समझ है। विण मुजब रूखा री रूखाळी धरम नै जोड किया व रता हा आ समझण जोग बात है। धरम धीर हेत रा धणी मिनख तो काइ जिनावरा सू इतरो हेत राखै है क अेवड मै रहवतो रहवतो भेडा खातर घर बार टाबर टीकर मा बाप अर लुगाई न छोड न भेडा वीचाळ जा पूग है। अ मिनख जिको बारै धरम रो नी हो बीन मार द ? मानख न ह्याण पूगावै, म्हार गळै नी उतर है।

ओळघा वणणी सुरू हुई तो बणती ही गई। च्यार सौ अेक छद बण्या पछ जो मै आई क जिको लिखियो है वो ठीक है क नी तो राजस्थानी रा विद्वान डा मनोहर शर्मा न दिखाया। धीरज रा धणी घण चाव सू छदा न सुण्या अर पढिया। बार मारग दिखावण पाछ ही गाडो की आग चघियो। इण र थोडक टेम पछ जोधपुर जावण रो काम पड्यो। अठ जहूरखा जी महर रै आग छद राख्या। वा जितरो इण छदा सू हेत दिखायो भूलावण जोग नी है। मावड भाषा न हिवडै मै बसावडो मादिलो ज्यू लिख त्यू ही बोल है अर ज्यू बोल त्यू ही लिख है। इतिहास रो लिखारो मावड भाषा रो व्याकरण पर जिको पकड राख है उणरो जवाब नी। जहूरखा जी सू मावड भाषा रो की नाव लेन गाड न आग खीच्यो। भेला सू जुडोडो जीव जणै कलम सू जुडण ढूकयो तो अवखो लागणो मुइ बात नी ही। इण मौक पर म्हार हेताळू महेशस्वरूप भटनागर रै टेम-टेम पर हिम्मत बधावण सू ही काम आगै बध्यो है। आखरा रो भण्डार म्हारी बहवड (बवरी) टेम टेम पर सहयोग नी देवती तो काव्य पूरो होवणो घणो अवखो हुवतो। जण जण कलम रुकी तो सबद कोस री ठोड भरवण ही काम पूरो कीनो।

थळी र अगुण पास सेखाणो, आथुण पास जेसाणो, धोराऊ पासे बीकाणो अर लकाऊ पास जोधाणो आव है। इण छेत्र म आज रा जिला—सीकर, झूझुनू, चूरू श्रीगगानगर, जसलमर, बाडमेर सिरोही जालोर, पाली जोधपुर अर नागौर है। अठ रो खाणो पीणो, व्याव मायरा, तीज तिवार मेळा-ठेळा, गीत राग, होळी दियाळी, रीत रिवाज सयोग वियोग, धीर वीर सिणगार विरह पढ़णो लिखणो, लू लपटा, काळ दुकाळ ठडी ठयारी, मेह छाट सेठ साहूकार जात-पात मिंदर दरगा धरम करम, जीव जिनावर गैणा गाभा, खेल-तमासा आदि री वरणण इण काव्य मै कीनो है।

पहलड छद मै ही 'सावडली रातडली' र वख मै जीव इसडो आयो कै इण जाळ माय सू निसरनो उणर बस मै नी रहयो। साच बात काळज र ठेट माय जा र बठ है। ऊन क्रिया मै जिको अपणायत है वा दूजी ठौड नी दिस है। जिको स्वाद समझूटी वहवण मै आवै है वो समवा वहवण मै नीं आव है। पछ भगवान सू नेडो कोई नी है वान भी आपा तू वह परा ही पुकारा हा— हे भगवान तू ही रखवाळो है। ऊन [redacted] सप्ता

रा इतरा आखर सोध र लावणो अबखो लागण ढूकयो तो नूव सबदा न घणावण रो काम सुरू कीनो तो कलम माठी होगी टस सू मस ही ना होवें। इण अबखं टेम म कलम न टोरणआळो उमरदान ग्रथावळी आग आई अर मारग बतावण लागी—रेहल्ली सहडली थहडली देहडली, अहडली छेहल्ली, नेहल्ली, मेहल्ली अर महल्ली सबदा नै राख्या। हू इण महान कवि रो सदा आभारी रहसू। इण आखरा न देख्या पछ ही हिम्मत वधी क इण मुजब लिख्यो जा सक है। छद र दोनू ओळया र आखर मै स्त्रीलिंग र सबदा न काम लिया है पण दो ठोड पर फरक आयो है। गाव सू गावल्ली इण मुजब कीनो क जयपुर जिलै म अेक गाव रो नाम ही गावली है हाथ सू हाथल्ली इण मुजब कीनो क हथेली न हाथ मान्यो है।

इण पोथी र बणण मै म्हारा हेताळू श्री जयचद जी शर्मा श्री सावर दया श्री रामनरेशजी सोनी श्री इब्राहीम खा समेजा, श्री निजाम खा तवर, श्री मुरारीजी शर्मा श्री भवरलाल रतावा डा घनश्याम देवडा डा शक्तिपूर्णा श्री लक्ष्मण श्रीमाली श्रीसागीलाल सागलिया श्रीविजय कुमार रै अलावा इण पोथी री लिखाई सू छपाई ताई री जात्रा म जिकै जिकै सगी साथियो री मदद मिळी वा रो ई आभारी हू।

बीकानेर रै राजस्थान अभिलेखागार राजस्थानी भाषा साहित्य एव सस्कृति अकादमी अर भारतीय विद्या मदिर शोध प्रतिष्ठान सू भात भात री पोथ्या सदम सारू देखण बाचण खातर मिळी इण खातर वणा रो ही आभारी हू।

पळा र चितराम री साख इतरी रातो मातो है कै इण माय सू कितरो ही निकाळो खाली हुव ही कोनी। बाचणिया न म्हारी बात आछी लागी तो इण मुजब फेरू लिखण री मन मै है। बाचणिया सू म्हारी अरदास है कि इण काव्य मै जिकी कम्या रही है बान बता र म्हनै रस्तो दिखाय र म्हा पर किरपा कराला।

बीदासर बारी के बाहर
बीकानेर

सरदारअली परिहार

लू-लपटा

आँधी चाल आऱ्या फूटै, घुळजा पाणी रेतडली।
बळती चालै खीरा[1] उछळै, बळ-बळ जावै चामडली। 1।

ऊचा धोरा[2] रेत उडाव, ऊभी सूकी खेजडली।
सिल-लोढो अर नूण-मिरचडी, चटणी बाटै मावडली। 2।

ताल-तलैया पेट दिखावै[3], पाणी दिख न थूदडली।
खेळी खाली डागर देख, आसू म्हाख आखडली। 3।

लूवा चाल्या थूक सूक्जा, आटा खावै जीभडली[4]।
कागलियो[5] कठा म चिपियो, मूड अटको बातडली। 4।

होठा ऊपर फप्या[6] आई, बळती चाल लूवडली।
बिन पाणी तिरवाळा[7] आवै, दिन म देखै रातडली। 5।

धूळ वतूळा घेरा घाल, आस्या फिरगी रातडली।
पून चालती दे सूसाडा[8], सीटया बाजै रोहिडली[9]। 6।

जद तावडियो आऱ्या काढै, डागर देखै मौतडली।
चक्कर खातो पडै मानखो, खाय भूँवाळी टाटडली[10]। 7।

जेठ असाढा जोबन भलकै, मदमस्ती मै लूवडली।
बळती-झळती पून चालिया, चडका लागै चामडली। 8।

पगा उभाणो आज भाजै, रूख दिखै नी छावडली।
सूक होठा फिर जीभडो, आस्या जोव नाडडली[11]। 9।

---

1 अगारे 2 रेत के स्तूप 3 खालीपन 4 जीभ 5 काकुल
6 होंठो पर परत जमना 7 आखों के सामने अधेरा छाना
8 हवा की जोरदार आवाज 9 जगल 10 टाट 11 छोटा तालाब

तावडिय म गडक[1] सिसक, लाबी लटकै जीभडली ।
कान फडफडी देतो बैठ्यो, मूडै दीस दातटली । 10 ।

कागलिया री चूचा गुलजा, झपा लुक्जा चिडक्डली ।
कीडा कीडी भर तावडै, बळतो बाळ धरतडली । 11 ।

लू-लपटा सू पासो राखण, टावर वडजा झूपडली ।
बूढा-वडेरा माय दुबक्जा[2], बठै ऊ डी आरडली । 12 ।

जद साफलियो घरा भूलजा, तप तावडो धाकडली ।
कनपटिया पर द झपटारा, बळती झळती लूवडली । 13 ।

बिछू काटा मरता दीसै बिल मं वडजा सापणली ।
तीतर-हीरण दिख सिसकता, जेठ आसाढा रोहिडली । 14 ।

दोफारा म सूरज ताप, दिखै पसीनो खाखडली[3] ।
रग-रूप रस लियो तावडो, काळी पडगी चामडली । 15 ।

भरी दुपारी ऊजड[4] चालै खाली होजा दीवडली[5] ।
गेलो[6] भूल्यो भटका खाव, छाव दिखै नी खेजडली । 16 ।

माथै ऊपर तपै तावडो, नीच ताप धरतडली ।
लू-लपटा म कर कामडो, ऊभी बीचा रोहिडली । 17 ।

लूग ऊटिया खाय खुटोयो, अेवड चरग्यो पानडली[7] ।
सूकै काटा रही झाडक्या, उजडो दीस टीबडली[8] । 18 ।

फूल पाखडी बळी पडी है, धाकड चाल्या लूवडली ।
रूख-बाठका[9] सूका दीसै, ऊभा ऊचा टीबडली । 19 ।

पान आकडा पीळा पडग्या, लूवा चाल्या धरतडली ।
हरिया हरिया कर दिख है, पीजू पाक्या धाक्डली । 20 ।

---

1 कुत्ता 2 अ दर बठना 3 बगल 4 बगर रास्ते के 5 कैतली
6 रास्ता 7 पत्ते 8 बालू रेत का छोटा स्तूप 9 झाडिया

लूवा चाल्या बळै पगयळधा, सूत्यो ऊपर माचडली।
पाणी छिडक्या जो-सोरो है, लेतो दीस नीदडली। 21।

चकर खाता उठै भतूळा, भूता लावी चोटडली।
ऊंची ऊभी दिस गगन मैं, धोळी धुधली जेवडली। 22।

करडा[1]-करडा कोस[2] भाइडा, गाव आतरा[3] रेतडली।
बळती बाळू लूवा चाल्या, अबखी[4] लागै डाडडली[5]। 23।

लूवा-धवा लो ऊठ है, रू-रू बाळै चामडली।
सास आख मैं अटकी दीसै, बात कर है मौतडली। 24।

जगतो गोळो सूरज निकळ्यो, लाय पलीता आगडली।
डाकण लूवा जीव गटकलै, तपता तावड टीवडली। 25।

हाथ आगळधा बळता झलता, राती[6] दीस नाकडली।
धीमी-धीमी आच देवतो, खून चूसलै लूवडली। 26।

तळौ तळावा फाट्यो दीस, दिख पापड या धरतडली।
तप्या तावडो लूवा चालै, भोम उघडजा चामडली। 27।

बळती रेता चिणा भूजिज, भटयारण री चूलडली।
अकरी आचा लूवा भूज, मिनख-डागरा गावडली। 28।

आक खावतो मिरगो भटक, बळती बाळू धरतडली।
लूवा पीवा[7] मूडो खोल्यो, मखतो[8] दीस पूनडली। 29।

हिरण बाखोट[9] दिख फुळसता, लूवा चाल्या धाकडली।
नाड[10] हाखिया हिरणी ऊभी, आसू बहवै धारडली। 30।

बिन पाणी बिन छावडली रै, हिरणी देख मौतडली।
बाखोटा री दे मोळावण, जीव छोड द्यो मावडली। 31।

---

1 कठिन 2 मील 3 दूर 4 अनखनी 5 पगडडी 6 लाल
7 पीने के लिए 8 खाना 9 हिरण के बच्चे 10 गदन

काळौ मिरगौ घणौ चमकणौ, भूल्यौ भरणी चोवडली ।
हियौ ˉहाखिया[1] पड्यौ दिख है, कैर आक री ओटडली । 32 ।

लूवा झाडा इसडा दीना, जोव भूलग्यो रोहिडली ।
जोडा[2] पाळा हिरण ऊभिया, भूल्या विसर्‍या गावडली । 33 ।

जेठ असाढा तीसौ मरगौ, आज-भाज रेतडली ।
सूखे नाला पाणी चिलक, पूग देखल मौतडली । 34 ।

कादौ कीचड बीछू काटा, पड्या दिसै है कूडडली ।
गमछ माया आणै छाण, भरतौ दीस दीवडली । 35 ।

गदलीज्योडी पाणी दीस, लथ-पथ कादौ नाडटली ।
कीचा मैं ओढणियौ न्हास्यौ भरे नीचोय मटक्डली । 36 ।

होळी-दियाळी न्हाव धोव, पाणी भेळो कूडडली ।
जीव जिनावर पीता दीस, ऊभा घर री बासळडी[3] । 37 ।

गाव गोठ सू आय बटावू[4], पाणी माग लोटडली ।
दूध दही तौ दिख मोकळौ, खाली दीस मटक्डली । 38 ।

आधी चाल्या रेत उड है, धोरा बदळै डाडडली ।
ऊचा चढता दिख धोरिया, लाघ[5] घरा री भीतडली । 39 ।

जेठ आसाढा मिरगो[6] चाल, बरसै रातू रेतडली ।
सूरज ऊग्या झाड झडक धूळ भरोडी गूदडली । 40 ।

काळी पीळी आधी आव, चाल दिन अर रातडली ।
तेरह दिन तक दिखै चालतो, देती झपटा पूनडली । 41 ।

ऊभी कामण पाणी छिडक, गावा चाल्या आधडली ।
माच ओट[7] चूल बठी, दीख सेकतो राटडली । 42 ।

---

1 निराश 2 तालाव 3 घर और फल्से के बीच का स्थान
4 राहगीर 5 पार करना 6 तेज आधी का लगातार चलना 7 ओट

पाटचा[1] पाहै मैंण लगावै, मोढचा चेपै कामणली ।
वारै दिना र आतरा[2] सू, दीखै ल्हावती गोरडली । 43 ।

दस कोसा सू गाव आवता, आरया देसै खेजडली ।
पाणी लूणी पून्या पोवै, बैठ्यौ घर री झूपडली । 44 ।

मनडौ-तनडौ बुझ्यौ पडचौ है, खाय फदीडा[3] लूवडली ।
काम-काज मे मन नी लागै, बैठ उडीकै[4] रातडली । 45 ।

कच्च टापरा[5] मोग्या[6] राखै, घर-घर भीता गावडली ।
दोफारा मैं सूता दीसै, वचता बळती पूनडली । 46 ।

बळती भूजै भख तावडौ, जीव-जीनावर रेतडली ।
सूरज लूवा राज देखिया, छावा ढूढै छावडली । 47 ।

गावडक्या रा दूध सूक्ग्यौ, सिसकै ऊभी भैंसटली ।
लूवा वाथा भरी खटी है, भीच दिखाव मौतडली । 48 ।

नागी लूवा दिम नाचती, ऊच धोरा टीबडली ।
वेरया[7] सूनी देख गोरटी, ऊभी फोडै मटक्डली । 49 ।

ऊभी किरणा आख्या काढै, बळती चाल पूनडली ।
सोनलिय हिरणा री रगडा, बिदरग कर द्यो लूवडली । 50 ।

जे टाबरिया भूल्या-भटक्या, दूर निकळजा गावडली ।
वावल मावड सोघण[8] चाल्या, मिलिया देखै ल्हासडली । 51 ।

धोरलियै लहरा मे फसियो, गावा भूल्या डाडडली ।
खाली लाटी होठा लागी, आती दीस मौतडली । 52 ।

बिन पाणी रै मरचौ पडचौ है, धोरलिया री धरतडली ।
रेतडली न ओढचा सूत्यौ, लावी लेतौ नीदडली । 53 ।

---

1 केशो को चिपकाना 2 अतराल 3 झापट
4 इतजार करना 5 मकान 6 छेद
7 तालाब के तले म गहरी दरारें 8 ढूढने

काळ-दुकाळ

ऊनाळो-सीयाळो मिलकर, दिखै तोडता दांतडली ।
चोमासौ ऊभो तरसावै, घोरा घरती रीतडली । 54 ।

आघी राता काग करूक[1], अदरा[2] चाळै पूनडली ।
डाकी काळ आवतौ दीसै, सुणलै भाया बातडली । 55 ।

गाव गडकडा रातू कूकै, गादड[3] कूक रोहिडली ।
घरा घरा मे बाता चाल, काळा भरसी गावडली । 56 ।

कुरज कुरळाय उडकर जावै, मुड नी आवै नाडडली ।
मेह गयौ घरा आपर सुण, काळ पडेलो घाकडली । 57 ।

दाणा पाणी आस दिखै नी, नी ऊगै है घासडली ।
त्रिकाळ[4] आय मिनख न मार, डागर देखै मौतडली । 58 ।

काळ गाव मे पड मोकळा, तीज कुरियौ[5] घरतडली ।
बरस आठवै आय आघोरी[6], जोमैं बठयो ल्हासडली । 59 ।

बार बरसा काळ पडया सू, रिणी उजडगी गावडली ।
जमुना बीचा मरवा चाल्या, नदिया थमगी घारडली । 60 ।

सइया भइया काळ पडया सू, दिल फाटती आखडली ।
भूखौ मिनख मिनख न खाव, दाता चावै हाडडली । 61 ।

खेजडलै रा छोडा छाग्या, पाणी सीजै हाडडली ।
घास पात सगळा नै चाब्या, भूखा मरती गोरडली । 62 ।

---

1 बोल्ना 2 नक्षत्र 3 सियार 4 धान, पाणी और घास तीनों के अभाव वाला अकाल 5 आधा अकाल 6 अधिक खाने वाला

मूडै लाळा पडती दीस, आसू नाखै गावडली।
तावडियै मै भटका खाती, जीव छोड द भसडली। 63।

भूखो तोसो धूळ भरोडी, काम करै दिन रातडली।
टाबरिया नै घरा छोड द्या, रोता डुसका हिचकडली। 64।

टाबरिया गरळाव[1] भूखा, मास चाटलै आतडली।
रोता रोता हिचक्या बधगी, आसू सूक्या आखडली। 65।

गोद्या मै टाबरिया बिलखै, मावड बिलख रोटडली।
बाबल गुम सुम[2] वण ऊभो है, ना निसँर है बोलडली। 66।

फाटी कुडती हाथ कटोरो, लीरम लीरा[3] चूदडली।
सुध-बुध भूली घर घर मागै, हाथ फलाय मरवणली। 67।

पेट भूख है लूवा चाल, आरया फिरगी रातडली।
तनडो सूक्यो मनडो बुझियो, हाडघा चिपगी चामडली। 68।

कुटम-कबीलो मूडो मोट, भगदड मचजा गावडली।
पकड काळजो सासर[4] ऊभा, हेला देवै मौतडली। 69।

भूखा मरता आजै भाज, टकरा खावै भीतडली।
तिरखाळा आत्या मै आवै चक्कर खावै साथडली। 70।

घर म सूत्या टाबर छोड्या, रात बिराता गोरडली।
भूखा मरती काकड[5] छोड, बाबल साथै मावडली। 71।

आण बाण नै छोड्या छिटक्या, मगतो माग रोटडली।
भूखा मरतो दिनडो काट, रोवै आखी रातडली। 72।

हाथ पगा सू दिखै अडोळो[6], काजळ सूनी आखडली।
आसूडा रा वाळा वहव, डुसकै रोवै कामणली। 73।

---

1 हृदय विदारक रोना 2 चुप चाप 3 तार-तार 4 जानवर
5 गाव की अन्तिम सीमा 6 श्रृंगार-आभूषण विहीन

घर धणियाणन[1] घर न छोडचौ, मगती बणगी गोरडली ।
गळी-गळी मे फिरै मागती, लिलडया[2] गाती कामणली । 74 ।

जद टाबरिया रोटी माग, जामण सोधै हाडडली ।
खाली ठीकर देख धरा म, छातो कूटै मावडली । 75 ।

रोही डाकण बण बठी है, दिख गटकती धासडली ।
ठूठौ[3] बण खेजडलो ऊभो, छाव दिखै नी धरतडली । 76 ।

पग पग ठोकर खातो भटक, भूखो तीसो टोबडली ।
होळ होळ नेडो आती, जीव देखनै मौतडली । 77 ।

काळ पडचा सू राम निकळजा, निसर सुरली[4] मरवणली ।
टाबरिया न दिस बेचती, दो रिपिया म मावडली । 78 ।

ल्हासा इखरी विखरी दीस, माजा गीधा कागडली[5] ।
दिन दोफारा काळी राता, कूक कुत्ता-कुत्तडली । 79 ।

मरता टाबर आख्या देख, गाव-गाव मे मावडली ।
मौतडली री नाच हुव है, घर-घर गूज चीखडली । 80 ।

दाणो पाणो रस को खूटचौ[6], खाली घर म हाडडली[7] ।
भूखो तीसो मर मानखो, पटचा काळ री छावडली । 81 ।

काळ थपेडा[8] इसडा[9] दीना, सासण[10] बणगी मरवणली ।
सोनल रूपल बणी डोकरी, भूखा मरती गोरडली । 82 ।

छपनी काळ काळा री राजा, आता फाटी धरतडली ।
करलाटो गावा म फूटचा, नागी नाच मौतडली । 83 ।

बिरमो राक्स दिख आवतो, धूळ भतूळा आधडली ।
खोल जबाडा गिटतो दीस, जीव जिनावर खेजडली । 84 ।

---

1 घर की मालकिन 2 करुणामय 3 वह पेड जिसकी पत्तियाँ व डालिया काटी हुई हो 4 अक्ल 5 कौवे 6 समाप्त 7 हाडी 8 झटके 9 ऐसा 10 भिखारिन (जाति विशेष भी)

पेट आतड्या पीदै बैठी, सामै दीसै हाडडली।
पाख-पखेरू मरचा डागरा, सूनी दीसै भूपडली। 85।

सूकी हाडचा दिखै पीजरो, खाडा धसगी आखडली।
गला गूगा बणिया दीसै, मिनख डागरा गावडली। 86।

काळ धाडवी दिखै लूटतो, लोही मास चामडली।
सूकी हाडचा दिखै बेचतो, सूनी गळिया गावडली। 87।

काळ खूनडो पीतौ दीस, धोळो पडगी गोरडली।
हाडचा भारो उखण्या चाली, समसाणा न डोकरडो। 88।

मुडदा बिखरचा ज्यारू कूटा, रूळै भोडका रेतडली।
इखगी बिखरी पडी हाडक्या, जीव जिनावर रोहिडली। 89।

काळ फफडै मिनख डागरा, ऊभी डाकी टोबडली।
राकस घाटी दिख मोसतौ, गबरू टाबर डोकरडी। 90।

ल्हासा सडती पडी गाव म, भभका मार पूनडली।
आख्या नासा फाटी दीस, मूडै दीसै दातडली। 91।

काळ दुकाळ अकलडो काढ, समभ रही नी हीवडली।
रात अधारी चोरी करता, पीडी भाल कुत्तडली। 92।

सानो चादी रह्यो गाव म, भूखो लीनी मौतडली[1]।
बरतन भाडा घर मैं रहग्या, जेबा रहगी रोकडली। 93।

काळ पडचा सू छीया पडगी, मूड चिगदा कामणली।
आख्या गीडा भरी दिख है, घर-घर टाबर टीगरली। 94।

काळ पडचा सू दूध सूकग्यौ, सूनी दीस छातडली।
टाबर न बिलमावण खातिर, हाचळ देवै मावडली। 95।

---

1 छपने के अकाळ मे लोगो के घरा म सोना चादी एव जेबो मे रुपये होते हुए भी उन्हें धान नही मिला था।

भूखा मरता पेट चिप्यो है, कमर लागग्यो कामणली ।
कठ बैठोडो मूंडै निसरै, फुस-फुस करती बातडली । 96 ।

बिन गाभा र दिखै बापडा, टाबर टिक्कर डोकरडो ।
दिनडो भूखा मरता काट, डाफी गटक रातडली । 97 ।

काळ आवतो कड तोड है, गवरू डोकर गोरडली ।
कमर भुकोडी गोडा लागी, हिलती दीस टागडली । 98 ।

काळ रोगडो इसडो लाग्यो, झाल्याँ बठो मावडली ।
घीस्या घास्या दिल धसक्तो, चाया पडगी चामडली । 99 ।

तनडो दिवलो बुझतो दीस, सास अटक्गो आसडली ।
माचै सूतो मौत उडिकै, पल पल गिणती डोकरडी ।100।

वाडो काळ बीकाण आय, ब्याव रचावै रेतडली ।
जोधाण मैं घावड नाच्यो, देसी मिनखा मौतडली ।101।

बळती रमता धावड धाल, काळ पडया सू धरतडली ।
छोट छोट टाबरिया रो, मर सिरावण लूवडली ।102।

काळ पडया सू डाफी डावण, धमचक घालै रातडली ।
भूख पेटा, बिन गाभा रै, मौत देखल सायडली ।103।

मालव न दीसै जावती, भूख मिटावण गोरडली ।
हरू-फरू मावडली देख, जद छूट है गावडली ।104।

कामण सूती सुपनो देख, हरी भरी है खेतडली ।
आख खुल्या सू रोती दीस, डुसका खाती मरवणली ।105।

दूर दिसावर चाल्यो भाई, पूरा लादी गाडडली ।
तनडो मनडा दोनू वेच्या, साथ लायो सासडली ।106।

घरा दाणियाँ अेक दिखै नीं, ठाकर देवै धमकडली ।
ऊट डागरा ठाणा खाल, रोतो दीस गोरडली ।107।

करसो सच जुलमी लेव, काळा काळी रातडली ।
खेत मजूरी कर बापडो[1], लुच्चा लेलें पूजडली ।108।

तीन रूप काळ रा देख्या, पाणी धान घासडली ।
चोथो काळ साच रो देग्यो, ठगा बणी है मौजडली ।109।

ब्यारूमेरा दिसे लूटता, बण सचवादा[2] गावडली ।
मिनख मारता हया-दया[3] नी, घर-घर देख साथडली ।110।

चौड धाडे रिपिया जीम, काळ पड़्या सू घरतडली ।
बीच-बिचोला मंठ्या भर लै, गिरज कागला गोठडली ।111।

चोर-उच्चका लुच्चा लफगा, लूटै कामण लाजडली ।
लूट-पाट नै सहती सहती, छेकड लेवै मौतडली ।112।

भोळा-ढाळा नै बिलमावै, डाकण कहती बातडली ।
मौको देख्या झट गटकाव, मिनखा थारी गेवडती ।113।

मरियोडा न फेरू मारै, काळा उलटी रीतडली ।
लूठा[4] आग वणै बापडो, दाब्या टाग्या पूछडली ।114।

राज काज रो ध्यान मोकळो, सूप दिखावै[5] रोकडली ।
रिपियो घिस घिस पैसो बणग्यो, बो भी दूजी जेबडली ।115।

धरती थारी थू धरती रो, सुणल माया बातडली ।
मावड दूधा लाज राखदी, हसती लेली मौतडली ।116।

राज-काज हाथ मे थार, क्यो बिलसै है मावडली ।
मेरया जीव जीवसी भाई, फेर हियै मैं कागसडी[6] ।117।

हीम पाट नै खोल साथिडा, धरमा राखी बातडली ।
किरच[7] सार्थ जीव जीवडा, पाप मेटदै धरतडली ।118।

---

1 बेचारा 2 सच्चाई के देवता 3 थाडी भी दया नही
4 बलशाली 5 देना 6 कथा 7 मनोबल, हिम्मत

ठडी-ठ्यारी

सियाळै मैं सो पडै भाई, सूनी होजा नाकडली ।
डाफर[1] चाल दात बाजै, दोनू धूजै टागडली ॥119॥

हाथ पगा मैं ठ्यारी लागै, ब्याई फाट अेडडली ।
तेल लगाव, चोपा देव, लीरघा बाधै मावडली ॥120॥

झूपडली तीणा सू आवै, ठडी तीखा पूनडली ।
गोडा बोचा माथो लीनो, खाचै ताणै कामळडी[2] ॥121॥

राम नाम न जपतो जपतो, धोव मूडो हाथडली ।
भजन गावतो कर कामडो, कड-कड बाज दातडली ॥122॥

आधी राता आरया खुलजा, चढै धूजणी[3] बहुवडली[4] ।
घटी घमडका देती-देती, आखी काट रातडली ॥123॥

रुख-बाठका[5] रस मुरझाया, डाफर चाल्या रातडली ।
घडिया माटा पाणी जमग्यो, पाळा[6] पडता गावडली ॥124॥

धवर[7] पडघा सू हुव अधारो, दिन म दीसै रातडली ।
सी सी करतो तप वासती, बैठ्या आग चूलडली ॥125॥

फाट्या जूना[8] गाभा लीना, बैठो सीवै[9] गूदडली ।
ठभारी आया दिस ओढता, घर-घर टाबर टीगरलो ॥126॥

डाफर चालै मेहो वरसै, टूट्या[10] पडजा आगळडी ।
काम काजडो छोड्या वठी, खोरा ताप मारडली ॥127॥

---

1 शीत लहर 2 कम्बल 3 कपकपी 4 बहू 5 कर आदि कांटदार झाडिया 6 बरफ जमना 7 कोहरा 8 पुराने 9 सिलाई करना 10 हाथा की उगलियों मे पडनेवाला मोड

पूर पला[1] री कमी दिखै है, सोया मरजा साथडली ।
तारा गिणती रात काढल, पलका थाम्या आखडली ॥128॥

कमर झुकोडी डोकर[2] बैठी, ओटो लोया भीतडली[3] ।
तावडियै[4] मैं बैठी-बठी, कर पाघरो[5] टागडली ॥129॥

रू रू खड्यो दीसै चामडी, डाफर चाल्या गावटली ।
काळजिय मैं सो वड जावै, दिख धूजती कामणली ॥130॥

पोह[6] खालडी[7] खोह कहीजै, मेहो न्हाख्या छाटडली ।
ठाली-भूली[8] ठधारी आई, मूड बोलै टोकरडी ॥131॥

ठडी-ठडी पाणी पीया, रीळा[9] चाल दातडली ।
नीला नीला होट दिखै है, घर-घर गावा गोरडली ॥132॥

टाबरिया नै ठधारी लाग्या, घासी देवै मावडली ।
रातू टाबर इणकै-रिणकै, सूता जामण गोदडली ॥133॥

ठधारी खाया नाक झरै है, टप टप टपकै बूंदडली ।
मार रगटका ओछ-पोछै, राती दीसै नाकडली ॥134॥

दिन निकळया सू तपै तावसती, कामण बैठी चूलडली ।
उठ उठ घर री काम करै है, ओढया माथै कामळली ॥135॥

रोही रूखा हियो नाखद्यो डाफर चाल्या धावडली ।
खीप, फोगला, कैर, आकडो, पोळी होजा बेजडली ॥136॥

धाराऊ[10] सू लपका करती, डाफर आवै रातडली ।
गाव घरा मैं धमचक घालै, बडती छैल्या कूंपडली ॥137॥

गोरी मूडो लालबब है, छीका खावै गालडला ।
डाफर चीरै मनडो तनडो तरवारा री धारडला ॥138॥

---

1 कपड़ 2 बुढ़िया 3 दीवार 4 धूप 5 साथा 6 [illegible]
7 चमड़ी को जलानेवाला 8 सबसे बुरी 9 चाम 10 उत्तर दिशा

डाफर फदीड इसडा दीना, गाला माना नाकडली ।
सूनो हायो फिरै माइडो, वाळू घोरा घरतडली ।139।

पोह माह में जोवन भरियो, राफड[1] घालै धाकडली ।
डाफी डाकण वैठो जीम, टावरिया री ल्हासटली ।140।

वोद[2] रूखा वैर[3] घणो है, डाफर तीखी पूनडली ।
वाळ वाळ वर राख करै है, जडा मूळ सू खेजडली ।141।

माझरा[4] राता ठयारी आवै, पोह माह में गावडली ।
हळवा हळवा वैठ काळजै, डाफर देवै मौतडली ।142।

घीव जम्योडो भाटो[5] वणग्यो, पिघळताप्या[6] आगडली ।
वरफ जम्याडी दिख गाव म, धोळी धक है चादडली ।143।

ठयारी ठरका करती आव पडता पाणी छाटडली ।
सूसाडा सू डाफर चाल्या, मरजा डागर डोकडली ।144।

सकराता म डावी थारी, जोवन दीसै धाकडली ।
हाडक्या न दीसै गाळती, वडती छेत्या भूपडली ।145।

डरता-डरता दिले रूखडा, डाफी गाडया[7] आतडली ।
रस कस डाकण दिम चूसती, डाळ-डाळ अर पाखडली ।146।

रिंधरोही गादडिया कूक, गावा कूकै कुत्तडली ।
जण रात में दावो[8] पडजा, हिरणा खिरजा पूछडली ।147।

सावडियै री वाटा जावै, किरणा ढवजा[9] वादळडी[10] ।
झिर मिर झिर मिर मेहो वरस, मूड वाजै दातडली ।148।

अळका-सळका मा'रा[11] चाल, डाफर चाल्या गावडली ।
चिलम तवाकू पीता पीता, वठ्या काट रातडली ।149।

---

1 धमचक 2 पुराना 3 दुश्मनी 4 आंधी 5 पत्थर 6 तपाने से
7 गाड़ना 8 पाला पड़ना 9 छिप जाना 10 बदली 11 पीठ

हाथ-पगलिया सूना होजा, चढया घूजणी[1] डोकडली ।
गोडा भेळा करिया वठी, हाथा दाब्या छातडली ।150।

हाथ टागडी करै कीरतन, डाफर चाल्या गावडली ।
आगौ-पाछौ कर कामडौ, नेडी राखै चूनडली ।151।

ठडी पून काळजियौ वीध, माचौ ढाळचौ झूपडली ।
सिरख पथरना वीचा सूत्यौ, ढकिया मूडी नावडली ।152।

नाक ढक्या सू ठगारी आधी, ऊनी[2] लागै सासडली[3] ।
काना माथै गमछौ बाध्या, चाल वीचा रोहिडली ।153।

घरा घरा स भेळा होजा, हुवै हथाया चौतरडी[4] ।
रळ मिळ बैठ्या धूणी तापै, जगै वीच मैं आगटली ।154।

भरै सियाळ दिनडा छोटा, लाम्बी होजा रातडली ।
माचलियै पसवाडा फोर, खोलै मीच आखडली ।155।

पाह माह मैं खेह[5] छायजा, जोरा चाल्या आधडली ।
तावडिय मैं ताप दिखै नी, ठडी चालै पूनडली ।156।

ठ्यारी लाग्या ताव तपा सू, बळता-झळता चामडली ।
ओढ रजाई घर मैं सूत्यौ, लै ऊकाळी वाटकडी[6] ।157।

मूडै सास छोडता दीसै, भाप उडै है धाकडली ।
टाबरिया न रम्मत लाधजा, मूडै हाका हाकडली ।158।

आख तावडौ सूरज दिखै न, बादळ नाखै छाटडली ।
टाबर टीकर सी-सी करता, माथै झुगलौ टोपडली[7] ।159।

ब्यारूमेरा टाबर वठ्या, तप वासती[8] चूलडली ।
ताती ताती[9] रोट्या सेकै, वैठ रसोई मावडली ।160।

---

1 कपकपी 2 गम 3 सास 4 चौकी 5 खख 6 कटोरी
7 टोपी 8 आग 9 गम-गम

तावडिय मै रमता दीसै, घर-घर टाबर टीगरली ।
सियाळे री सिझ्या पड्या सू, वडता दीसै झूपडली ।161।

घर घर धूजै है टावरिया, चिपजा जामण छातडली ।
जूना गूदडा[1] लिरया लटकै, अपटै-दपट मावडली[2] ।162।

डाफर घाल्या डफाचूक[3] है, मिनख लुगाई गावडली ।
फिरणो टुरणो[4] रस की भूल्या, ओढ्या बैठ्या कामळडी ।163।

डेडरिया डरडाता फिरता, चोमास री रातडली ।
ठयारी मडक्या[5] ली समाधी, सूनी दीसै नाडडली ।164।

घादी मेखा दिखै रोपती डाफर घारया रातडली ।
ओस पडी पथरीज[6] माई, माती बिखरया धरतडली ।165।

वीर चढ्याडी डाकण भाज धमचक करती टीबडली ।
डाफी दाव[7] म जोव आवता, पटक दिखाव मोतडली ।166।

फागणिया सी चागणिया है, जोरा चाल्या पूनडली ।
घर-घर साथी दिखै धूजता, सी-सी करता गावडली ।167।

रात विराता भूख्यौ भटक्यौ, रहजा भाई रोहिडली ।
भर सियाळै बाळू ठडी भीच्या बैठ्यौ दातडली ।168।

लीरम लीरा ओढ गूदडी, डोकर फिरलै टीबडली ।
खाच नाण हिवड लिपटान, घर घर करती बातडली ।169।

ह्राडा चुभती सूळा लाग, डाफर चाल्या रेतडली ।
बिन तावडियै दबै न डाफी, थाळू धोरा धरतडली ।170।

डाफर चारया पथरीजै है ताल तलाई नाडडली ।
बरफ जमोडी घर-घर दीसै, टाबर कडकै दातडली ।171।

---

1 पुराने कपडे 2 मा 3 विवेकहीन 4 चलना फिरना 5 जोरदार ठड का आना 6 बरफ बन जाना 7 दाव पेच मे आना ।

होळी

होळी माथ सुगन मनावै, स्सै री देखै आखडली[1]।
झाळा लपटा सीधी जाया, धान भरेली धरतडली।172।

फागण महिणै गिंदड घालै, ढोल वाजता धाकडली।
हाथ डाडिया नडता दीसै, मधरी लागै तानडली।173।

गवरू रळ मिळ गावै धमाळा, मीठी वाजै चगडली।
फागण महिणै गीत सुहावै, रस भीजी है कामणली।174।

भात भात रा साग रचाया, नाचै कूदै धाकडली।
मरवण ऊभी ढोलो निरखै, पलका थाम्या आखडली।176।

साझ पटया सू भेळा होजा, चग वजावै हाथडली।
मधरा मधरा गाता दीसै, ऊभा ऊपर टीवडली।175।

चगा माथै गीत गावता, गवरू कहद बातडली।
गजवण हेलो सैनी लखलै, बठ ऊडिकै सजडली।177।

छाळोडी न छैल छबीला, रग उछाळै हाथडली।
ऊच नीच न भूल्यौ विसरयो, मधरा गावै गीतडली।178।

घरा-धरा सू टुरधा गैरिया, पूगै दूजी गावडली।
होळी रग मैं दिख रगीज्या, गवरू टाबर गोरडली।179।

दूर गाव सू आय साथिडा, नाच दिखाव धाकडली।
मूडो नाक घुघटिय ढकियो, देखै अेकल आखडली।180।

---

1 होलिका मगलाते समय गाव के लोग आग की रपटो की झळ को देखते हैं यदि वह सीधी है तो सभी जगह जमाना होगा।

गाव लुगाया भेळी होजा, ऊभ्या दीम छातडली ।
मोको देख्या रग रेडद, हसती-हसती कामणली ॥181॥

भर पिचकारी देवर मारी, भीजी चोळी भावजडी ।
हरख किलोळा करती-करती, होळी खले गोरडली ॥182॥

देवरियो मोवँ न सोधे, भावज लुकजा ओरडली ।
ज भाभी जो हाय मायजा, रगदे मूडो नाकडली ॥183॥

भरी जवानी होळी आयी, घुघरू बाध्या टागडली ।
लटका झटका नाच दिखावँ, निरख ऊभी कामणनी ॥184॥

गळी गळी मे हुडदग करता, टाबर हाका हाकडली ।
धका टेरा रळका देता, नाचँ धीचा गावडली ॥185॥

सिझ्या पड्या सू आय गरिया, वठँ ऊची टीबल्ली ।
दूध भाग न पीता पीता, मीठी लेवँ नीदडली ॥186॥

होळी लूरा घणी सुहाव, वठी गाव बीदणली ।
छोटँ-छोटँ गीता थीच, मनडो मोर साथटली ॥187॥

बेटी होया सुगन मनाव, गाव घरा री रीतडली ।[1]
होळी माथै ढूढ पीटदे ऊभा घर री बाखळडो ॥188॥

होळी रामा-सामा माथै, गावा हरखा कोडडली ।
अेक दुज रै पगँ लागता, घर-घर दीसै गावडली ॥189॥

नुवा गाभा पहर भाईडा, मिळल भर गळ-बायडली ।
अेक दुजँ र जाय सासर, जीमै मीठी नाफसडो ॥190॥

जात-पात स्स भेळी दीसै होळी माथै गावडली ।
अेक दुज रो मूडो रगद, हस-हस करना बातडली ॥191॥

---

1 पहला बच्चा होने पर होली के त्योहार पर ढूढ पीटने का रिवाज है। बच्चे के ऊपर एक लकडी को दोना तरफ से पकड ली जाती है तथा अन्य लोग उस पर डड बरसाते हैं।

बादळ बरसै

पछी पाख पसारया बैठया, चूचा भखलै पूनडली ।
तीतर गूगा बणिया बैठया, आमै कानी आखडली ।192।

छाळी[1] मूडी कियौ पूनडो, डेडर चढ़जा वाडडली[2] ।
विसधर[3] वड पर चढ़तौ दीसै, मेह बरससी धाकडली ।193।

कीडी कण असाता नीनो, लाय न्हाखदै डेळकडी[4] ।
करसौ कहवै सुणलै गजवण, मेहो आसी रातडली ।194।

ढळती रात मोरिया बोलै, बैठया ऊपर खेजडली ।
घटा-टोप बादळिया छाया, भरसी नाडा नाडडली ।195।

तीतर भरकी दिखै बादळी, आमै छायी धाकडली ।
घरा-घरा मैं बात हुवै है, आज पडेली छाटडली ।196।

भाख पाटता[5] गौधो ढडूकै, धाना भरसी धरतडली ।
घर-घर सुगन मनाता दीसै, डोकर कहता बातडली ।197।

मोठ बाजरी चूलै सीजै गुळ सू मीठी गूगडली[6] ।
झिरमिरझिरमिर मेहो बरसै, कामण गाता गीतडली ।198।

खेजडलै री डाळा माथ, हीड माडली गारडली ।
सावण आया दिखै हीडल्या, नणदल भावज साथडली ।199।

ऊभी कामण हीडा हीडै, मचका देती टागडली ।
हीडो चढ़तो दिखै गगन मैं, रुळ रुळ जावै जेवडली ।200।

---

1 बकरी 2 बाड 3 साप 4 सफेद दाणा 5 प्रात काल
6 गूगरी (उबाला हुआ अनाज)

काग कबूतर व उडारा, ऊंची दीसे चिलखडली ।
पाख पखेरू ओटी लेव पडता माटी छाटडली ।201।

काळि-कळायण दिखे उमडती, बरसे वादळ धाकडली ।
मोटी मोटी छाटचा ’हाख, हरसे धोरा धरतडली । 202।

घरा घरा सू भेळी हाजा गीत उगेर[1] सायडली ।
सावण महिण रात पड्या सू, मधरी गूंजे तानडली[2] ।203।

वादळ छाया मेह बरसावे, सावणिये री रातडली ।
ठडी-ठडी पून सुवावे, पलका छाई नीदडली ।204।

सावणिय रा लोर[3] आवता, घर-घर दीसे हुरखडली ।
माचा डेला हाथा लीमा, धरे मायन झूपडली ।205।

टापरियो[4] पाणी सू चूव[5], झूपड उड्जा आधडली ।
टावरिया नै साथे लीया, धार ढाळी माचडली ।206।

उमड घुमड वादळिया आव, मोरा मीठी बोलडली ।
पीव पीव बोली रै बीच दिख बरसती वादळडी ।207।

गुडका खाता वादळ दीस, आभे चमक बीजडली ।
काळा पीळा वादळ बरस्या, भरजा नाडा नाडडली ।208।

जण वादळी बरसण लाग नाच टाबर–टीगरली ।
घरा-घरा मै हुरख छायग्यो, रस र मूडे हासडली ।209।

आभो[6] गाज धरती धूजे, भवका मार मेखडली[7] ।
साप सळेटा डरता भाजे, बीज[8] पड्या सू टीबडली ।210।

सावण महिणो घणो सवाव, धोरलिया री धरतडली ।
तनडो मनडो[9] ठडो करदे, पड्या फुवारा रेतडली ।211।

---

1 शुरू करना 2 तान 3 तेजी से आत बादल 4 मकान
5 टपकना 6 आकाश 7 बिजली 8 बिजली 9 तन और मन

काळी बदळी घाकड बरसै, घोरा फाटै घरतडली ।
गिला घोरिया मन हरसावै, सोणी[1] लागै माटडली ।212।

सावण महिणै वादळ आवै, पाणी बरसै धारडली ।
अेक घडी मैं रेला-पेला, ठडो चालै पूनडली ।213।

पाणी खळकै च्यारूमेरा, नाळा बहवै धाकडली ।
गोडा-गोडा पाणी चालै, घास भरी है जोडडली[2] ।214।

बादळ गाज बीजळ चमक, बिल मे बडजा सापणली[3] ।
जीव जिनावर ओटो लेवै, कैर आकड खेजडली ।215।

खाय गुळाच्या वादळ आवै, साथै लीया आघडली ।
दिन दोफारा हुयौ अधारौ, धोरा उडता रेतडली ।216।

काळै नागा, कासी याळा, वैरण दीस बीजडली ।
अडक कडक कर पडती दीसै, देती दीसै मौतडली ।217।

तीन दिना री झडी लागिया, पडजा कच्ची टापडली ।
टप टप टोपा पटता दीसै, छेत्या माया झूपडली ।218।

वादळ गाज्या कुम्या निसर, साग बणावै भावजडी ।
चूल वैठी सोगर सेक, जाडी-जाडी रोटडली ।219।

कद छावलो कद तावडो, पडतो दीसै टीबडली ।
आपसरी मैं रमता दीसै, घर-घर टावर टोगरली ।220।

च्यारूमेरा खटया रूखडा[4], बीच दीसै नाडडली ।
जीव जिनावर पाणी पीव, मटकी भरलै गोरडली ।221।

सावण महिण रळ मिळ वैठे, घरा घरा री कामणली ।
मधरा मधरा गीत गावती, भवर चितार[5] साथडली ।222।

---

1 मन भाने वाली 2 जोड (घास का रक्षित मैदान) 3 साप
4 पेड 5 याद करना

वादळिया सूं आभो छायो, झीसा[1] वरसै बूंदडली ।
सळा पडोडी माटी दीसै, हरी भरी है खेजडली ।223।

हरखो पोमचो ओढया बैठी, मरुधरा री टीबडली ।
झीण घूंघट माटी मुळकै ठंडी करदै आसडली ।224।

सावण माता पूजन करलै जद जावै घर लूंवडली[2] ।
ठोव–पीज हळिय न साभ, फेरो दे आ खेतडली ।225।

धाड मनातो करसा चाल्यो, बीज बीजवा[3] धरतडली ।
मतवाळो भतवार दिखै है, भातो लीया हाथडली ।226।

पहलो मेहो हळियो चाल, दूजं दीसै घासडली ।
तीज मेहै धान खडयो है, भरसी साठी छाटडली ।227।

खेता बूझा घणा दिसै है, कसियो थाम्यो हाथडली ।
छाटा-मोटा रळमिळ बाढै[4], सिणिया, झाडया धासडली ।228।

सिखरा सूरज तपतो दीस, काम करै है धाकडली ।
तेज तावडो आल्या काठै, काध बळजा चामडली ।229।

काधै ऊपर हळियो धरियो, माथै ऊपर पागडली ।
छोटा मोटा खेता चाल्या, फाटयै कुडत धोतडली ।230।

खेत बिचाळ करसो ऊभो, मो'री खीच साढडली ।
कोछा मारया तेजो गाव, हळिया चालै धरतडली ।231।

चामास मै जेरू काटो[5], पगा लिपटजा सापणली ।
काळो नाग फुफारा मारै, खेत खेत मे वाडडली[6] ।232।

साप सलेटा परडा मिलकर, रमता धाल रोहिडली ।
डूचै[7] माथ करसो सूत्यो, सवडक लेन नीदडली ।233।

---

1 पानी की बहुत ही छोटी बूंदें 2 लू 3 बोना 4 काटना
5 साप बिच्छू 6 वाडो (छोटा साप) 7 खेत म बना हुआ मचान जिस पर रात्रि म सोते हैं।

रातू खेत किसारी करकै, बाघल चरके खेंजडली ।
दिनडो ढळवा डेडर डरडै, दोफारा मैं टीटडली ।234।

खेत निदाणा बूजा कटजा,[1] ढेरचा लागो घासडली ।
घरा डागरा चरता दीस, लादचा लावै गाडडली ।235।

हरियाळी धरती पर छाई, खेता माडी झूपडली ।
दिन मैं ऊभो खेत रुखाळ, सासर[2] घेरै रातडली ।236।

धरती माथै बेला फैली, आख दिख नी डाडडली[3] ।
मार फदाका[4] बेल वधावै, पूगै दूजी खेतडली ।237।

रास पिराणी[5] बेला रळगी, लूवा लडिया मोठडली ।
ज्वार सुरगो दिखै मोकळो[6], बाजर ऊची सोटडली ।238।

खेता बीचै जग बासती, तापै बैठ्या हाथडली ।
डागरिया नै घेरण चाल्यो, हाथा थाम्या डागडली[7] ।239।

आधी राता गोधो बटजा, हेला सुणलै खेतडली ।
हेला हेली सुणतो सुणतो, दिखै छाडतो सीवडली[8] ।240।

गाफणियो जद भाटो फकै, उडै पखेरू खेतडली ।
खेता बीच अडवो दीस्या, डरती भाज लूकडली ।241।

बूट-बूटै लट लटकै है, ऊन्दर कुतरै पानडनी[9] ।
झालो बहता दिखै खेत मैं, पाणी होजा कादडली ।242।

तिना-तेलिया दिखै चूसता, करवी चूसै बाजडली ।
जण कातरी दिग लागतो, पोदै[10] बैठे खेतडली ।243।

पीळे रग री आभो दीसे, दळ-बळ आवै टिड्डडली ।
जद फाकलिया आन पडै है, सूनो करदे खेतडली ।244।

---

1 खेत म अनुपयोगी घास झाडी आदि 2 जानवर 3 रास्ता
4 कूदना 5 बेलों को हाकने की लकड़ी की दण्डिका 6 बहुत
7 लकड़ा 8 खेत की सीमा 9 पान-पत्ता 10 उजड़ जाना

मोर पाखडो हाथा खोचै, धाकड वाजै मूकडली[1] ।
डरता-डरता सासर नाठ[2], ऊंची करिया पूछडली ।245।

ऊच डूचै टावर ऊभो, दै फटकारा जेवडली ।
चिडी कमेडी उडती दीस, जद वाज है ताटडली ।246।

आखी राता फिर भाजतो, सासर घेरण खतडली ।
रातडली आख्या मैं काट, दिन मैं लेवै नीदडली ।247।

खेता बीचा थाळी बाज, उडती दीसै चिडकडली ।
हाका करता टाबर भाज, दाणा रहजा सीटडली ।248।

आल मतीरा खुण्या[3] फाडलै, खुपरो लोनी हाथडली ।
खेजडल री छाया वठी, दिख जीमती गोरडली ।249।

काचरिया वघारै कामण, खलर सूकै छातडली ।
काचरिया नै छोल सुकाया, वणती दीस काचडली ।250।

चूला चाकी खेता लीना, टीवै माडी भूपडली ।
वाजरलै री गेटघा सेक, फळघा छमकल हाडडली ।251।

सिटा मोरती खेता वठ्यौ, तातू उडजा पूनडली ।
मीठा मीठा गुटका लेवै, दाणा चाब्या दातडली ।252।

सिणिया माथो जोडघा ऊभा, आक खडचा है टीवडली ।
हरी टास हरियाळी दीस, पग पग ऊभी खीपडली ।253।

काटी वेकर पग म चुभजा, तिणखै चुभजा आखडली ।
भूरटियै री काटा लाग्या, वठ काढलै गारडली ।254।

हाथ आगळचा लीरचा वाधी, मोठ पाडलै वहवडली ।
कमर झुकोडी गजवण दीसै, चूडचा भणक हाथडली ।255।

---

1 मूकण (किसी बरतन के मुख पर खाल मढ कर बीच मे मोर पख को डालकर खीचने पर आवाज होती है) 2 दौडना 3 कुहनी

भणत

ल्हास[1] बोलवा चाल्या भाई, घर-घर गवरू गावडली।
भरी दुपारी हाथ रुकै नी, काम करै है धाकडली।256।

दोफारा म जीमण जीमचा, गैळ छायजा आसडली।
ल्हासिया नै चतन- राखण, भणता ऊंची गीतडली।257।

जात पात सब भेळी होजा, ल्हास वोलिया खेतडली।
साथै-साथै भणता बोलै, साथै जीमै रोटडली।258।

अगवो[3] वणियो मधरो गावै, घूघर बाजै हाथडली।
सगळा मिलकर टेरा[4] देवै, गूंजै खेता गीतडली।259।

लटका करतो भणता बोल, निरखै घर री गोरडली।
मीठो मीठो बोल भाइडा, बोचा चाल वालडली[5]।260।

गाडी ढाळ[6] तोडै मोठिया, पटतो दीसै हाथडली।
सूनो-मूनो खेत दीस है, हुई अडोळी रोहिडली।261।

खेता माथ टूट ल्हासिया, काम करै है धाकडली।
मोठा मूगा नेणा ऊचा, ढेरया लागी धरतडली।262।

गाव ठाकरा ल्हास वोलिया, सगळा खोदै नाडडली।
आप आप री पाळ्या वाटया, खोदै न्हाखै माटडली।263।

धूणी माथ भेळा होजा, पूछै डोकर वातडली।
किण किण भाई काम करयो है, मूडै वोला साचडली[7]।264।

---

1 खेत काटना 2 सचेत 3 सबसे आगे 4 गाने म ऊंचा स्वर 5 बोली 6 घुटना झुकाकर जमीन से लगाना 7 सच सच

ढाणी सामै ढेरघा लागी, दिखै सूकती पानडली ।
ऊड साड ऊपर राख, तिल भड़कावण सोटडली ।265।

वाजरिय सीटा न राखण, खेता दीस करडुली ।
कोडा–कोडी ऊंदर फिरलै, नीचै वाळू धरतडली ।266।

हाथ छाजलो लीया ऊभी, धान उफाण वहुवडली ।
धान फळगटी न्यारो न्यारो, ढेरघा लागी रोतडली ।267।

धीमी पून धान नो उफणै, वठयो भाई रोहिडली* ।
काळा पडता दिखै दाणिया, वादळ नास्या छाटडली ।268।

खेत खळा पर भाड़ दीनो, धान बचै नी घासडली ।
गाडघा लादघा घर मे लावै, भर–भर टोको छाटडली ।269।

धान नैणकी टाकी लागी, ऊभो कूटै डागडली ।
गुणी मोठिया न्यारा न्यारा, भरतो दीस बोरडली ।270।

धान राखवा ठाव वणाव, पाया ऊची कोठडली ।
ऊदर नीचै रमता घाल, विल दोसै नी छेतडली ।271।

घरा धान रूखालण सारू बोरया चिणदै भपडली ।
पून तावटी दोनू लागै, घुण मार है राखडली ।272।

कोठा भरिया धान दिख है, सुख सू लेनै नीदडली ।
धर-घर वैठया करै हथाया, पीता चिलम तमाकूटी ।273।

खेत लाट जद घरा आयजा, धावै धापै गोरडनी ।
तीज तिवारा धूम मचाव, धूधर धमक धाकडली ।274।

भाईडा रसै साथे रहवै, सम्पत दीस गावडली ।
अेक दुज रो काम किया बिन, ना लाटीज खेतडली ।275।

---

* धीरे धीरे हवा चलने से अनाज व चारा अलग-अलग नहीं होता है। इस समय वर्षा की बूंदें गिर जाती हैं तो अनाज काला पड जाता है।

घास-पात

ठोड-ठोड पर ऊभो दीसै घोमण घास रोहिडली।
राता माता दिख डागरा, दूधा भरद चाडडली।276।

सिरकनिया[1] है दीसै मोकळी, धरती फैली साटडली।
भेडा बकरया चरती दीस, क्वळो कवळी पानडली।277।

धकडी धाकड रोहो फैली, पग-पग दीसै सोनडली।
दूधोली नै चरै डागरा, ऊभा ऊपर टीबडली।278।

बसूदा धरती पर छायो, वेकर चरलै साढडली।
गाया भसा रळ मिळ चरल, ऊची ऊभी सेवणली।279।

बूर घास लहरावै खेता, ऊची धोळी सीटडली।
आगणियै मै झाडू देव, गाव घरा मै वहुवडली।280।

हुरै घास नै दिखै तोडती, भारी लावै गोरडली।
दुवाबडी नै चरती दीसै, घर घर बकरया गावडली।281।

बोरडली[2] रा पत्ता झाडया, पालो न्हाखै ओरडली।
ठाणा[3] माथै चरती दीसै, घर-धर गाया भसडली।282।

पग-पग भूरट ऊभो दीसै, चोमासै मै धरतडली।
सासरिया रै मोजा बणगी, चरती दीसै गावडली।283।

कूतर करती दिख झाडबढ[4], कडबो सेवण घासडली।
डागरा न दिख मीरतो[5] गाव घरा री बाखळडी। 284।

---

1 मूज 2 काटेदार झाडी 3 गाय भैंस के चरने का स्थान
4 जवार बाजरे के सीट के नीचले भाग तथा सेवण घास को काट कर गायो के चरने योग्य बनाने का औजार 5 डालना

तळ-तळाव

साझ पड्या पाणी भरवा नै, हिळ मिळ चाल कामणली ।
घडियो माथ छम छम चाल, गीत उगेर[1] सायटली ।285।

साठ पुरस री कुवो खोदियो, दूर नाखदी माटडली ।
ऊड तळ[2] म पाणी दीस, पीव सगळी गावडली । 286।

ऊट बळधिया वारो खीच, पाणी वेव चाठडली ।
खाली घडिया भर घडाई, भरतो दीस कूडटली ।287।

सुणता पाण कोलियो हेलो, पडतो दीस लावडली[3] ।
गरणाट पर चढयो भूणियो, सारण उडजा रेतडली ।288।

खाल भसरा साळू भेळा, लाव गूथल सायडली ।
भरयौ वारियो खीच्या लाव, हळवै हळवै साढडली ।289।

लाव टूटिया यारो पटजा, टकरा खातो भीतडली ।
गीत गावतो तळ म उतरै, झाटया बठघो जेवडली ।290।

मटकी माथै हाथ वालटी, कूवै पूगी गोरडली ।
होळ-होळ दिख खीचती, थाम जेवडी हाथटली ।291।

सारण-ढाळ दिग्न कूवै पर, सोरी चाल टोडटली ।
पी लेवतो[4] दिख भाईडो, राक्ट रिपिया घोसटली ।292।

कूव छतड्या[5] दिख गगन म, घटती दीस हायडली ।
दोफारा म वैठ्या दीस, जीव जिनावर छावडली[6] ।293।

---

1 शुरू करना 2 कुआं 3 लाव 4 कुएँ से पानी निकालने वाला कर जो लेता है उसे पी लेना कहते हैं। 5 नेखावटी क्षेत्र म सभी कुओ पर छतरिया दिखाई देती है। 6 छाया

भरियौ घडियौ दिखै लावतो, माथै ऊपर गोरडली ।
गजगामणिया[1] दिख चालतो, हस चाल सू कामणली ।294।

दिन भर घुटतो गजवण वठो, क्थ घरा नी गावडली ।
सिखरा सूरज कणै टळेलौ, कामण जोवै बाटडली ।295।

साम्फपहयापाणी नचानी, जी विलमावण मरवणली ।
घटयौ साम्या घर सू निकळी, हेला देतो सायडली ।296।

कूवै पाणी भरवा आई, घरा घरा री वोदणली[2] ।
परदेसा मैं सायत्र बठया, करत्या दीमैं वातडली ।297।

गाव किनारैं तळ दीसै है, पाणी दीमैं धूडली ।
मटकी ऊच्या वहवड चानी, हस-हस करती वातडली ।298।

मिळणो जुळणो बूवा माथै, करै हयाया सायडली ।
व्याव सगाई औसर मौसर करती दीमैं वातडली ।299।

जीव जिनावर पाणी पीवैं गाव तळावा घाटडली ।
साफ सूयरो पालर पाणी, भरती दीसै मटकटली ।300।

भगवन ध्याता भजन गावता, तळ खादै है धरतडली ।
मीठो पाणी दिखै निकळतो, रस रै मूडै हासडली ।301।

ताल तळाया दिखैं खोदता, वार ल्हाखदै माटडली ।
चोमासै मैं मेहो वरस्या, भरती दीसै नाडडली ।302।

आगोरा सू पाणी खळकै भरती दीसै झीलडली ।
पाख पखेरू उडता आव, पाणी पीवैं चावडली ।303।

गधिया ढाचा लादया लाव, भर भर पाणी मटकडली ।
चोघड लातो दिखै सायिडो, घरिया ऊपर साढडली ।304।

---

1 हथनी की चाल से (हाथी हथनी पजों पर चलते हैं जिससे जब वे चलते हैं तो सारा शरीर झूमता हुआ लगता है।) 2 कुआ गाव की औरतों के मल्व का काम करता है ।

आसोज

हरया खेतडा मन बिलमावै, ज्यू सूवै री पाखडली ।
साफ सूयरै आभ मायै, ओस पड है धाकडली ।305।

भूख भागणो तीस बुझाणो, दिस मतीरो खेतडली ।
अथरी पथरी बहती दीसै, पाणी पीया आलडली ।306।

खेत कामडो अग चग लाग्यो, सुख सू लेव नीदडली ।
जीव अधारा रती म्हारी, अन धन भरसी चाडडली ।307।

खेत लावणी करती वेळा, अेकी दीसै गावडली ।
थारी म्हारी बात रही नी, घर री समझै खेतडली ।308।

भाईडा स्म रळ-मिळ बठे, रोटी पुरस मावडली ।
दूध दहो रा जीमण जीम, बठया सबड रावडली । 309।

काकड मतीरा[1] दिस मोकळा[2], तुम्बा पग-पग टीबडली ।
मिनख लुगाई दोनू जीमै, डागर बणगी मोजडली[3] ।310।

हरचो साग है दिखै मोकळो, ग्वार फळी अर मोठडली ।
बाजरलै री रोटया चूरै, बैठयो खेता भूपडली ।311।

दिनडो ढळता घरा आयजा, हाडी सीजै खीचडली ।
मिरिया-मिरिया[4] घीव घालती, पुरसै मावड गावडली ।312।

लाल बोरिया मीठा लागै, पग पग ऊभी बोरडली ।
दै धधूणो[5] दिग्व झाडतो, ऊभो बीचा रोहिडली[6] ।313।

---

1 ककडी मतीरे 2 अधिक 3 आनन्द 4 बडा चम्मच
5 जोर से हिलाना 6 जगल

रात बिराता खेत रुखाळै, बेठ्यौ ऊपर टीवडली ।
हिरण्या किरत्या[1] दिखै गगन में, टेम देखलै आगडली ।314।

कैर सागरी साग मोकळौ, दिखै तोडती गोरडली ।
बिखरघा खोखा बकरी चरलै, ऊभी नीचै खेजडली ।315।

भूरट काटौ पग-पग बिखर्‌यौ, लडिया लूवा धोतडनी ।
हीरा-मोती जडी दिखै है, गोरडली री चूदडली ।316।

ठमकी मारघा ठम-ठम बोलै, पाकी दीसै आलडली ।
गुड सिरोडौ पडयौ मतीरो, सातू बळिया बेलडली ।317।

गोघलियौ खेता म बडजा, गवरू पकडै पूछडनो ।
दे फटकारो हेठे न्हाखे, दिखै चाटतौ रेतडली ।318।

हरियै-हरियै खेता दीस, बाजर ऊची सीटडली ।
काचर घणा टीडसी दीस, फळघा भरोडी मोठडली ।319।

आसोजा मै मोती निपजै बादळ नाम्या छाटडली ।
हरियाळी खेता मै दीस, धान हुवेलो धाकडली ।320।

हाथ पगा मै बळता भळता भूरट लाग्या काटडली ।
हाथा सू काटलिया चुगलै, सिळिया चुगलै चीपडली ।321।

बिन बरस्या सू सावण जावै, डबको पडजा जीवडली ।
देवि देवता घ्याता दीस मिनख लुगाई गावडली ।322।

जण हिरणियौ डावै आव, सुगना माडी बातडली ।
ऊणा टूणा करती दीस, गाव घरा मै सायडली ।323।

काचर-बोर मतीरा मीठा, हुया दियाळी गावडली ।
दीया दीठ्या धान पकै है, घर-घर सुणलै बातडली ।324।

---

1 तारो के नाम(तीन तारे लगातार दिखाई देते हैं उसे हिरण्या कहते हैं। छ तारो के झूमके को किरत्या कहते हैं।)

दियाळी

थेरू फाटी आटी लेव, देस दियाळी गावडली ।
डरता-डरता बिल में बडजा, सूनो दीस रोहिडली ।325।

दिया दियाळी जगता दीस्या, दिख तीडसा माठडली ।
खत लाट कर घर म आव, धान लादिया गाडडली ।326।

घर आगणियो झाड झडवें लीप पोत गोरडली ।
बही चोपडा पूजा करता, परख[1] हाथा रोकडली[2] ।327।

धनतेरस न बरतन लेवा, गजबण पूग हाटडली ।
ठोड-ठोड पर सजी दुकाना, थाळी लेवें कामणली ।328।

म्हैल माळिया लिया मखाणा, फूल्या बाधी गाठडली ।
गाव घरा न नाठो[3] जाव, काध लीया पोटडली ।329।

तेल बाती दीस भीजती, सज्या दीवटा भीतडली ।
तूळी लाग्या जगता दीस, घरा-घरा री छातडली ।330।

झिलमिल झिलमिल कर दीवटा, धीमी चाल पूनडली ।
सोनल[4] धोरा दिख चानण[5], दमक-चमक रेतडली ।331।

गणा गाभा पहरी ऊभी, दिख गवरजा मूमल्डी ।
चणक मणक[6] अग अग में दीस, झणक चूड्या हाथडली ।332।

लिछमी पूजन लिछमी चाली, लिया आरती गोरडली ।
धन धान सू माटा भरिया, परख नगदी रोकडली ।333।

1, देखना 2 धनरासी 3 दौड़ना 4 सुनहरे रग के
5 उजाला 6 चचलता

सास खेंचता घर घर दीसै, बैठ्या ऊपर जाजमडो।
हार जीन नै भूल्या बिसरया, सुगन मनावै सायडली।334।

रातडली मै छुट अनारा, फूल झडै है टीबडली।
न्यारू मेरा दिख बिखरता, हीरा मोती रेतडली।335।

तूळी लाग्या तीर छटजा, दिखै गिगन मे आगडली।
भूल्यो भटक्यो घर पर पडजा, जगती दीसै झूपडली।336।

आटा खातो साप बणै है, फण फैल्यो है धाकडली।
हसता-हसता टाबर देख, ऊमा सायै मावडली।337।

अेक बरस सू आइ दियाळी, घर-घर छायी हरखडली।
पुरख लुगाई पूजा करता, मागै सोनो चादडली।338।

जगती लडन दिखै हालता, खाली लीया भटकडली।
पट्टाखा री पड पड चाल, देख टाबर आखडली।339।

पूजा-पाठ सू निपट सायी, पूगै ऊची टीबडली।
धम्माका रा उठै धमीटा, धूजै बाळू धरतडली।340।

छुट्या सोर मरै कीटाणू, मुख सू लेव सासडली।
साफ सूथरी धून चालिया, रोग दिखै नी गावडली।341।

अमावस री रात अधारी, तारा गिणल आखडली।
सीयाळै री भलक देखल, सूती माच गोरडली।342।

घर घर जीमण होतो दीसै, दिख सीजती नाफसडी।
गणा गाना पहर कामणी, बाटै घर-घर सायडली।343।

दीयाळी री उछब मोकळी, वट मिठाई गावडली।
मिलता बोल रामा-सामा, ख्स र मूड हासडली।344।

---

1 पटाखे छाडने पर धुआ उठता है उससे वायु मण्डल म रोग फलाने वाले कीटाणु मर जाते हैं।

ब्याव-सावा

मौरत निकळचा ब्याव हुव है, घर-घर गावा गीतडली ।
इणती गिणती आवै कोनी, दिन गिणाव गडडली[1] ।345।

ब्याव तिथी न मुकर करचा सू, दिखै बाधता गाठडली ।
हळदी गाठियो मोळी बाध्यौ, माळा टागी भीतडली ।346।

विघन विनायक आय विराज, ब्याव रचावै साथडली ।
बिन गणेसजी काम सरै नी, गीत लडाव मावडली ।347।

ब्याव टाक्लै गीत गायवा घर सू आवै बहुवडली ।
मधरा मधरा गीत गावती, घर घर दीस गोरडली ।348।

हरिया मूग बिखेरण रीता ब्याव मडया स गावडली ।
मोठ मूग न चुगती चुगती, गीत उगेर बहुवडली ।349।

ब्याव घरा रौ ठा पडजाव, मीठी बाज्या ढोलवडी ।
मधरी मधरी डूमण गाव, ऊची खीच तानडली ।350।

बुला-बडरा वाता पक्की, पोथी जोसी हाथडली ।
घर- घर पीळा चावळ बटजा, कुटम कबील हरखडली ।351।

वान बैठियौ बनडो दीस, बाधी पीळी पागडली ।
चमकी भाला दिखै चमकती, हाथा लीनी गेडडली ।352।

हाथ काम लेता र साथै, पीठी मसळ साथडली ।
मूड ऊपर लाली छायी, गोरी दीस चामडली ।353।

---

1 पुराने समय म गाव के लोगो को पूरी गिनती नही आती थी, दूल्हा दूल्हन छडिया को उठा कर एक कोने से दूसरे कोने म रख कर दिनों की गिनती करते थे ।

भात-भरै

ब्याव टाक्लै भाई नेतण, पीवर पूगै बैनडली।
विना भात रै ब्याव अधूरौ, बनड आसू आखडली।354।

गाव घरा सू चाल्यो भाई, ओढण लादो गाडडली।
बुढा बडेरा भाई बधू, भात भर स्स गावडली।355।

गाडया माथै बठ लुगाया, बोरा लादया साठडली।
बीर मायरौ धाकड नायौ, बैनड मूडै हासटली।356।

ओरण बीच आय बिराज, भाई बैनड मावडली।
थाळ सजाया हाथा लीना, पूगै आगण धीवडली।357।

दादा काका नाना मामा, माथ बाधी पागडली।
गाजा बाजा भर मायरौ, हाथा लीया चूदडली।358।

कुटम कबीलो भेळो होजा, बैठ उपर जाजमडी।
बनड ऊभी भाई टीकै, नणदल गाव गीतडली।359।

बोझा मरती बनड ऊभी माथ गुळ री भेलडली।
गीता हेलौ बन सुणावै, बीरौ समझै बातडली।360।

भात भरया स् रिपिया वरस दिखै मोकळी रोकडली।
गाव लुगाया दिखै गावती, मधरी मधरी गीतडली।361।

ज भाई रौ भात चूकजा, सासू मारै तानडली।
औ कलक धोया नी धूपै, भाई समझै वातडली।362।

बैन घरा सू हुवै विदाई, लादी भाया गाडडली।
घरा आगण ऊभा ऊभा, फेरै माथै हाथडली।363।

ब्याव-सावा

मोरत निकळया ब्याव हुवै है, घर घर गावा गीतडली ।
इणती गिणती आवै कोनो, दिन गिणावै गेडडली[1] ।345।

ब्याव तिथी नै मुकर करधा सू, दिख बाधता गाठडली ।
हळदी गाठियो मोळी बाध्यो, माळा टागी भीतडली ।346।

विघन विनायक जाय विराज, ब्याव रचावै सायडली ।
बिन गणेसजी काम सर नी गीत लडावै मावडली ।347।

ब्याव टाक्लै गीत गायवा, घर सू आवै बहुयडली ।
मधरा मधरा गीत गावती, घर-घर दीसै गोरडली ।348।

हरिया मूग बिखेरण रीता ब्याव मडया सू गावडनी ।
मोठ मूग न चुगती-चुगती, गीत उगेर बहुवडनी ।349।

ब्याव घरा गै ठा पडजावै, मीठी बाज्या ढोलवडी ।
मधरी मधरी डूमण गाव, ऊची खीचै तानटली ।350।

बुहा बडरा वाता पक्की पोथी जोसी हायडली ।
घर- घर पीळा चावळ बटजा, कुटम कबीलै हरखडनी ।351।

वान बैठियो बनडो दीस, बाधी पीळी पागडली ।
चमकी भाला दिखै चमकती, हाथा लीनी गेडडली ।352।

हाय काम लेता र साथ, पीठी मसळै सायडली ।
मूडै ऊपर लाली छायी, गोरी दीम चामन्ली ।353।

---

1 पुराने समय म गाव के लागों का पूरी गिनती नहीं आती थी दूल्हा-दुल्हन छडिया को उठा कर एक कोने से दूसरे कोने म रख कर दिनों की गिनती करते थे ।

तोरण ढूक्या कामण फवैं, भर-भर दाणा मूठडली ।
वींद साथिडा गमछौ ताणे, ऊभा ऊंची घरतडली ।375।

तोरण आया हुवै आरतौ, दिया सजाया गोरडली ।
सासू ऊभी नापै-जोख, हाथा थाम्या डोरडली ।376।

टीकौ काढे ऊभी सासू, थाळी लीया हाथडली ।
झिलमिलझिलमिल करै आरतौ, कामणगारी भावजडी ।377।

कवर-कलेवौ जणै हुवै है घर मैं गावै गीतडली ।
बीच थाळ रै क्यों उठावै, बैठयौ वनडा जाजमडी ।378।

ताना देती दिखै लुगाया, मधरी गाती गीतडली ।
भूडा जानी लायौ लाडल, मूडै क्हती बातडली ।379।

काणा जानी लाया लाडल, किस विद करसी बातडली ।
आधा जानी लाया लाडल, चुपकै बैठा जाजमडी ।380।

खोटा जानी लायो लाडल, किस विद करसी बातडली ।
लूला जानी लायौ लाडल, चुपकै बठौ जाजमडी ।381।

ठिगणा जानी लायौ लाडल, किस विद करसी बातडली ।
बूढा जानी लायौ लाडल, चुपकै बैठौ जाजमडी ।382।

पहलौ जीमण घीव खीचडी, ऊपर रेडी साकरडी[1] ।
हाथ सबडका देती जीमैं, बठयौ ऊपर जाजमडी ।383।

थाळ परूस्या जीमण बठै, गजवण गावै गीतडली ।
गीत गावती जान बाध दै, जाया रोकी हाथडली ।384।

कमी भाई जान छुडावै, सास्या बोलै धाकडली ।
ऊक चूक मूडै पर आता, कवी देयदै लाफसडी ।385।

---

1 गावो मे जाने पर पहला जीमण खीचडी का दिया जाता था। देसी घी से पाळी भरदी जाती थी फिर खीचडी को मिला कर अधिक से अधिक घी खिलाया जाता था ।

बनड रै माथै न धोवै, मामो लीया छाछडली।
पाट माथ बठचो न्हावै, भावज गावै गीतडली।364।

बींद बणाव ऊभो भावज, काजळ घालै आखडली।
निजर बचावण सातर माड, मूडै काळी टीकडली।365।

बींद राज बण ठण नै बैठचा, माथ बाध्या पागडली।
हीरा कटी पळका मार, लाबी पहरी अचकणली।366।

फीडी[1] जूती बनड पहरी, सलमा तारा डोरडली।
बींद पगलिया धरतो चाल हाळै होळ टागडली।367।

फूल-गुलाबी दिखै कमरबध, झीणी मलमल ओढणली।
माय घाल नारेल बाध दें, घर-घर गावा भावजडी।368।

बनडी घोड चढियो चालै बाजा बाज धाकडली।
गीत गावता धूम मचादै, मावड भावज बनडली।369।

छैल छबीला जाना जावैं घर मैं रहजा बहवडली।
अेक दुज सू ब्याव रचाव, रम टूटियो[2] सायडली।370।

सामी जान चढ भाईडा, करजा सवारी साढडली।
जान्या सायै आता दीखै, पड जानी भी गावडली।371।

बार गाव सू आया जानी, बठै ऊपर जाजमडी।
होका चिलमा गोट उठ है, अमल गळ है थाकडली।372।

माळी पगा तणा खडचा है, हस हस करता बातडली।
भाव भगत मैं कमी दिखै नी, चरतो दीसै साढडली।373।

चदन लकडी तोरण दीसै, बाध्यो ऊचो भीतडली।
जग मोत्या री थाळ सजाया, सासू लीनो हाथडली।374।

---

1 बगर एडी के 2 बारात जाने के पश्चात दूल्हे के घर पर औरता द्वारा आपस मे रचा जाने वाला नकली विवाह।

तोरण ढूक्या कामण फवै, भर-भर दाणा मूठडली।
बीद साथिडा गमछा ताणे, ऊभा ऊची धरतडली।375।

तोरण आया हुवै आरतो, दिया सजाया गोरडली।
सासू ऊभी नापै-जोखै, हाथा थाम्या डोरडली।376।

टीको काढ ऊभी सासू, थाळी लीया हाथडली।
झिलमिलझिलमिल करै आरतो, कामणगारी भावजडी।377।

कवर-कलेवो जणै हुवै है, घर म गावै गीतडली।
बीच थाळ रै मची उठावै, बैठयी बनडी जाजमडी।378।

ताना देती दिवै लुगाया, मधरी गाती गीतडली।
भूडा जानी लायो लाडल, मूडै कहती बातडली।379।

काणा जानी लाया लाडल, किस विद करसी बातडली।
आधा जानी लाया लाडल, चुपकै बैठा जाजमडी।380।

खाडा जानी लाया लाडल, किस विद करसी बातडली।
लूला जानी लायो लाडल, चुपकै बैठो जाजमडी।381।

ठिगणा जानी लायो लाडल, किस विद-करसी बातडली।
बूढा जानी लायो लाडल, चुपक बैठो जाजमडी।382।

पहलो जीमण घीव खीचडी, ऊपर रेडी साकरडी[1]।
हाथ सरडका देती जीम, बैठयो ऊपर जाजमडी।383।

थाळ परूस्या जीमण बठै, गजवण गाव गीतडली।
गीत गावती जान बाध दै, जाया रोकी हाथडली।384।

ऊभो भाई जान छुडावै, साख्या बोलै धावडली।
ऊत-चूक मूनै पर आता, क्वी देयदे नापसडी।385।

---

1 गावा म जानी पर पहला जीमण खीचडी का दिया जाता था। देसी घी से थाळी भरदी जाती थी फिर खीचडी का मिला कर अधिक से अधिक घी खिलाया जाता था।

बनड रै माथै न घोवै, मामो लीया छाछड़ली।
पाट माथ बठ्यो हावै, भावज गाव गीतड़ली।364।

बींद बणाय ऊभी भावज, काजळ घाल आखड़ली।
निजर बचावण सातर माड, मूंड काळी टीकड़ली।365।

बींद राज बण ठण नें बैठ्या, माथै बाध्या पागड़ली।
हीरा कंठी पळका मार, लाबी पहरी अचकणली।366।

फीडी[1] जूती बनड पहरी, सलमा तारा डोरड़ली।
बींद पगलिया धरतो चाल, होळ होळै टागड़ली।367।

फूल-गुलाबी दिख कमरबध, भीणी मलमल ओढणली।
माय घाल नारेल बाध द, घर घर गावा भावजड़ी।368।

बनडो घोडै चढियो चालै बाजा बाज धाकड़ली।
गीत गावता धूम मचावै, मावड भावज बैनड़ली।369।

छल छबीला जाना जाव, घर मैं रहजा बहुवड़ली।
अेक दुज सू ब्याव रचाव, रमै टूटियो[2] सायडली।370।

सामी जान चढ भाईडा, करया सवारी साढड़ली।
जाया साथै आता दीखें, पड जानी भी गावड़ली।371।

बार गाव सू आया जानी, बठ ऊपर जाजमड़ी।
होका चिलमा गोट उठ है, अमल गळ है धाकड़ली।372।

माढो पगा तणा सड्या, है, हस हस करता बातड़ली।
आव भगत मैं कमी दिखै नी, चरती दीस साढड़ली।373।

चदन नकटी तोरण दीसे, बाध्यो ऊंची भीतड़ली।
जग मोत्या रो थाळ सजाया, सामू लीनी हाथड़ली।374।

---

1 बगर एडी के 2 बारात जाने के पश्चात दूल्हे के घर पर औरतो द्वारा आपस मे रचा जाने वाला नकली विवाह।

तोरण ढूक्या कामण फबै, भर-भर दाणा मूठडली ।
बीद साथिडा गमछों ताणै, ऊभा ऊंचो धरतडली ।375।

तोरण आया हुवै आरतो, दिया सजाया गोरडली ।
सासू ऊभी नाप-जोखै, हाथा थाम्या डोरडली ।376।

टीको काढै ऊभी सासू, थाळी लीया हाथडली ।
झिलमिलझिलमिल करै आरतो, कामणगारी भावजडी ।377।

कवर-कलेवो जण हुव है घर मैं गावै गीतडली ।
बीच थाळ रै कनी उठावै, बैठ्यो बनडो जाजमडी ।378।

ताना देती दियै लुगाया, मधरी गाती गीतडली ।
भूंडा जानी लायो लाडल, मूंड कहती बातडली ।379।

काणा जानी लाया लाडल, किस विद करसी बातडली ।
आधा जानी लायो लाडल, चुपकै बैठा जाजमडी ।380।

खोडा जानी लाया लाडल, किस विद करसी बातडली ।
लूला जानी लायो लाडल, चुपकै बैठो जाजमडी ।381।

ठिगणा जानी लायो लाडल, किस विद-करसी बातडलो ।
बूढा जानी लायो लाडल, चुपक बैठा जाजमडी ।382।

पहलो जीमण धीव खीचडी, उपर रेडी साकरडी[1] ।
हाथ सनडका देतो जीमै, बैठ्यो ऊपर जाजमडी ।383।

थाळ परूस्या जीमण बठै, गजवण गाव गीतडली ।
गीत गावती जान बाध दै, जा'या रोकी हाथडली ।384।

ऊभी भाई जान छुडावै, साम्या बोलै धाकडली ।
ऊक चूक मूंडै पर आता, कवा देयदै नाकसडी ।385।

---

1 गावों म जानों पर पहला जीमण खीचडी का दिया जाता था। देशी घी से थाळी भरदी जाती थी फिर खीचडी को मिला कर अधिक से अधिक घी खिलाया जाता था ।

आपसरी में क्वा देवता, हस-हस करल वातडली ।
मनवारा सू जीमण जीमैं, सगा गनायत गावडली ।386।

व्याव रचावण आया जानी, वैठया मार्च वासळडी ।
चार दिना तक जीमण जीमैं, जूनी गावा रीतडली ।387।

चवरी म फेरलिया खाव, बींद बीदणी रातडली ।
आसै-पासै भीड मोकळी, दिखै लुगाया धाकडली ।388।

हथळेव हाथ मैं मेहदी, फेरा खाव बीदणली ।
टावरिया रा व्याव हुव है, देखै वावल मावडली ।389।

अगनी सामैं सोगन खावैं, कदै न छाडू साथडली ।
मरणा जीणो साथ सायणी, दिख थामती हाथडली ।390।

बनटी बनटी जूवो खेल, बीटी गुमजा छाछडली ।
लाटल बीटी भट जो लेव, साळघा मूडै हासडली ।391।

जानीवामैं पूग साथिडा, वठ ऊपर जाजमडी ।
मधरी-मधरी डमण गाव, रिपिया बरसै धाकडली ।392।

जानी वास गीत गावती, धूम मचाद गोरडली ।
पान-सुपारी वटै मावळी, खारक बटजा मूठडली ।393।

सगा सोई नै सीख देवता, मिळै गळा भर बाथडली ।
मूठघा भर-भर उडै गुलाला, रगा रगीज हाथडली ।394।

जान विदाई करवा खातिर, ऊभा साथी साथडली ।
टावर टीगर रेला पेला, मधरी बाज ढोलकडी ।395।

ऊटा पडची धरता दीस, कस्या पलाणा साढडली ।
अेक दुज सू विदा होवता, हस हस करलै बातडली ।396।

ऊट कतारा दिखै जावती, ऊचै धोर टीवडला ।
मधरी-मधरी ढोली गावै वैठ्यो ऊपर साढडली ।397।

हुवै विदाई

दूर देस मैं भयौ सासरौ, बेटी छोड गावडली ।
बाबल माथै हाथ फेरता, आसू ढळकै आखडली ।398।

काका मामा दियौ दिलासौ, मूडं आधौ बातडली ।
आसूडा गाला पर छाया, भाई भीची दातडली ।399।

भोळी चिडकल गूगी बणगी, ना निसरै है बातडली ।
खाणौ-पीणौ सगा बिसरायौ, गुम-सुम बठी सोनडली ।400।

आसूडा री मेहा बरसै, मूडै डुसका हिचकडली ।
मधरा मधरा पगल्या धरती, फळसौ लाघै कोयलडी ।401।

गळबाथडली घाल्या चालो, फळसै ताई सायडली ।
साथणया री साथ छूटग्या, याद आवसी बेनडली ।402।

जामण री काळजिया फाटै, आगण छोडग्या धीवडली ।
आसूडा रा वाळा बहवै, भीजी कुडती चूदडली ।403।

गाव लुगाया भेळी होजा, मधरी गाव ओळूडी ।
चिडकल मुड-मुड घरन देखै, घुडली घेर साळडली ।404।

गाव धरा पर दिख उदासी, विदा हुवै जद बटडली ।
छोटा मोटा रसे रोव है, घर मै ढोर्व बाछडली ।405।

भाई बहन री ध्यान राखी, नौरो म्हारी गावडली ।
धोरलिया री सोन चिडकली, द भोळावण मावडली ।406।

आखिर देस्यौ धरा गाव नै, टुरी सासर कोयलडी ।
रूस बाठरा लारै छूटया, घर मै छूटी मावडली ।407।

ब्याव रचाय'र आया जानी, गाव घरा में हरखडली ।
बीद-बीदणी कावड बैठया, हेटैं गादी जाजमटी ।408।

घरा घरा सू निरखण आयी, गाव घरा री बहवडली ।
घूघट सू घूघटियो रळियो, देखैं आख्या नाक्टली ।409।

ब्यावा रीता पूरी होगो, घरा पूगजा बीदणली ।
आरतियैं री थाळ सजाया, फळमैं ऊभी मावटली ।410।

बनडी बनडी घर म बडता, फळसो रोकैं बैनटली ।
नेक-चाक बायलजो देव, मावड मूडे हासटली ।411।

गठजोडै सू बडता घर म, बीद बिखर थाळरडी ।
इलरघा बिलरचा बरतन दीसैं भेळा करलैं लाडउली ।412।

नुई नवेलण घरा पूगगी, न्यातड भेळी बाखळडी ।
मूह दिखाई पगा लगाई, देव रिपिया रोकडली ।413।

ब्याव हुवण पर रातीजोगी, घर-घर दीस गावडली ।
घरा लुगाया मधरी गाव, बैठी आखी रातडली ।414।

लाड जवाई घरा आवता, सासू गाव आखडली ।
छोटचा साळघा क'र मसकरघा, पाव पान सुपारडली ।415।

लाड कोड दिख जोमती, आय पावणा गावडली ।
रात पडघा सू गीत उगर, रळ मिळ बठी साथडली ।416।

हसी मजाका करत्या करत्या, साळघा बठी भूपटली ।
मधरी मधरी बाता बोचैं, बीत आखी रातडली ।417।

सजी धजी बहवडली दीसैं, चुडलो पहरया हाथडली ।
ओळू गाती दिखैं लुगाया, विदा हुव है बटडली ।418।

ढोलैं साथ मरवण टुरगी, वठचा ऊपर साढडली ।
लूमा-भूमा करैं गोरवद, गणी भणक टागडली ।419।

टाबर

पूरा पट वीदणी बैठ्या, कोड मनावे नणदडली।
सासू मोटी आस लगाई, बेटो जणसी वहुवडली।420।

जणै वीदणी दिखै पेट सू, जोरा फेरै घट्टडली।
घण काम सू टावर सोरो, होसी दीस गोरडली।421।

पहलौ जापो पीहर करसी, गाव घरा री रीतडली।
वैनड लेवण भाई आयो, घरा उडीक मावडली।422।

बुढया वडरघा भेळी होजा, सोचो समभी वातडली।
भट दाई नै हेलो देवै, करै चादणो भूपडली।423।

पहलो जापो खाय-बठीटा, मूडै चिपजा दातडली।
दोरी सोरी टावर जणदे, मावड मूड हासडली।424।

नाळौ काटै, मावळ बूरै, दाई पूरी वातडली।
सवा महिण नाईण आवै, काम करे दिन रातडली।425।

नणदोली हाचळ खोलावै[1], दूधो पाव मावडली।
नेक चाक बाथल जो देव, हाथा रिपिया रोकडली।426।

घरा घरा सू आय लुगाया, चढती दीसै छातडली।
बेटौ होया थाळ वजाव, बेलण लीया हाथडली।427।

उछव मोकळी दिखै घरा म, डूमण गाव गीतडली।
भाई व घू, सगा परसगी, जीमण जीमै ~यातडली।428।

---

1 बच्चा ज म लेने के पश्चात बच्चे की मा बच्चे को स्तन पान तभी कराती है जब ननद आकर बच्चे के मुह म स्तन देती है। इस पर उसे रुपय, गहने, कपडे आदि प्राप्त होते हैं।

ब्याव रचाय'र आया जानी, गाव घरा मैं हुरखडली ।
बीद-बीदणी फाकड वैठया, हेटै गादी जाजमडी ।408।

घरा घरा सू निरखण आयी, गाव घरा री बहुवडली ।
घूघट सू घूघटियो रळियो, देखै आख्या नाकडली ।409।

ब्यावा रीता पूरी होगी, घरा पूगजा बीदणली ।
आरतियै रो थाळ सजाया, फळसै ऊभी मावडली ।410।

बनटो-बनडी घर मैं बडता, फळसो रोकै बैनडली ।
नेक चाक बावलजी देव, मावड मूडै हासडली ।411।

गठजोडै सू बडता घर मैं, बीद बिखर थाळकडी ।
इखरया बिखरया बरतन दीस भेळा करलै लाडडली ।412।

मुई नवेलण घरा पूगगी, न्यातड भेळी बाखळडी ।
मूह दिखाई पगा लगाई, देव रिपिया रोकडली ।413।

ब्याव हुवण पर रातीजोगो, घर घर दीस गावडली ।
घरा लुगाया मघरी गाव, बठी आखी रातडली ।414।

लाड जवाई घरा आवता, सासू गाव आखडली ।
छोटया साळया कर मसकरया, पावै पान सुपारडली ।415।

लाड कोड दिख जीमतो, आय पावणा गावटली ।
रात पडया सू गीत उगर, रळ मिळ बठी सायडली ।416।

हसी मजाका करता-करता, साळया बठी भूपडली ।
मघरी मघरी बाता बोचै, बीत आखी रातडली ।417।

सजी धजी बहुवडली दीसै, चुटली पहरया हाथडली ।
ओळू गाती दिख लुगाया, विदा हुव है बटटली ।418।

ढोलै साथ मरवण टुरगी, बठया ऊपर साढडली ।
लूमा झूमा कर गोरवद, गेणो भणकै टागटली ।419।

नैना टावर दिखै गाव मैं, बैठे मावड गोदडली ।
लाड लडावै बैठो जामण, हसती दीसै बैटडली ।441।

झाड़ूली टावरिया उतरै, बाजा बाजै गावडली ।
देवि-देवता वेस चढाता, जाता पूरी बातडली ।442।

पैरी ओढी दिखै बीदणो, पगल्या लागै डोकडली ।
दूधा न्हावो पूत फळो यैं, सासू बोलै बोलडली ।443।

पोतडिया नैं बाध्यो सूतो, टाबर लेवै नीदडली ।
ईलो गीलो की नीं दीसै, सुख सू सोवै मावडली ।444।

सजी-धजी बहुवडली दीस, गीगो लीया गोदडली ।
बेटो दादो दादी सूपै, आय सासरै गोरडली ।445।

पकड आगळी टावर चालै, मूडै दादी हासडली ।
ठमका करतो आगै भाजै, घुघरू बाजै टागडली ।446।

पालणियै मैं टावर हीडै, लोरी देवै मावडली ।
हीडा लेतो सूतो दीसै, मीठी लेतो नीदडली ।447।

दादी लाड लडाती दीसै, टावर बठ्यो गोदडली ।
टट-पट टट-पट बाता करतो, तोती बोलै बोलडली ।448।

छ महिणा री होता-होता, वैठे टावर गोदडली ।
आती जाती दे डिचकारी, घरा घरा मैं बहुवडली ।449।

टावरियै रै जलम लेवता, जात बोलदे मावडली ।
वडो होवता जाती दीसै, देवि देवता सायडली ।450।

घर घर टावर रमता दीसै, गळिया गाथा रेतडली ।
। । हाकी करता करता, रळघुळ घाल धाकडली ।451।

। काड घर-घर मैं दीसै, टावर होया गावडली ।
। टावरा सूनो दीसै, गाव घरा री घरतडली ।452।

घर में टाबर जणिया सूतो, जच्चा खावे सूठडली ।
अजवाणा रा सीरा जीम, वठी ऊपर माचडली ।429।

घीव सहद मूडे मे देव, जलम्या टाबर बहवडली ।
जात करम सस्कारा पूरा, घर-घर दीस गावडली ।430।

गूद गिरी रा लाडू बाध्या, घाल बिदाम साकरडली ।
खाणो पीणो रचले पचले, मूडो चमक धाकडली ।431।

तेल पीठी दीस मसळती, माथो घीव गोरडली ।
चिकणी चुपडी दिख कामणी, मखमल जग्यो चामडली ।432।

न्हाव धोव केस सवारै, पीळो ओढ बहवडली ।
नणदोली र हाथा थाळी, बीदण वाट साफसडी ।433।

जापै स जद उठ सवागण, आगण बाजै ढालवडी ।
घरा लुगाया भेळी होजा, मधरी गाव गीतडली ।434।

करवो पूजण बहवड चाली, ओढया तारा लूगडली ।
बैठी जणिया है गोरडली, करै लुगाया बातडली ।435।

पूजन कर जद दोपड ऊभ्या, पाणी लाव बीदणली ।
चूलो चोका कामण साभ, दिख राधता लाफसडी ।436।

सग्या सगार घरा पूगजा, धमचक घाले धाकडली ।
मधरी-मधरी गाळया गाव, घणी सुहावे बातडली ।437।

टाबरिया र नामकरण पर, राध मोठी लाफसडी ।
भिरिया-भिरिया घीव लेवता, जीमै वठया जाजमडी ।438।

भोळा ढाळा टाबर रमता, थुथको घाल डोकडली ।
निजर बचावण मावड माड, मूड काजळ टीकडली ।439।

चुटकी देता टाबर हसद, बाखो दीस वैटडली ।
जद किल काळया भर लाडलो, मावट मूडे हासडली ।440।

बात सगाई लाबी होजा, पचा पडजा बातडली ।
बेटी घर मैं मावै कोनी, ब्याव रचादे मावडली ।462।

धीवड सोळा साल होवता, बावल उडजा नीदडली ।
मावड देवि देवता ध्यावै, दिखै जोडती हाथडली ।463।

मधरा-मधरा गीत सुणीज ब्याव टाकलै गावडली ।
माड राग धोरलिया गूज्या, थमै बटावू डाडडली ।464।

दुसी पड तौ करो भाइडा, ब्याव सगाई चाकरडी ।
बिन राजीपै अेक हुव नी, घर घर बाता गावडली ।465।

काकण डोरा हाथ पगा मैं, नीचै लटकै कोडडली ।
मुरचै माथै मोळी बाधी, लाग मेहदी हाथडली ।466।

टाबरिया रा ब्याव रचावै, दीस गुड्डा गुड्डली ।
गोदघा ऊच्या फेरा खाव, बावल साथै मावडली ।467।

जेठ असाढा ब्याव हुवै है, आधी चाले धाकडली ।
लू लपटा नै भूल्यौ विसरघौ, जीमै बैठघौ लाफसडी ।468।

तेरह बरसा हुई लाडली, वर देखै है डोकरडी ।
बुढा ठाडा नै परणावै, रिपिया लोभण मावडली ।469।

नानग रीत लेवतौ दीस, बेचै घर री धीवडली ।
बिन रिपिया, बिन गण भाई, ब्याव हुवै नी गावडली ।470।

ब्याव सगाई आणै मायै, उछव छायजा गावडली ।
रग रगीला घर दीसै है, राती दीसै भीतडली ।471।

राग रग धोरलिया बसिया, कण-कण गावै रेतडली ।
भणत जोनता, भजन गावता, ब्याव तिवारा गीतडली ।472।

---

1 मरुप्रदेश म राग रग प्रतिदिन होते रहते हैं। खेता मे भजन-वाणी तथा ब्याव-त्योहारों पर गीतों की मीठी गूज कानों म पडती रहती है।

रीता

ब्याव-मायरै खरच मोकळी, खाली होजा आटडली ।
किरकी लोया जिये जोवडी, सारी देवै हिम्मतडी[1] ।453।

गठजोडै री बात निराळी, बाध घर घर गावडली ।
ई वधन र सारै जोल, गाव घरा री गोरडली ।454।

हियो हेत सू गाठा घुळजा, काकण डोरा हाथडली ।
पुरख लुगाई इसडा घुळिया, ज्यू पाणी मं साकरडी ।455।

कामणिया रै गीत बिना सू, ब्याव अधूरी वातडली ।
रळ मिळ गाती दिखै लुगाया, ब्याव टाकल गावडली ।456।

बाबल मावड मनसा मान, सुख सू रहवै बैटडली ।
दूध घीव री नदिया बहवै, बेटो रमलै गोदडली ।457।

ऊनाळ म ब्याव हुया सू, आवै काळी आधडली ।
घर-घर गामा बात हुवै है, बनड चाटी हाडडली ।458।

गाव सगाई लाबी चाल, घरा घरा री रीतडली ।
अेक-दुजै नै अरखया परखया, ब्याव मड है साथडली ।459।

सासरिय म सासू दोरी, ताना देव नणदडली ।
जेठाणी री काम छूटग्यो, काम करू दिन रातडली ।460।

सासू म्हारी बुरी घणी है, घर-घर वाता वीदणली ।
सासू विन सासरियो सूनो, कामण मूडै वातडली ।461।

---

1. शादी मायरे पर गाव के लोग खुलकर खच करत है। इस मनाबल वे साथ जीत हैं कि कज शीघ्र ही उतार देंगे।

लाबा नावा केस दिखै है, विछिया ऊपर धरतडली ।
फूल वनी रो वनडो सूतो, मीठी लेतो नीदडली ।482।

रूप डळा री गजरण ऊभी, गठ गठोली गोरडली ।
नख लाग्या सू लोही झलक, गोरी-गोरी चामडली ।483।

काळी लटा वटा खायोडी, पूगी कामण ठोडडली ।
गाला माथै भवरा गुडक, मघरी चाल्या पूनडली ।484।

उभरयो हिवडो ऊचो दीसै, दिख कबूतर चाचडली ।
सरवर तिरता हस दिख है, ठम ठम चाल्या गोरडली ।485।

तीन सळा री पेडया दीसै, पेडू ऊपर कामणली[1] ।
रूवा डाडी वणी दिपै है, सूडी ऊपर गोरडली ।486।

घटी पाट ज्यू ढगर[2] गोरडी, कसियो घाघर डोरडली ।
ऊचा नीचा होता दीस, पाणी लाता सोनडली ।487।

नख अगूठा उभरया दीसै, धोरा धरती बैटडली ।
सीस सरुप नारेल कामणी, देवळ थाना जायडनी ।488।

हिगळू रग री कचन काया, घर-घर दीसै बीदणली ।
धोळा दात बतीसी चमक, बासग नागा चोटडनी ।489।

बजती बीणा कान सुण है, जद बोलै है कामणली ।
हस-हस वाता जद करै है, फूल झडै है पाखडनी ।490।

सीतळ पातळ धीमी चाला, बाळू धरती वहवडली ।
काण घूघट मिनग देखलै, हिवड बसगी लाजडली ।491।

हाडन-गुडल डील र माथै, लानी नस है गोरडली ।
डीगी डीगी दिखै लुगाया, घर-घर धोरा धरतडली ।492।

---

1 नाभी के नीचे तीन सळ पडन दिखाई देते हैं। नाभी के ऊपर रुओ से बनी पगडडी जो वक्षस्थल तक होती है। 2 नितम्ब ।

अखरो नखरो

गाल गुलाबी नण रसीना, नाक सुवै री चांचडली ।
मदमात जोबनिया माथै, होट फूल री पांखडली ।473।

ऊंची ऊंची दिसै धाचळी, रतन कचोळी सूडडली ।
पतळी पेट पीपळ रो पत्तो, कमर साकडी मूठडली ।474।

लांबी बांह चपरी डाळी, रसळा फळिया[1] आंगळडी ।
पान पीक री गिटता दीसै, गोरी पतळी चामडली ।475।

भिण घुघटिय मूडो दीसै, पलका प्याला आंखडली ।
नवल बन रा नैण मिरया सू, डसती लागै सांपणली ।476।

गुलगुलियै गाला न लीया, फिरै भाजती गोरडली ।
पतळै पतळै होटा बीचा, मोती जडी दांतडली ।477।

राती-राती दिसै चामडी, चमक मूडो सोनडली ।
होटा नाली लाल सुरख है, सुरग सुपारी अंटव्ली ।478।

तीखी भोवा खीच कबाणा, तिरछी लांबी रेखडली ।
बट लांबोडी पलका दीसै, खजण जैडी आंखडली[2] ।479।

केस अणी पर मोती चमकै, जद न्हाव है गोरडली ।
कंचन काया माथै ढलकै, पूगै ऊडी सूडडली ।480।

भरियौ-तरियौ हिवडो दीसै, ऊसा[3] भारी गोरडली ।
हुसला रळ मिळ सूता दीसै हिवडै माथै कामणली ।481।

---

1 पेड़ का नाम जिस की फलियां पतली और लम्बी होती है।
2 खजण पक्षी की आंख की तरह सुंदर आंख। 3 मादा पशुओं के थन तथा थनों के ऊपर की थली जिसमें दूध रहता है।

लाबा लाबा केस दिखै है, बिछिया ऊपर धरतडली ।
फूल बनी री बनडी सूतो, मीठो लेतो नींदडली ।482।

रूप डळा री गजगण ऊभो, गठ गठीली गोरडली ।
नख लाग्या सू लोही झलक, गोरी-गोरी चामडली ।483।

काळी लटा रटा खायोडी, पूगी कामण ठोडडली ।
गाला माथै भवरा गुडकै, मघरी चाल्या पूनडली ।484।

उभरयो हिवडो ऊचो दीसै, दिसै कबूतर चाचडली ।
सरवर तिरता हस दिसै है, ठम ठम चाल्या गोरडली ।485।

तीन सळा री पेडघा दीसै, पेडू ऊपर कामणली[1] ।
रूवा डाडी बणी दिखै है, सूडी ऊपर गोरडली ।486।

घटी पाट ज्यू ढगर[2] गोरडी, कसियो घाघर डोरडली ।
ऊचा नीचा होता दीसै, पाणी लाता सोनडली ।487।

नख अगूठा उभरया दीसै, धोरा धरती बैठडली ।
सीस सरूप नारेल कामणी, देवळ थाना जाघडली ।488।

हिंगळू रग री पचन काया, घर-घर दीसै बीदणली ।
धोळा दात बतीसी चमकै, बासग नागा चोटडली ।489।

बजती बीणा कान सुणै है, जद बोलै है कामणली ।
हस-हस बाता जदै करै है, फूल झडै है पाखडली ।490।

सीतळ पातळ धीमी चाना, बाळ् धरती वहवडली ।
काण घूघट मिनग देखलै, हिवडै बसगी लाजडली ।491।

हाडन गुडल डोल रै माथै, लावी नख है गोरटली ।
टीगी डीगी दिख लुगाया, घर घर धोरा धरतटली ।492।

---

1 नाभी के नीचे तीन सळ पडत दिखाई देते हैं। नाभी के ऊपर रूओ रा बनी पगडडी जो वक्षस्थल तक होती है। 2 नितम्ब ।

वेस सवार पाटया पाड, रूप निसारै मरवणली ।
गणा गाभा पहरया ऊभी, परी दिख है सोनडली ।493।

दो पलका र बीच गोरडी, खीचै काजळ रेखटली[1] ।
आभो धरती मिळया बीच म, पळका मार मेखडली ।494।

मकराण री दिख मूरती, दूधा न्हायी गोरडली ।
मरुधरा रूपा री भारी, घर घर मूमल मरवणली ।495।

ॲडी-चडी[2] निजर न आवै, इण धरती री धीवडली ।
धोरलिया रो रूप लियो है, सोनल रूपल सायडली ।496।

जसाणै रा पीळा भाटा, पीळी हुळका कामणली ।
सोनलिय रूपा नै लीया, गजबण ऊभी टीबडली ।497।

घूमर दूलडो कामण नाचै, द फटकारा खवडली ।
तीज तिवारा घूमर घालै, लटका देती हाथडली ।498।

घर-घर चाद पुनमरी निकलै बण ठण चाल्या सोनडली ।
हिरणो जिसडी दिखै चानती, लाबी पतली टागडली ।499।

लाबी-चोडी सीनी लीया, ढोली पोढयो[3] सेजडली ।
हाथ फेरती गजबण निरख[4], केस भरोडी छातडली ।500।

नई नवेलण[5] बण-ठण बैठी, ढळता आधी रातडली ।
राता डारा डोळा छाया, काजळ घुळग्यो आखडली ।501।

इदर लोक सू उतर अपसरा, बसगी धोरा धरतडली ।
इमरत न्हाख रस बरसाव, ऊभी ऊपर टीबडली[6] ।502।

आभै चाद पुनमरो निसरचो, मूमल ऊभी छातडली ।
सरमा मरती ओटो[7] लीनो, घूघट काढया वादळडी ।503।

---

1 रेखा 2 कुरूप 3 सोना 4 देखना 5 हाल ही में शादी हुई हो । 6 ऊचे टीले 7 आड म छुपना

सयोग-सिणगार

मुखड घूघट थळी[1] आम्वडे[2], कामण पूग मेंजडली ।
धडका धडका कर काळजो, भवर कर जद वातडली ।504।

वार-वार ढोलो घतळाव, गूगो वणगो मरवणली ।
ओढणिय सू मूडो ढकियो, घणी सतावै लाजडली ।505।

पहल मिलण काळजियो[3] धूजे, हल चल मचजा जोवडली ।
टूटी फूटी बोली निसरे, मूडे अटके वातडली ।506।

सजा माथ मरवण बठी, ढोलो खीच चूदडली ।
अध मुदिये[4] नणा सू निरखै, हाथ आगळी छेतडली[5] ।507।

पिवजी हाथ हाथ मे लीनो, रस भीजो है कामणली ।
झुकती पलका कर इसारा, वठू ढोल गोदडली ।508।

सुवागण राता सेज बिछाई, छेत्या बीचा झूपडली ।
किरण चाद री छण छण आय, झाका घाल भावजडो ।509।

दिवल नै हाथा सू ढाबयो[6], हुयो अधारो झूपडलो ।
दात दाडम्या[7] पळका मार, हुयो उजासो सजडली ।510।

साजा मरती कर अधारो, सूतो सजा गारडली ।
नाकडली री सासडली मैं[8] होळ-होळै वातडली ।511।

बाजबद री लूबा टूटी, गळ री टूटो हारडलो ।
इगरो बिसरी माग दिख है, तिणख[9] सूनो नाकडलो ।512।

---

1 पीठ 2 ठोकर खाना 3 कलेजा 4 आध मुंदे हुए
5 हाथों की अँगुलियों की दरारों से 6 ढकना 7 अनार के दाने
8 धुस-फुस की आवाज 9 नाक में पहने का आभूषण ।

हयणी जिसडी दिस चालती, मरूधरा री गोरडली ।
घर धुमेरा पहर धाघरो, गजवण पूगे सेंजडली ।513।

झीणा गाभा कामण पहरया, पीव मिलण री रातडली ।
चाद पुनमरी रातडली मैं, झाकै अग-अग गोरडली ।514।

दिनडो ऊग्या पूछे ताछै, घरा लुगाया वातडली[1] ।
सरम लाजडी घणी सतावैं, माथो टेक्यो गोडडली ।515।

साथी थारी वातडली मैं, किण विद रीझी भावजडी ।
मुळक-मुळक माईडो कहवैं, राता बीती वातडली[2] ।516।

रातडली री वातडली मैं, मनडो उळझ गोरडली ।
नाचै कूदे हसी खुसी म, करैं मस्करी सायडली ।517।

हेताळू सैजा पर सूतो, कामण चाप नगडली ।
कवळै-कवळै हाथा माथ, पोव उडावैं मोजडली ।518।

बादळ लोरा पाणो वरसैं, मरवण ऊभी छातडली ।
केस विखेरया हसतो दौडें, ढोलो पकडै हाथडली ।519।

बीच झरोखा गजवण ऊभी, सनी देव आखडली ।
हाथ कामनैं छोडै छिटक, ढोलो पूग सेंजडली ।520।

गोरी धण सू नण मिल्या सू उडी सायव नींदडली ।
खाणो पीणो रस बिसरायो, बठो काटे रातडली ।521।

धीमा हेला कर इसारा, हुया चादणी रातडली ।
पीव सैन नैं कामण समझै, जीवा हल चल सायडली ।522।

ऊठ बठता गजबण ढळकी, छैल थामी हाथडली ।
सिणगारा सू सजी गवरजा, ढोलो निरख मरवणली ।523।

---

1 सुहागरात के दूसरे दिन घर की औरतें दुल्हन स रात की बातें पूछती हैं। शर्म के मारे अपना माथा गोडो के बीच म ले लेती है।
2 दूल्हा अपने साथियो को रात्रि की बातें बता देता है।

सायबजी सू मिलवा खातिर, टुरी घरा सू गोरडली ।
काटलिया री पीडा भूली, भाजी जावै मूमलडी ।524।

घटाटोप बादळिया छाया, गुप्प अंधारी रातडली ।
पीव मिलण री मारग सोधै, आभै खीया बीजडली ।525।

ढोलौ ऊभौ हेलो देवै, भणक पडै जद मरवणली ।
सरम लाजडी भूली बिसरी, चढै पीव री साढडली ।526।

कामण पीवर जाय बैठजा, पीव जीव नी चैनडली ।
सासरियै मैं पूग अचपळो, मनरी करलै बातडली ।527।

बिन बोल्या सू बात हुवै है, आख्या मिलिया आखडली[1] ।
ढोलौ मरवण दोनू समझ्या, अेक दुज री बातडली ।528।

सिझ्या पड्या सू घर मैं दीसै, गबरू सूतौ सजडली ।
साथीडा री साथ छोडद्यो, आछी लाग बहुवडली ।529।

दिन मैं काम हिय सू लागै, कामण राता सैजडली ।
भर सियाळै रळ मळ बठ, लावी चालै बातडली ।530।

खाका तोली करती दीसै, पीव बुलाया कामणली ।
हिचका खाती[3] पगल्या[4] धरती, चढती दीस छातडली ।531।

सावण महिणौ घणौ सुहावै, हेला सनी बहुवडली ।
हरी भरी गोरडली दीसै, टाबर रमसी गोदडली ।532।

बुढै-बडेरा लाज घणी है, घघट काढै बीदणली ।
माझल[5] राता बीद पगलिया, पूगै गजबण सैजडली ।533।

नोका झाकी दिन मैं होलै, भगडा भगडी रातडली ।
ढळता आसू बालम पूछै, रीझ धीजै गोरडली ।534।

---

1 आख स आख मिलते ही इशारों मे बात हो जाती है। 2 नई नई शादी होने पर अपने मित्रो को भूल कर दुल्हन के पास रहता है।
3 झटका खा-खाके 4 पाव 5 आधी रात

अगलै आसण माम्ह बैठ्या, लार बठी मरवणली ।
रिघरोई र बीथा निरख, ढोल री गळ मूछडली[1] ।535।

झीण घूघट मनडो मोहै, थळवट पिणघट वहवडली ।
काम बाण नणा सू छोड, काजळसारया आखडली ।536।

मेळा ठळा डेरा नाख्या, वठ नीच गाडडली ।
अेकल वहवड देख सायबौ, सूप पान सुपारडली[2] ।537।

रात होया सू सावण टुरगी, घर मैं जागै डोकरडी ।
सासू पगल्या चाप्या सोव, गोरी पूगै सजडली ।538।

कोछा मारया कर वामडो, गजबण सायं गेतडली ।
पलटा खावै मुड मुड देरा ताका भाकी आखडली ।539।

दोफारा मैं लेता नठयौ भातो लावै वहुवडली ।
भूख तीस नैं भूल्यौ विसरयौ, सायव देखै कामणली ।540।

मिरगानैणी सायब निरखै, ढोलो छाग खेजडली ।
भुवाडियो लूखा मैं उळझ्यौ मनडो उळझ्यौ गोरडली ।541।

रात चादणी रेत रुसाळै, घर मैं सूती सोनडली ।
काम काज विसराया बठयौ, आरया उडगी नीदडली ।542।

भिरमिर छिरमिर मेहो बरस, मधरी चाल पूनडली ।
गजबण ऊभी हेला देव, पोढौ ढोला सजडली ।543।

आख फरूक भुजा फरूकै, अणै फरूक सूडडली ।
आज कत नैं आमा सरसी, सुणल साथण बातडली ।544।

गबरू करार मान घणो है, हठु घणो है गोरडली ।
अक-दुज री बाता माथ, जी लै साथी सायबली ।545।

---

1 ऐसी मूछें जो जुल्फो के साथ मिली हो 2 मेले मे गाडी की छाया बठकर खाना पीना किया जाता है ऐसे समय जब दुल्हन अकेली दिखती है तो दूल्हा पान सुपारी देता है।

ऊजळी

सियाळ री रात अधारी, वादळ वरसै धाकडली ।
चेतौ भूल्यौ कुवर पड्यो है, मो'रा माथै घोडक्डी ।546।

ऊचै धोरै जगै दीवटौ, घोडी देख आखडली ।
धीमा धीमा पगल्या धरती पूगै फळसै भूपडली ।547।

ठडो पड्यौ कुवर दिखै है, पथरीजो है आखडली ।
अमरौ चारण साभ उतारै, लाय सूवावै माचडली ।548।

लकड्या तिणखा रूस की वाळ्या, वाळो घर री गूदडली ।
इण जतना सू काम सरै नी, कुवर टळै नी मौतडली ।549।

बूढो चारण आजै-भाजै, समझ न आवै बातडली ।
सुबक्या खातौ कुवर पड्यो है, पल पल गिणतो सासडली ।550।

सरणागत री मौत हुवै लो, जीवा आकड नाकडली ।
बेटी आगै बावल रोवै, आसू चालै धारडली ।551।

इण जलम मैं कदै नी देख्या, आसू बावल आखडली ।
मूह उतारया ऊजळ ऊभी, पूछै ताछ बातडली ।552।

बायळ बोल्यौ सुणल लाडन, धरमा राखी साखडली ।
पावणै री ज्यान बचाई, भूल्या विसरया लाजडली ।553।

मूह सू मूडो चिपकाया, कुवर टळैली मौतडली ।
बावल वाता सुणी ऊजळी, सरमा मरगी धोवडली ।554।

जालौर के घूमली दीवाने का राजकुमार सर्दी म शिकार खेलते हुए बेहोश हो जाता है। घोडी उसे अमरे चारण की झोंपडी के सामने ले जाती है। अमरा ऊजळी को आग जलाने हेतु कहता है परन्तु इस आग

गाभा नास्या टुरी ऊजळी, छोडी छिटकी लाजडली ।
वींद पगलिया भरती चाली, पूगी कुवरा माचडली ।555।

गळरायडली भरी ऊजळी, होटा पाव पूनडली ।
चदण रूखा नागण लिपटी, मद मस्ती में गोरडली ।556।

लाय पलीता लपटा उठगी, जीव जेठव आगडली ।
धीमो धीमो रू पसवाडो, खोली दोनू आखडली ।557।

पलटा खाती दिस ऊजळी, गुडक बीचा सेंजडली ।
सुध-बुध भूली कामण सूती, पलका मूदया आखडली ।558।

सोनपरी सी ऊजळ दीसै, सूती ऊपर सेंजडली ।
दूधा न्हायी दिस कामणी, ज्यू पूनम री रातडली ।559।

चदली सजा बीच सज्यो है, ठडी करद आखडली ।
कुवर टटोळ हवळे हवळे, कचन काया गारडली ।560।

जद ढोलै सू आख मिळै है, हलचल मचजा जीवडली ।
बाथा भरतो कुवर दिखे है सूतो ऊपर सेंजडली ।561।

कुवर ऊजळी दोनू घुलग्या, ज्यू पाणी में साकरडी ।
जीवा सू जद जीव मिल्यो तो, गजवण सूपी पूजडली ।562।

कुवर किया है कौल ऊजळी, सोगन म्हानै सायडली ।
पटराणी री ठोड बठसी, राज घूमली धरतडली ।563।

धोरै ओटै मिलता दीसै, मेह जेठवो सायडली ।
गळबायडली भरता भरता, गुडक ऊपर टीवडली ।564।

कुवरा गोदया ऊजळ सूती, हस हस करती वातडली ।
मघरी मघरी वाता बीचा, ढळती दीसै रातडली ।565।

से कुवर की वेहोशी नही टूटती है । अमरा ऊजळी को अपने शरीर की गर्मी देने हेतु कहता है बेटी के आनाकानी करने पर कहता है कि मैं तेरी शादी इसके साथ कर दूगा । इस पर ऊजळी ने अपन शरीर की गर्मी

चारण वेटो वैन हुवै है, गाव घरा री रीतडली ।
लोक लाज सू डरतौ-डरतौ, कुवर लुकावै आखडली ।566।

कोल भूलग्यौ, मुड नी आयौ, जुग वीत्या दिन रातडली ।
ऊजळ वाटा दिखै जोवती, ऊभी ऊची टीवटली ।567।

वीती वाता याद करै है, यंकल सूती सैंजडली ।
आसूडा रा वाळा वहवै, डुसका खावै गोरडली ।568।

तनडौ घरा गाव म वसियौ, मना जेठवै यादडली ।
भूली विसरी दिखै ऊजळी, वात करै जद सायडली ।569।

होडा-होडी आसू वहवै, गाला मार्थं कामणली ।
ठोड-ठोड पर मोती विखरघा, माळा टूटी डोरडली ।570।

भवर याद मैं हिवडौ उफणै, आख्या सोघै कुरजडली ।
जेठै नै म्हारौ हाल कहिज, उडतो जा थू वैनडली ।571।

वीती-वाता भूलौ ऊजळ, व्याव हुवै नी सायडली ।
धन-धान सू माटा भरलौ, सूपू थानै रोकडली ।572।

जीवा कीमत जीव जाणसी, कुवर समझलौ वातटली ।
मरणौ जीणौ साथ पीव रै, प्रीत घरा री रीतडली ।573।

ऊजळ दियौ सराप कुवर नै, ऊभी ऊपर धरतडली ।
वळता झळता जीवा लागी, तपती दीसै चामडली ।574।

ल्हास वणियौ पडची जेठवौ, सुणी ऊजळी वातडली ।
पगा उभाणी भाजी कामण, जाय यूदगी आगडली ।575।

मेह जेठवौ ऊजळ दानू, कण कण वसिया रेतडली ।
धोरा धरती घर-घर गूज, प्रीतडली री गीतडली ।576।

देकर कुवर की जान बचाती है । दोनो म प्रेम सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं । कुवर ऊजळी को अपनी पटरानी बनाना चाहता है परन्तु चारण बेटी बहन होती है अतः शादी नही होती है। ऊजळी कुवर को श्राप देती है और कुवर मर जाता है । ऊजळी कुवर के साथ सती हो जाती है ।

गैणा

भूमर लटके बिछिया बाजे, दाता चमकै चूपडली[1]।
पैंस बिणा[2] र माथे ऊपर, मोती लडिया धोढडली।577।

हीरा मोती नथली पहरी, लटकै नीचै नाकडली।
ऊची-नीची होती दीस, बात कर जद गोरडली।578।

सोनै री गुलमेख[3] जडी है, दीस गजबण दातडली।
हस हस कामण बात करै जद पळका मार मेखडली।579।

ढोल मिल्बा मरवण चाली, पग मैं झणकी बायलडी।
हळवा-हळवा पगल्या धरती, चूड्या थामी हाथडली।580।

कडला उपर आवळा पात्या, गणी पूग्यो गोडडली।
ठुमक-ठुमक कर दिख चालती, मचका[4] देती कामणली।581।

हाथा चादी चूड पहरली, पोई लावी कीलडली।
सासरिय न कामण चाली, चढिया उपर साढडली।582।

बाजूबन्द बूक्या पर बाध्या, दिख लटकती लूम्बडली।
आती जाती द फटकारा, मेळा एळा बहुवटली।583।

झीण आढण साम दीस, पनट्या तोमण सानटली।
पहरया ओढया गजवण ऊभी, घूघट काढ्या चूदडली।584।

हाथ गूजरी अणक झणक, पगल्या बाजे पायलडी।
आगणिय मैं ऊभी गजवण, घूमर घाल घाकटली।585।

---

1 दातों म जडवाया जाने वाला छोटा सा सोने का आभूषण 2 बालो को ललाट तक आगे लाकर चिपकाना 3 सोन की छोटी कील जो दात के बीचोबीच लगाई जाती है। 4 झटका दे देकर।

कूची-कस घाघरियै टाग्यौ, नाडौ कसियौ डोरडली ।
घूघरिया झणकारा देती, घर-घर फिरलै गोरडली ।586।

पगा पान पगल्या पर दीस, लटकै चादी लूवडली ।
नखल्या ऊपर पहर नखलिया, छम छम चालै कामणली ।587।

घाघर माथ दिखै कदोळो, गजवण चाली खेतडली ।
ऊचा नीचा डगर हुया सू, झणक घूघर धाकटली ।588।

टणका झण-झण दिरै बाजता, ठहरको दिया अेडडली ।
जोबन भळक है कामण रौ, जणै उठ है टागडली ।589।

गळ टेवटौ दमकै-चमकै, बण-ठण चाल्या गोरडली ।
चादी सोनल हसली पहरौ, ब्याव तिवारा सानडली ।590।

चाकरडी न ढोलो चाल्यो, मरवण ऊभी छातडली ।
हाथ फूल चादी रो झणकै, झालौ देता कामणली ।591।

कठी-कठ पर सजी-धजी है, चमक हीरा धाकडली ।
माथै टीको भळ-भळ पळकै, तिणखौ चमक माव डली ।592।

खळ बच खळ बच चुडलौ बाजै, काम करै जद वहुवडली ।
बिलिया माथ तेल चोपडया, चमकै हाथी दातडली ।593।

फिणी नाक पर जद पहरै है, मूडो चमकै गोरटली ।
काना बीचा पहर सुरलिया, गवरल ऊभी टीवटली ।594।

मुरचै माठी, चाद चोटडी, बाधी रेसम डोरडली ।
बीच आगणियै बैठो कामण, मघरी गाव गीतडली ।595।

सोनल चादल तखतया पहरी- पोया रेसम डोरडली ।
भरिय तरिय हिवड माथै, ओपै वहुवड धाकडली ।596।

चदण हारनै पहर कामणी, बैठो ऊपर सजडली ।
सोनल रूपल किरण निसरिया, मूडो चमकै सोनडली ।597।

चूड्या आग पहर मटरिया, टुरी सासरै बीदणली ।
जणै गोरडी घूंघट खींच द झणकारा हाथडली ।598।

ऊंची वगड्या गोळ चकरिया, चमकै दाणा चादडली ।
हाथा रळका देती चालै, मेळा-ठेळा गोरडली ।599।

मोहन माळा गोळ मणीका, पोया गजवण डोरडली ।
लाबी नस पर दिख पहरती, दोलड करती कामणली ।600।

इलो बोरलो अळरै पळक, भालर लटकै सोनडली ।
चाद पुनम रो दिसै निक्ळती, घरा घरा सू गावडली ।601।

बीटी पहरया गवरल दीस, घर-घर सोनल चादडली ।
मिनख लुगाई दोनू पहरै, चिठूली री आगळडी ।602।

अळका पळका टडा कर है, पहरया कामण हाथडली ।
सठवा सठवा दीसै बूकिया, हाथा थामया भटक्डली ।603।

भुजबघ बाध्या गजवण चाली पाणी लावण नाडडली ।
हीरा मोती जड्या दिख है, लटक सोनल साक्ळडी ।604।

माथै ऊपर टीटी भळको, दमकै चमक बहवडली ।
तीज तिवारा घूमर घालै, झीणी आढ्या चूदडली ।605।

मगळ सूत्र न पहर कामणी, ब्याव रचाव गावडली ।
सासा बीचा वस्यो सायणी, धोरलिया री वटडली ।606।

आड पहरिया गावा आव, सासरिय म बीदणली ।
धरा धरा सू आय लुगाया, निरख ऊभी बहवडली ।607।

कान भरोडा दिख गारडी, वाळधा पहरी चादडली ।
पीवरियै न जाती दीस, भाई साथ बनडली ।608।

चमक-चूडि चिलकारा मारै, चमकै-दमक गोरडली ।
पगा पालरी पहर कामणी, काम करै दिन रातडली ।609।

कडिया हाथ पगा मैं दीसै, टाबर गवरू डोकरडी।
भूखा धाया सगळा पहरै पीतळ चादी सोनडली।610।

वुण्या माथै दीसै कतरिया, राती चुट है चामडली।
मुकलावी कर चाली गजबण, पूगै ढोल गावडली।611।

केसा माथै बाघ दामणी, पनघट चाली बहुवडली।
आता जाता रसै देखै है, झीणी ओढया चूदडली।612।

बेवडिया चिलकणिया लोना, नुई बीदणी गावडली।
गणा गाभा अदळै बदळै, पाणी जासी गोरडली।613।

गोखरू काना मैं पहरया, गवरू उभी टीवडली।
छोटा मोटा मुरक्या पहर, ऊपर सोनल साकळडी।614।

ब्याव तिंवारा गवरू पहरै, हीरा पन्ना कठडली।
वध गळै रो कोट पहर कर, गूढ्या ढाकी सोनडली।615।

पग मैं नेवर दे भणकारा, काम करै जद खेतडली।
काणै घूघट गोरी निरखै, सायबजी री टागटली।616।

पालणियै मैं टाबर सूत्या, सेनी समझै बातडली।
हाथ पगा मैं घूघर बाजै, जद मारै है लातडली।617।

कमर तागडी बाध्या दिस, घर-घर टाबर टीगडली।
छम-छम करती पायल बाजे, ठिब्बा खाता टागरडी।618।

छाळी गळ घूघरिया बाजे, टोकर बाजे गावडली।
कोडल्या री माळा पहरया, भसड चाली रोहिडली।619।

गणी पग मैं द भणकारा, मेळा ठेळा साढडली।
घोडी गळ मैं दिख कठली, लटकै चादी सोनडली।620।

चादी जोड पगा मैं पहरी, हरख कोडै बीदणली।
तीज तिंवारा मेळा ठेळा, पहर दिखावै सायडली।621।

चोटी मू ऍडी तक सजगी, दिख गवरजा गोरडली ।
फूला हळको गजवण दौडं, हस हस करतो वातडली ।622।

आगण बीचा बैठी दीस, घूघट काढ्या बीदणली ।
गैंणा गाभा मोह घणो है, दिन खोलै नी रातडली ।623।

विन गणा रैं रूप अधूरो, धोरा धरती वहूवडली ।
पहरचा ओढया मेळ जावै, हस हस करतो वातडली ।624।

घर घर गीत गण रा गावै, हेला देती गोरडली ।
सायव बैठ्यो बात समभ्रल, पूग सोनी हाटडली ।625।

हाथ पगा म गणी झणकै, बैठी गजवण गाडडली ।
मेळ गेला मायव दीस्या, मधरी गाव गीतडली ।626।

बिन गणा र व्याव हुव नी, घग घरा म रीतडली ।
सोन चादी टूमा चढता, पक्की होजा बातडली ।627।

भूख तीस नै भूली बिसरी, बठी सोनी हाटडली ।
गणी घडती देख कामणी, मूडै दीस हासडली ।628।

जद सासूजी गणी सपै, बाछा खिलजा बीदणली ।
डोकर माच सूती दीस, पगल्या चाप गारडली ।629।

गीत ढाळ सू मीठा लागै, गणो मीठो नाचडली ।
बिन गणै रै नाच अधूरो, नी ऊठै है टागडली ।630।

आधी राता ढोलो आव, गणो घाल्या जेवडली ।
रूठी मरवण राजी होजा, परख्या मोनल हारडली ।631।

पाडोसण रा देख गणियो, करै ईसको गोरडली ।
आकड बाकड मिटै जीव में, गंणो पररया हाथडली ।632।

घूघरिया घमकावै कामण, गवरल आगै गोरडली
घेर घाघरो देनी देती, नाचै गजवण धाकडली ।633।

जणै गेणियो गजवण देखै, ठडी होजा आखडली ।
मनडो तनडो दिखै सूपतो, मूपै जोवा पूजडली ।634।

गेणो गाठो मान दिरावै, राखै घर री लाजडली ।
धन धान नै दिखै आस्ता, मिनख लुगाई गावडली ।635।

धाया री सिणगार गेणियो, भूखो पावै रोटडली ।
गणो म्हारै जीव जडो है, बिन गणै नी चनडली ।636।

जणै गेणियो बिक्तो दोमै, घण आम् है आखडली ।
गुम सुम बैठो दिखै आगणै, मूह उतारचा गोरटली ।637।

गेणो हिवडै दूर करै नी, नेच डागर गतडली ।
बिन गणै रै जीणो दोरो, कामण मूडै बातडली ।638।

चोर डाकुवा बाचण सारू, गेणो बूरै धरतडली ।
मग्ती-करती ठोड बतावै, डोकर कहती बातडली ।639।

गण री है साख मोकळी, झट दिरावै रोकडली ।
अटक्या लटक्या काम हुवै है, आ है जग री रीतडली ।640।

जै कामण री गेणो गुमजा, छूटै पाणो रोटडली ।
आग्या आसू धारा चालै, जीव पडै नी चनडली ।641।

साचो साथी गणो म्हारो, कामण समझै बातडली ।
जद आफतडी आन पडै है, दिख राखतो लाजडली ।642।

बिन गण मरवण नी राजी ढोलो जाण बातडली ।
मोका ठोका देती दोसै, ऊभी कामण तानडली ।643।

मरणै परण गणो रासै, गाव घरा री लाजडली ।
बो'री रिपिया झटपट देवै, गेणो परख्या हाथडली ।645।

चोमासै मैं धोरा धरतो, गणो फूला पाखडली ।
हरियाळो री चूदड ओडधा, मनडो मोव धरतडली ।646।

गाभा

रेसम कसणा कसी काचळी, माथै ओढी चूदडली ।
असी-कळ्या री पहर घाघरी, घूमर घालै गोरडली ।647।

सोनल-चादल जडी कनारा, बीचा फूला पाखडली ।
सासरियै न लाटल चाली, घूघट काढया लूगडली ।648।

पवरी ओढ्या बैठी दीसै, आगण बीचा बीदणली ।
झिलमिल झिलमिल दिखै चिलकता तारा ऊपर ओढणली ।649।

रग रगीला गाभा पहरया, कवरी कवरी छीटडली ।
हरख कोडै मेळै चाली, काजळ घाल्या आखडली ।650।

हाट हाट पर विकती दीसै, आटी डोरा कागसडी ।
ब्याव तिवारा पहरण सारू, लेती दीस कामणली ।651।

नूवा गाभा अतर लगायो, मेळै टुरगी गोरडली ।
हीडा हीडै आज भाजे, खिलका करती साथडली ।652।

सायबजी रो नाम लेवता, कामण लागै लाजडली ।
हाथा ऊपर नाम खुदावै, मेळा ठळा वहूवडली ।653।

टुक्या काचळी रिपिया घाल्या, पल्ल बाधी रामडली ।
चोज-वुसत लेवण रै खातिर, टुरी चौवटै गोरडली ।654।

काच घालिया कोट पहरलै, झीणी ओढी ओढणली ।
आस पासै खिलका मारै, जद वहूवै है कामणली ।655।

वडी पहरया ऊभो दीसै, करसो बीचा गावडलो ।
ब्याव टाकस बागो पहर, बेटो छोरा घरतडलो ।656।

काळा डोरा वाध्या सूत्या, पीग टावर गावडली ।
मावड वठी हीडा देवँ, गोगो लेवँ नीदडलो ।657।

कामण गोदया दिखै गीगलो, पहरया फुगलो टोपडली ।
पूत तणा ही मान घणो है, घर-घर गावा बहुवडलो ।658।

मोत्या लाला जडी इढाणी, माथै राखी गोरडली ।
पाणी घडिया लाती दीसँ, घर-घर कामण गावडली ।659।

ब्याव अेठ गाव डावडवया, पहर घाघर कुडतडली ।
माथ ऊपर केस गूथिया, टिरती दीस चोटडली ।660।

नुई अगरखी पहरधा ऊभो, माथै वाधी पागडली ।
गाव आतरा मिलवा चाल्यो, हाथा लीया डागडली ।661।

बुढा-वडेरा ऊची धोती, गवरू नीचो अेडडली ।
बुढया- वडेरघा धावळ पहरैं, लेंगो पहरै वीदणली ।662।

अतर फवलिया काना टाग्या, कार्थं लोनी पोटडली ।
सासरै न चाल्या भवरजी, चढ बू वोलै मोजडली ।663।

न्हाणो धोणो ताल तळावा, गाभा सूक झाडकडी ।
पाळा माथै ऊचो ऊभो, मारै लागा घोतडली ।664।

कोट जेव मैं घाल रमाली, वण ठण ऊभो टीवडली ।
राठोडी फटै न वाध्या, वटडा देवै मूछडली ।665।

काघ माथै गमछो धरिया, सायव ऊभा टीउटली ।
साटण गाभा पहर कामणी, मेळ टूरगो सायडली ।666।

सिरख पथरना वणवा खातिर, मखमल लोनी हाटडली ।
सीयाळै मैं आटघा सूत्या, घर घर साथी साथटनो ।667।

पिणहारी पाणी नै चाली, धरिया माथै वेवटलो ।
नाव कोराय सायवजी रो, पहर रेसमी कुडतटलो ।668।

वियोग

हू विसराय़ू जीव न विसरै मिणघर थारी यादडली ।
लाख जतनडा कर-कर हारी, जीव पडै नी चनडली ।669।

गाला माथ आसू ढळक्या, काजळ बहग्यो आसडली ।
रोता रोता नण मूजग्या, सूनी दीस्या सैजडली ।670।

बीज पळा पळ[1] दिख लीवती, बरस बादळ धाकडली ।
त्रिन ढोल रै मरवण रोवै आसू चाल धारडली ।671।

जोबन झाला खाती दोस चोळी टूटी डोरडली ।
पळ पळ कर विलाप[3] कामणी, अेकल सूती सजडली ।672।

लीक[4] वणोडी दिख गाव मै, बिना भवर र गोरडली ।
आसूडा न पीती पीती, भूली पाणी रोटडली ।673।

पीव दिसावर जाय वस्या है, झुर झुर मरगी कामणली ।
जोध[5] जवानी रुळ रेत म, हाजै पडगी सोनडली ।674।

घोरा माथ मेहो बरसै, विरहण बरसै आसडली ।
सुबक्या[6] खा-खा दिखै रोवती, बठी कामण झूपडली ।675।

रात बिराता आख खुल्या सू, बट्ट पड नी आखडली ।
घटी घमडका देतो-देतो, दिन ऊगावै गोरडली ।676।

---

1 बिजली का चमकना 2 डोरी 3 रुदन 4 सूख कर लीक की तरह हो गई है 5 भरपूर 6 हिचकी के साथ रोने की क्रिया।

रात हाथ छाती पर आया, कामण खुलजा आखडली ।
बीती बाता मनडै उळझै, रोवै आखी रातडली ।677।

आसू नाखै डुसका[1] खावै, बैठी मूमल टीबडली ।
गाभलिया काटा मू फाटया, लीरघा लटकै चूदडली ।678।

मूमल ऊभी वाटा जोवै, भवर दिसै नी आखडली ।
मेडी चढ-चढ भाका घालै, कर-कर ऊची ओडडली ।679।

मारू गया नी बावडया[2] है, जुग बीत्या दिन रातडली ।
किण जनमा रो वर[3] काढियो, वहता जाता वातडली ।680।

रिधरोही र बीचा ऊभी, छोडी छिटकी गोरडली ।
रुख बाठका बीचा भटक, ठोकर खाती मूमलडी ।681।

बळता-बळता[4] आसू पीव, विरहण बैठी घरतडली ।
काळजियै मे छाला पड्या, बिन तोलै रै मरवणली ।682।

घुप्प अधारी काळी राता, गिणै तारिया मूमलडी ।
लोट-पोट माचै पर गुडकै, लै पसवाडा[5] ईसटली[6] ।683।

सुध-बुध भूली मूमल बैठो, मन सू करती बातडली ।
आगण बीचा अकल जैठी, धरिया हाटा आगळडी ।684।

प्रेम रोगडो घुळ्यो जीव मै, ज्यू घळ जावै साकरडी ।
रात दिना न गिणता-गिणता घिसी हाथ री रेखडली ।685।

केस बिखेरया बण बेरागण, छोडी काजळ टीकडली ।
बिन मिणगारा दिसै अडाळी, छैल भवर री मूमलडी ।686।

बिन मारूजी मूमल भटके, थळी[7] देस रा धरतडली ।
दु मडो म्हारै जोवा लाग्यो, कामण मूड वातडली ।687।

---

1 सिसक सिसक कर रोना । 2 वापस आना 3 दुश्मनी 4 गम-गम
5 करवट 6 खाट की इस 7 मरुस्थल

सैंजा रो सिणगार न आयो, माझल बीती रातडली ।
फूलवनी रो जोवन भटके, उडी आख सू नीदडली ।688।

जिण दिस वानो वसै भवरजी, कामण लेव पूनडली ।
आख्या मोच्या दिखे मुळकती, रमो[1] पीव री यादडली ।689।

प्रीतडली रा गीत सुण्या सू, जीवा लागै आगडली ।
बळ-जळ काया राख हुवै है, घुट-घुट मरगी गोरडली ।690।

भर सियाळे राता लाबी, इमरत न्हाख चानणली ।
जोबन फाटे है गोरी रो, बिन सायब री रातडली ।691।

उमडया आसू दिखे थामती,[2] सूनी दीसे आखडली ।
पीव याद आसूडा वह्या, किण निद जीसी गोरडली ।692।

जीव हिळोळा[3] दिसे खावती, सुणिया मोरा यालडली ।
सावणिय री तीज सायजा, घण जोव है वाटडली ।693।

घणी रपाळू[4] याद आवता, दिसे साच मे कामणली ।
रुपल सोनल गूगी बणगी, छाडया पाणी राटडली ।694।

रखडी रो उज्जास[5] सायनी वसियो दूजी गावडली ।
छैल भवर बिन चन पडे नी, घरा गाव म गोरडली ।695।

मदछकिय[6] र बिना सदेस, दिन नीत नी रातडली ।
ठडो सासा दिखे छोडती, अेकल बैठी कामणली ।696।

वाळ पणे री प्रीतडली म, घुळती दीस मरवणली ।
बिन ढोल र जीणो दोरो, जीवा बसगो बातडली ।697।

सूजी आख्या बोझल पलका गूगी बणगी मूमलडी ।
हेताळू[7] बिन हियो नाखयो, कामण बठी भूपडली ।698।

---

1 लीन होना 2 रोकना 3 आन द की लहर 4 सु दर पति
5 उजाला 6 मद स परिपूण पात्र भरा हुआ 7 पति

सावण वादळ रिम झिम बरसै, सुगधा हेला माटडली ।
हिवडै खिडक्या दे झपटारा, झर-झर रोवै गोरडली ।699।

सावण महिणै विरहण देखै, चढ-चढ ऊपर छानडली ।
आभो गळै लागतो दीसै, वाथ्या भरतो धरतडली[1] ।700।

भर जोवनिय सावण आयो, भवर ऊडिक कामणली ।
ठडो वायरो मधरो चालै, जीवा लाग आगडली ।701।

भीता माथै काग कलूवै, भाला देवै गोरडली ।
काग उडाती सुगन मनावै, राजन आसी गावडली ।702।

कागनिय सू वाता करतो, दिख कामणी झूपडली ।
आटीलो भरतार मिला दे, मोत्या जड सू पाखडली ।703।

फनवनी जी पाळा ऊभा, आम्ब्या निरखै डाळडली ।
आलीजो घर गावा आसी, साथै लीया हारडली ।704।

हिचकी मूडे वसी कामणी, कर मस्करी सायडली ।
कुण न चितार दूर देस म, हसती पूछै ननडली ।705।

कानूडो लेवण नै आसी, चढिया ऊपर साढडली ।
मुकळाव री आस लगाया, काटै दिन अर रातडली ।706।

पहलो सावण पीहर वठी, जीवा आकड बाकडली ।
गाव घरा री रीतडली है, कामण जाणै बातडली ।707।

गजवण पाल्या दे-दे हारी, सण[2] सुणी नी वातडली ।
परदेसा मैं मौज करै है, सुवै सोक री गोदडली ।708।

केसरिया वालम घर आवो, सावणिय री तीजडली ।
विना सायबै भटका खावै विरहण धोरा धरतडली ।709।

---

1 बरसात के दिनो मे धरती और आकाश दोनो ही सुदर लगते हैं। ये दोनो विरहण को ऐसे लगते हैं मानो पुरुष और स्त्री दोनो बाथ भर कर मिल रहे हो। 2 पति

झिर मिर-झिर-मिर मेहो वरसै, ठंडी चालै पूनडली।
पीव याद जद फोडा घालै, डुसका रोवै गोरडली।710।

वाघ वाछडा मार काछडा, चढगी ऊंची खेजडली।
ऊंची चढ पिवजो नै देखै, सूनी दीस डाढडली।711।

पगल्या पायल कणा सुणूता, याद करू दिन रातडली।
दूर दिसावर[1] ढोलो वठयो, जीव वसी है गोरडली।712।

धन जाया सू पूठो आजा, जोबन जाया डोकरडी।
ढोला म्हारी बात सुणो थै, मत छाडो नी मरवणनी।713।

काम काज म दिनडो काट, नींद न आव रातडली।
भूली बिसरी आख लागजा[2], सुपनो देख गोरडली।714।

आळ जजाळ[3] बनजो[4] आव, मीठी करल बातडली।
मनड री मनवारा[5] करिया, छेनो पोढ सजणनी।715।

सुपनो टूटया कामण देख, सूनी सूनी सैजडली।
मीठा मारू याद आवता, डुसका रोव मूमलडी।716।

दिन मैं वठया चकवो चकवी, दिख लडाता चाचडली।
रातडली मैं हुय बिछोवो, रोत[6] वठया खजडली।717।

चकवी वनड थू भागण है, कत सुण है बातडनी।
चुडलै रो सिणगार दिसावर, अेकल रोवू सायडली।718।

गाय भसडी धीण रळगो, ब्यावण दीस भेडडली।
कुरजडली रातू कुरळाव[7] कामण समझै बातडली।719।

बावल बेटो धन रा लोभी, गाभा लोभण मावडली।
सैंजा लोभण कामण विलखै, लाडो जाया चाकरडी।720।

---

1 प्रदेश 2 नींद आना 3 स्वप्न 4 पति 5 मनवार 6 चकवो चकवी रात्रि म कभी भी साथ नही रहते हैं। रात भर दोनो इस दुख के कारण रोते रहते है। 7 दर्द से व्याकुल होकर ध्वनि करना

जूझार

इण माटी रा पूत निराळा, जलम काटा भूरटडी ।
ठौड़ ठौड़ पर राज कियौ है, किला बणाया टेकडली ।721।

रेकारौ[1] है गाळ बरोबर, घीव पड्यौ ज्यू आगडली[2] ।
रासी आग्या उठे पलीता, मोवा रळगी मूछडली ।722।

घोडलिया असवारा चढ़िया, ऊंची कान कनोतडली ।
ऊंची डूंगरया[3] किला जीत, भालो लीया हाथडली ।723।

जुद्ध घमसाणा लडै सूरमा, दिन देखै नी रातडली ।
सूझ बूझ ताकत रै ताणा, वीरा लीनी जीतडली ।724।

ऊंट पलाणा कसिया ऊभा, कमर बाधली ढालडली ।
वार चढोडा लडै सूरमा, दुसमी छोडै काकडली[4] ।725।

डर डाकर सरा नी जाणी, बजरा राखी छातडली ।
राज काज हीम्मता रा भाई, हिवड राखी बातडली ।726।

सूरा खाण्डो अळन पळक, ज्यू आभ म बीजडली ।
ललकारा सू घरती धूजै, दुसमी भीच आखडली ।727।

ठौड ठौड पर घाव दिख है, सूरा मूंड हासउली ।
राणी ऊभी लेप लगाव, घस घस नीमा पत्तडली ।728।

पग पग घोडा मरघा पड्या है ऊंटा टूटी टागडली ।
जूझारा[5] री खडग[6] वालिया बिछगी ल्हासा धरतडली ।729।

---

1 तू तडाका 2 आग 3 पहाडी 4 राज्य की अन्तिम सीमा
5 परोपकार के लिए युद्ध करके वीरगति पाने वाला, जो बाद म पूजा जाता है। 6 तलवार

कटता माथा दिखै मोकळा, रण मैदाना खेतडली।
किरची-किरची[1]डील[2]बिखेरया, खिडी पडी है हाटडली[3]।730।

रणभरी काना म पडता, बटडा देवै मूछडली।
नाका सू फूफारा चालै, राती दीस आखडली।731।

हरावल[4] म सूर ऊभा है, लडसी सामी छातडली।
बब बोल्या मू खिड मोडका[5], खाडै तीखी धारडली।732।

रण बाकडला दिखै सामनै, दुसमी धूज टागडली।
आयर कायर डरता भाजै, लुकता दीस झूपडली।733।

बाग ढोल[6] जद सुण्यो सूरम, हाथा थामी बीजडली।
भुजा फडूकै मूछा तणगी, हिण हिणाव घोडडली।734।

रण मैदाना बीचा ऊभो, लड सूरमो नाकडली।
तलवारा सू दुसमी सूत, सूनी करदे धरतडली।735।

दुसमिडो जण दिख सामन, दाता पीसै घट्टडली।
जुद्ध खेतर[7] री खेह उडघा सू, सूरज ढबजा[8] बादलडी।736।

बब बोलता टुरघा सूरमा, छोड पथरना माचडली।
पुरस्यो थाळ आगण छाडघो, सजा छाडी गोरडली।737।

जिणरी लूण खायो सूरम, सूपो जीवा पूजडली।
मरणो जीणो हाथ सावरै, वीरा मड बातडली।738।

वीरा मा'रा दिस न चिगदा तीर खायल छातडली।
मूह माडणो सूर न जाण, हसतो लवै मातडली।739।

खूना सू गाभलिया रगिया, राती दीस हाथडली।
बिन माथै र लड जुझारू, रण मदाना धरतडली।740।

---

1 छोटे-छोटे टुकडे 2 शरीर 3 हड्डी 4 सबसे आगे 5 सिर
6 युद्ध प्रारम्भ होने से पूव बजने वाला ढोल 7 मदान 8 छिपना

आण-बाण राखण रै खातिर, थू समभी नी मौतडली ।
रेतडली मैं जलम्यौ बेटौ, राखै लाजा मावडली ।741।

जणै किलै रौ फाटक खुलजा, सूरा हाथा बीजडली ।
खा किडकडी पडै माईडा, खि'र भोडका धरतडली ।742।

बाळपणै मैं सुणी बातडी, बसगी बीचा हीवडली ।
बैरया सू जद छिडै लडाई, करतौ दीसै साचडली ।743।

फिरकै साथ जीव जीवसी, बीरा बाता बाकडली ।
हियौ ऱ्हाखणौ कायर जाणै, कण-कण गूंज रेतडली ।744।

फेरा होता सुणी बातडी, दुसमी आयौ काकडली ।
गोरी धण न छोट जुझारू, लडतौ दीस धाकडली ।745।

वडा वडा जोद्धा नैं मारया, पगा पागडै जीतडली ।
उमरावा री भीड दिखै है, नीची करिया आखडली ।746।

साथिडा जद रळ मिळ चाल, गाव चूकलै रोकडली ।
घरा- घरा मैं राज म्हाज है, धूसौ बाज गावटली ।747।

अजळ पाणी जठै लिखोडा, बीरा डेरा धरतडली ।
आस पडोसी सुख सू रहलै, किला थरपलै टेकडली ।748।

मरुधरा री काकड ऊभी, पातळ देवै सोराडली ।
सीस काटै पण भुक न भाई, बाता राखी हीवडली ।749।

धोरा धरती सदा सिखाई, धरम करम री बातडली ।
छल कपट सूरा नी जाणी, लडै लडाई साचडली ।750।

बिना सिपाया राज रहवै न, राजा जाणी बातडली ।
सिंध देस सू आय सिपाई, बसग्या धोरा धरतडली[1] ।751।

---

1 प्रचलित है कि थळी के सामन्तो ने अपने छुट भाईयो के विद्रोह से आतकित होकर सिंध के सिंधी सिपाहियो को अपन यहा आमन्त्रित किया। इनकी सहायता से स्थानीय विद्रोहों को कुचला गया। कालान्तर म राजाओ ने भी इस उद्देश्य से अपनी सेना म सम्मलित कर लिया।

काको भतीज रळ मिळ राखी, बीकाणं री नीवडली ।
रातो घाटी आय धमकिया, झण्डो रोप्यो टक्टलो ।752।

बीकोजी री धाका सुणता, दुममो धूज टागडलो ।
घोड चढियो लड सूरमो, मालो तोया हायडलो ।753।

रायसिंघ री राय बिना सू, मुगल करै नी बातडली ।
बीकाणो भारत पर छायो, बीरा हाथा जीतडली ।754।

करमचद जिसो दिख न दिखसी, बीकाण री धरतडली ।
सूझ बूझ री घणो धणी हा, धरमा राखो बातडली ।755।

करणसिंघ री चालो कुवाडी, टूटी फटी नावडली ।
औरगजेब मना मे रहगी, बीरा लीनी जीतडली ।756।

करणो बटो भलो जलमियो, धारलिया री धरतडली ।
जय जगलधर बादसचा री, पदवी लीनी धाकडली ।757।

पदमसिंघ सो बीर जलमियो, देस बागळ टीबडली ।
भारी खाण्डो जुद्ध म चाल, बिछती दीस रहासटळी ।758।

अनूपसिंघ है कला पारखी, रुद्र बीणा हाथडली ।
जुद्ध मैदाना खाण्डा चाले हसती रेल जीतडली ।759।

बीकाणै म रतनसिंघ जी, राज किया है धाकडलो ।
जवारजी न घरा राख अर, बीरा राखो मारग्ला ।760।

गगो बाबा धाक्ड तपिया, बीकाण री धरतडली ।
छोटा मोटा याद कर है, हरख भरोडी बातडली ।761।

करणसिंघ रै हाथ बदूका, गाळी चाल साचडली ।
विदेसा मे धाक जमाई, लाजा राम्रण माबडली ।762।

अमरसिंघ अर दुर्गादास

चुगलखोर जद मिळै सामने, भाथो कार्टै चीजडली ।
अमरसिंघ री तज कटारी, धसी[1] सलावत छातडली ।763।

अमरसिंघ सरगा मैं पूग्या, नागाणै म रातडली ।
हाडी राणी केस खोलिया, ले तलवारा हाथडली ।764।

पळका मारै खिव बीजळी, हाडी खाडै धारडली ।
दुसमी माथै पडै कडकती, विखरै ल्हासा रेतडली ।765।

दुरगी घाडै चढियो चालै दिरलो धूजै धरतडली ।
वडा वडा उमराव हारग्या, वीरा हाथा जीतडली ।766।

दुरगा तुरियो[2] सरपट भाजै, दिन देख नी रातडली ।
जोधाणे मैं आय भाइटो, झडो रोप्यो टेकडली ।767।

चाड धाड दुरगो फिरलै, हाथा लीया बीजडली ।
औरंगजेब खानै मरोडा[3], खाली हाथा मूठडली ।768।

घर रखवाळी[4] दुरगो म्हारो, जसवत कहग्या बातडली ।
आसकरण री पूत जहडो[5], करग्यो बाता साचडली ।769।

दुरग जिसडो पूत जणी थू[6], घर घर गावा बातडली ।
अणहोंणी नै होंणी[7] करद, वेटो धोरा धरतडली ।769।

मुगल बादसा मूड खायो, दुरगो लीनो जीतडली ।
वीर तणा[8] ही सदा रही है, मरूधरा[9] री लाजडली ।770।

---

1 घुसना 2 घोडा 3 ऐंठना 4 देखभाल करन वाला 5 जैसा
6 तू 7 न होने जसी बात कर दिखा दना 8 बल पर 9 रेगिस्तान

खीवौ आभल*

खीवसिंघ मरणा नी समझ, कडक दिखाव हाथडली ।
रण बाकडली आभल निरख, ऊभी ऊंची टीबडली ।771।

आभल आग्या मिली खीव सू, सूपी जोवा पूजडली ।
कामण ऊभी हला देव मत छोडया थ साथडली ।772।

खीव हाथ हाथ सू थामचो, सागन मूड वातडली ।
मरणी जीणी साथ कामणी, नुई थरपस्या गावडली ।773।

आभल खीव वाता सुणता, झाल जीवा आगडली ।
फौजा साथै चढियो आन, भालो थामचा हाथडली ।774।

टिड्डी दल ज्यू फौज आव है, खीवै देसी आखडली ।
जूझार री भुजा फडूकी, हाथा थामी बीजडली ।775।

साव अकलो खीवो ऊभो, भाला फौजा साथडली ।
गाजर मूळी दुसमी काटया, आखिर लीनी मौतडली ।776।

खीवसिंघ धवला री पकडी, मरता मूड हासडली ।
गोदया माथ सूरयो सूरमो आभल बठी आगडली ।777।

घत खीव यिन मिल्या सू रहगो, आभल आसू आखडली ।
सरगा बीचा ढोली मिलसी जीव बसी है बातडली ।778।

आभल खीवा दानू सूत्या मीठी लेता नीदडली ।
प्रीतडली रा गीत वस्या है, धारा धरती गावडली ।779।

---

* खीवसिंह और आभल म प्रेम होने की बात झाले को पसद नही आयी इस पर वह फौज लेकर खीवसिंह स लडने आया। अत म खीवसिंह मर जाता है आभल उसक साथ सती होती है।

डूग जवारौ*

होळी आया मद छकियौ है, बैठ्यौ ऊपर जाजमडी ।
ठुकराणी री तानो सुणता, रूस री फाटी आखड्ली ।780।

काको जेळा पडघो सड है, मिनखा राखी लाजडली ।
तलवार नै लूपौ सूरमा, पहरी चूडचा हाथडली ।781।

करणी लादियौ किसनो नाइ, बोडी थाम्यो हाथडली ।
डूगजी जणै घरा आवसो, मोठी लेसा नीदडली ।782।

अडगम बडगम गीता बीचा, सुणी डूगजी बातडली ।
मद जवारो लियो फिरगी, लूट मचाई धाकडली ।783।

सेखाण म डूग जवारी, लाजा राखी धरतडली ।
आगर मैं काट बेडया, ली तलवारा हाथडली ।784।

काकी भतिजो नाहर बणग्या, खाली होगी हाटडली ।
बीच बजारा सेर फिरै है, सूनी दीसै डाइडली ।785।

डूग जवारो रक न रूक्सो, दुसमी फाटी आखडली ।
गोरा थारी लूट छावणी, आग्या घर री गावडली ।786।

जागळ देस आय जवारौ, सुख सू काटी रातडली ।
भटका खातो फिर फिरगी, वीभाणै री धरतडली ।787।

डूग जवारौ घणा दतारी, घर घर सुणल बातडली ।
गरीब गुरवौ सुख सू रहलै, जुलमी लुकजा झपडली ।788।

---

* शेखावाटी म डूगजी जवारजी धाडवी हुए हैं जिन्होंने अंग्रेजों की नसीराबाद स्थित छावनी को लूट कर तहलका मचा दिया था। इनकी वीरता के गीत आज भी गाये जाते हैं।

कोडमदै*

कोडमदै कोडा सू चाली, छोड घरा री गावडली ।
सादुलसिंघ टाळ र साथ, हाथा थाम्या वीजडली ।1789।

अरडकसिंघ अरडाती आव, रोकी वीचा डाडडली ।
सादुलसिंघ री भुजा फड़की, खाड पळकी धारडली ।1790।

कोडमदे झट पडदो खोच्यो, मिळी आख सू आखडली ।
मार अडक न पूठो आवू, सादुळ कहव वातडली ।1791।

वजरा छाती दिस वीर री, मूड वाकी मूछडली ।
घोडै अेडी दिया जुभार, उडती दीस खेहडली ।1792।

हूकारा सू धरती धूज, लड सूरमा धावडली ।
अराटा पलटा खाता दीस, ऊपर पडिया धरतडली ।1793।

घोडा मरिया पटचा दिसै है, बिखरी दीम रहासडली ।
दामू जाधा लडता दीसै, ऊभा ऊची टीबडली ।1794।

खाडै झपटा लाय पलीता, दिस फाटती चामडली ।
खून तुतकिया दिस छूटता, लाल हुई है धरतडली ।1795।

ठौड ठौड पर घाव दिख है चाटै सूत्या रेतडली ।
सादुल वीर दो टूक हायो, अरटक लीनी मोतडली ।1796।

अेक हाथ सासुन भेज्यो दूजो भेज्यो मावडली ।
चिता सजाया कोडम वठी, सादुळ सूत्या गोदडली ।1797।

---

* कोडमदे की शादी अरडकसिंह से तय थी परन्तु सादुलसिंह से प्रेम होने पर शादी सादुल से हुई। अरडक ने सादुल से लडाई लडी। सादुल मारा गया। अरडक भी कुछ समय बाद मारा जाता है। कोडमदे सादुल के साथ सती हो जाती है।

क्यामखानी*

क्यामखा र जलम लेवता, हरख मनाव रेतडली।
दिली बादसा हेला देय, पलक बिछाया आखडली।1798।

नागाण म जीत क्यामखा, पूग्या दिल्ली वाकडली।
दुसमी फौजा दिख भाजती, खाडे पळक्या धारटली।1799।

ताज, मुहम्मद लडै मूरमा, दुसमी धूजे टागडली।
राणी मोरन डरतो भाज्यो, छोड मरु री धरतन्नी।1800।

फतेपुर मे राज थरपीयो, फडी लीया हाथटली।
फतेखा री फत हुई है, घूसो वाजे गावटनी।1801।

फतेखा री फौजा साथ, जोधा दीस धाकडनी।
दिन माथै र लडे जुभारू, बहुगुण ऊभो टीबन्ली।1802।

नाहरखा जी नाहर वणग्या, दिख तोटता दातडली।
पवारा री हिरदै फाड दी, लीनी हाथा जीतडली।1803।

दौलत खा धरमा रा पक्का, रहम वसयो है हीवडली।
जुद्ध मदाना दिखे धाडतो, दुसमी घूज न्गाटनी।1804।

सुन्दर दास जी मुनो तापिया, सेखाण रा धरतडली।
दौलत खा जी भर हाजरी, बाध्या नेन हाथडलो।1805।

अलफ खा जडो वीर जलमियो, सेखाण री धरतडली।
डरतो राणो अमर भागियो, मूरा चाल्या बीजटली।1806।

---

* उपरोक्त वणन कवि जान द्वारा क्याम खा राम्सा में वर्णित काव्य पर आधारित है।

बाकडलौ

मरु देस में गबरू ऊभो, चोडी ऊंची छातडली ।
रु भरोडो सोनो दीस, भारी मूछा वाकडली ।807।

इसडो मूछा कठ न दखो, जिसडो जेसा गावडली ।
गोळ चकरिया गाला माथै, दिख चेपती हाथडली ।808।

पट्टा लकडी मेल रचावे, छुरी कटारी धारडली ।
अलटा पलटा खातो दीस, रमता घाल धाकडली ।809।

कवडी रमता दिख भाइडा, चादनलै री रातडली ।
अेक दुज री टाग पकडतो, पटक दिखावै रेतडली ।810।

गाव गाव सू गबरू आवै, घुसती होडा होडडली ।
जीताडा मै उछब माकळो, धमचक मचजा गावडली ।811।

रीत पात रूखालण सारू, गबरू ऊभो टीबडली ।
छोटा मोटा सुख सू रहवै, मीठी लेता नीदडली ।812।

बातडली रा घणा धणी है, हसता लेल मौतडली ।
मूण्डै वाल्या फुर न भाई, धोरा धरती रीतडली ।813।

मोटै चाड लूण घोळियो, सोगन लेवै हाथडली[1] ।
मरूधरा रा वेटा पक्का, बाता राख लाजडली ।814।

जोग माय री सौगन खालै, धोरा बाता बाकडली ।
जुद्ध मदाना साची करदै, वेटो मरूधर धरतडली ।815।

---

1 एक बडे वरतन मे नमक घोल कर सब हाथ डालते है और कसम लेते हैं कि अमुक काय करते समय पीछे नहीं हटेंगे ।

भिडमल इसडा दिस न दिखसी जिसडा धोरा धरतडली ।
जूझारा ने जलम दियो है, मरुधरा री वटडली ।816।

रण म पूत मर जामण रौ, दिख न आसू आखडली ।
काळजियौ परथरा री करतो, फिरको रागे मावटली ।817।

जीतण खातर थू जूझेला, मावड देव सीखडली ।
धरती मा री लाज बचावण, जीत्या रहसी बातटली ।818।

गाव लाजडो रासण सारू, मोह कियो नी गोरडली ।
हसती हसती मौत देखलै, घर घर गाथा बहवडली ।819।

हथलेव मै मरवण परस्यो, सेरा बेटा हाथडली ।
सिघणी बेटो सेर जण है, धोरा धरती बीदणली ।820।

धोरानिया र माथै ऊभी हेला देवै मरवणली ।
ज सेरणी दूध पीयो है, वें री वण सू लाम्लडी ।821।

खग तणा ही जीव जीवसी, वीद ढूढल वाटली ।
वीरा साथ मरणो जीणो, वाता राखी जीवडली ।822।

बेटी जलम लेवतो सुणल, आण वाण री बातडली ।
मावड सूती गीत सुणाव, दूधा राखी लाजडली ।823।

ढोल सू जद ब्याव हुव है, अरखै परखै मरवणली ।
मूर कत निन मरणो चोखो, हिवड वसगी गोरडली ।824।

ब्याव सूर सू पवरो होजा, वीर दिसावर चाकरली[1] ।
खाण्ड फेरा होता दीस, गाव घरा री रीतडली ।825।

वीर पेमजी लड़तो दीस, बीकाणै री धरतडली ।
गिरधर जी नागाण ऊभा, बीजळ लिया हाथडली ।826।

---

1 मरुधरा के वीर वर्षों तक दूर देश म युद्ध करते थ । जिस स्त्री क साथ मगनी होती थी उस के साथ वीर की तल्वार के साथ शादी कर दी जाती थी ।

भेडा

इसरो बिगरो भेडा चरती, घास रायै मेतडली ।
अेवाडियो गेडो न लीया, ऊभो ऊंचो टीबडली ।827।

अेवड चरतो दिखै चालतो, पात चचै नी घासडली ।
पगा मडोडो घरती दीस, सूनी दीस रोहिडली ।828।

ढळता सूरज अेवड आवै, चढ ऊपर रेतडली ।
भेडा सूतो नीदा लेव, पोरी देव कुत्तडली ।829।

टीरै मायै ऊभी भेडा, ठडी लाव पूनडली ।
दै हडवच्या, चूग उरणिया, चोवा चूस जीभडली ।830।

फळस आग अेवड बैठयो, दै फटकारो पूछडली ।
ठौड ठौड पर कादो-कीचड, बिसरी दीसै मींगणली ।831।

ऊन कतरिया भेडा मोडी, मा रा ऊपर चूसडली ।
राती राती ऊन दिखै है, रगदै घर मे साथडली ।832।

भेडा मूडी रुक न रुकसी, दिन देखै नी रातडली ।
मूडै चरतो हेठ हगती की नी छोड घटडली ।833।

धूळ बतूळा उड गिगन म, जेवड आवै गावडली ।
भ भ करती भेडा आव, बठ घर री वाखळडी ।834।

हीणी लरडी हियो न्हाखद, नी ऊठ है टागडली ।
काध माथ लादया लाव, पूग उतारै गावडली ।835।

मादी ताती भेडा दीस्या, छोडै घर री झूपडली ।
आछी होया नाच कूद, अेवड रळजा घटडली ।836।

मैल ऊनडी वाटा जमगी, बीचा बठ्या घेटडली ।
च्यारू पगडा लिया हाथ मैं, गोता घोवै ऊनडली ।837।

तीसा मरतौ अेवड आवै, पाणी पीवण नाडडली ।
होळ होळ पगल्या धरतौ, कीचा माडै छोटडली ।838।

रात अधारी आधी चाल, अेवड भटकै रोहिडली ।
खेजडल रौ ओटौ लीया, काटै आखी रातडली ।839।

भेडा लारै भेडा चाल, तळ देखै नी नाडडली ।
अक दुजै रौ लारौ झाल्यौ, पडता टूटै टागडली ।840।

चिरमी जैडी आख्या चमकै, लाय पलीता आगडली ।
आपसरी मै माथौ जोड्या, बठ ऊपर टीवडली ।841।

दिन दोफारा त्याळी बठ्यौ, नीदा लेवै घुरकन्ली ।
आधी राता बर सिवारा, घाटी दावै भेडली ।842।

भेडा दुसमी दिख न्हारियौ, आव आवी रातडली ।
मो'रा माथ लाद घेटडी, ल जा लार झाडकडी ।843।

हाथ चमकणी घेटी बाध्यौ, मत्यौ ऊची टीबडली ।
ढळती रात नाहर आवता, झटकौ लाग हाथडली ।844।

अवड बीचा पुग हारियौ, दाता घीसै घेटडली ।
कुडकौ कडकै पगडौ फासै, मूड निसर चीखडली ।845।

जे अेवड मै रोग फलजा, मरती दीसै घेटडली ।
काळजियौ छूरी सू छूनै, घालै काना छतडली ।846।

बाजरलै रा सागर पीया, दूधा चूर रोटडली ।
रिधरोही र बीचा बठ्यौ, चूलै राधै खीरडली ।847।

घालौ याळी देख साथिटौ, भरदै दूधी भेडडली ।
गबरू ऊभौ दिख पीवतौ, फेर मूछ पर हाथडली ।848।

ऊचै टीब माथ दीसै, दूंती ऊभी भेडडली ।
दूध घालबा दोणी करियो, तोड आक री पत्तडली ।849।

अेवड चीधा रहतो-रहतो, छोडी घर री लाडलडो ।
कदे-कदासा घर मे आव, पूठो पूगे रोहिडली ।850।

अेवड म दिन रात रहवतो, भूल्यो घर री रीतडली ।
भेडा भेळो रहतो रहतो, सीख्यो चाला भेडडली ।851।

काधै माथ रखी राखली, हाथा लोनी डागडली ।
घर कूचा घर मजला करतो, पूगे दूजी गावडली ।852।

अलगोजो रोही म गूज, मीठी छोडै तानडली ।
ऊच टीबै बठ बजाव, गवर थाम्या हाथडली ।853।

मीडलिया भेंट्या सू भेंटै, कर कर ऊची टागडली ।
रेवारी जद दूर निकळजा, अेक देखल मीतडली ।854।

अमर बकरा मड सामन, देख टडी आखडली ।
माथा भेंट्या धाकड मार, खूना घालै धारडली ।855।

अगला पगडा घरचा किकरिय, चरती दीस छाळकडी ।
नैना नैना चर मिमलिया, कवळी कवळी पानडली ।856।

सिह्या पडथा सू दूवण बठ, घर घर गावा गोरडली ।
आघो परघो दूध निकाळ, छोडै मिमला छाळकडी ।857।

भेडा बकरया दूध मोकळो, बीजा मीठी खीरडली ।
हाथ कटोरो मार सबडका, बठयो छावा खेजडली ।858।

तपै तावडो लूवा चाल, दुखणी आव आखडली ।
छाळी दूधा फवो भिजोव, दिख चेपती मावडली ।859।

बकरचा दूधो घणो गुणो है, पीवै डोकर गावडली ।
टाबरिया र सूड पचजा, दिख धापती बेटडली ।860।

गाया-भैंस्या

वादळ देख मार छलागा, कूदे-नाचे टोगडली ।
बीजळ खिवता देख गावडी, दौडी पूगै रोहिडली ।861।

चौमासै मैं गाया चरलै, जोड बीड म घासडली ।
घरा घरा सू रिपिया वाध्या, गोरी लेव रोकडली ।862।

डागर चरता रळ मिळ जाव, पूगै दूजो गावडली ।
दागा सू सासरिया सोध, सीगा वाध जेवडली ।863।

घूघरिया री माळा पहरचा, नाड हलावे घैनडली ।
वाखळ ऊभा रमता घालै, दोनू बाछौ-वाछडली ।864।

पगा नजणो गोडा गूणियो, दूधौ दूव मावडनी ।
भरया कटोरा पीता दीसै, घर-घर टावर टिगरडली ।865।

उतावळी वैडकडी भाजे, गोरी बाध टागटली ।
गळ टोकरो मोटो वाध्या, होळ हाले गावडली ।866।

सिधण गाया जणे पावसै, दूधा भरदै चाडडली ।
हाथ वालटो दूवण वैठयो, वोवा चाल धारडली ।867।

मधरा मधरा टोकर वाज, सिंझ्या पडै जद गावडली ।
खुरा ठोकरा खेह उड है, दौडी आवै घेनडली ।868।

हेला देता नेडी आवै, नाम लेवता गावडली ।
हाथ चाटतो ऊभो दीस, दे फटकारो पूछडली ।869।

गाय माता दीस पूजता, घरा-घरा मे गावडली ।
सुरज-साड नै दिसै नीरता, पालो नीरो घासडली ।870।

ठाणा माथ ऊभो चरल, पालो सेवण घासडली।
चाटलियो जीभा सू चाटै, भैसा ऊभो गावडली।871।

खेता बडता मूडो मार, गोधो गाया वाछडली।
राता माता फिर जिनावर, माख्या तिसळ चामडली।872।

गाय-भस रै दूध मोकळो, करै बिलोवण मावडली।
छाछ-दही सू चाडा भरिया, घर-घर दीसै गावडली।873।

रोटा-रोटा घर उतर है, जाडै दूधा भसडली।
दही बिलोया घीव मोकळो मोळी-मोळी छाछडली।874।

दो गोधलिया दिसै सामनै, दड़क उछाळै रेतडली।
मोटा-ताजा लडता दीस, भॅटघा मार धाकडली।875।

भूगो दीसा चरतो दीसै, जोड-बीड म गावडली।
भूली भटकी मेता बडजा, पूग ठाकर ठाठडली।876।

जण डागरा ठारी खाजा, इणकै-सिणक नावडली।
राख लूणियो अग अग मसळै, गाभा दपट गोरडली।877।

मादी ताती बासळ बठी, लाळा न्हारी टोगडली।
खाणो पीणो छोड गावडी, भीच्या बैठी दातडली।878।

गाय गाव मै जण टोगडी, घर-घर दीसै हरखडली।
भर नाख्या सू जापो पूरो, धनड चाट वाछडली।879।

नागोरी बळधा रै ताणा, दिख बीजतो खेतडली।
मोटा ताजा डीगा लाबा लाम्बी लटक पूछडली।880।

जूनी दवा हाथ सू देव, मादी होता गावडली।
गुळ फिटकडी घोळचा बठचो, मूड नाव नाळकडी।881।

गाव घरा मै दिखै मोकळा, गोधा गाया वाछडली।
भेडा वकरचा चरती दीस ऊभी वीचा रोहिडली।882।

ऊट

चीखल माथै चढ्यौ महदरौ, पूगै मेडी मूमलडी ।
टळती राता मूमल सूपै, तोड काळजौ कोरडली ।883।

ऊट विना मरुधरा अडोळी, सूनी दीसै टीबडली ।
करलै बिन मरवण नी पूगै, ढोला थारी नरवडली ।884।

काबुल सू जोधाण पूग्या, जसवत चढिया साढडली ।
अमरकोट हूमायू पूग्यो, बेगम साथै टोडडली ।885।

हमिदा तुरियौ जीव छोटदयौ, थळी देस री टीबडली ।
ऊटा ताणा अकबर जलम्यौ, अमर कोट री धरतडली ।886।

पागळ धारा चढता भाज, लाघ समदर रेतडली ।
जळ कोयळकी केवट टुरियौ, चालै दिन अर रातडली ।887।

लूमा झूमा भरै गोरवद, मेळै टुरगी टोडडली ।
मधरी मधरी दिखै चालती, गणा खणकै टागडली ।888।

नखराळौ जेसाणै करियो, पूग राता रातडली ।
वार चढोडो नडै सूरमौ, हाथा लोया बीजडली ।889।

धोरलिया रा जहाज कहिजै, भाजै दिन अर रातडली ।
भूख-तिरस नै भूत्या विसरचा, पूगै दूजी गावडली ।890।

भरै सियाळ ऊट भूठ मै, मूड न्हाखै भागडली ।
माथै सू मद भरतौ दीस, गुल्ला काढै जीभडली ।891।

मस्त हुयोडो ऊटौ भाजै, गळिया बीचा गावडली ।
जे टार्वारियौ हाथ आयजा, बाह पकडल दातडली ।892।

मेळ-ठेळ मदधर[1] ऊभी, पहरया गणो टागडली।
भळी भेळो हुयो मानखो, देखे ऊटा नाचडली।893।

जगो ऊट बीकाण दीस, खीच भारी गाडडली।
मोटो-ताजो डीला भारी, ऊची ऊची थूवडली[2]।894।

गोमठियो है धाकड करहो, दिख फळोदी धरतडली।
धणमोलो गोणोज भूरो, रिपिया लेवे रोकडली।895।

मेळ माथ ऊट-दौड है, गाव घरा री गेतडली।
सरपट भाज आगे आव, धोरलिया री टोडडली।896।

चिलम धुवे रा गोट उठ है, नाका सूग साढडली।
नसा पता लेवे कुळनारू,[3] ऊभी बीचा गावडली।897।

मोको देख्या घात कर है, ऊभी बीचा रोहिडली।
ईडर नीच दाव ऊटियो, मसळ दिखावे मौतडली[4]।898।

आगी पाछी फिरे दौडतो जोरा पटके टागडली।
मेहो घरा गाव म आसी, आगम देख साढडली।899।

बिन मोरी र कुरियो[5] भाज, टोळ बीचा राहिडली।
हेलो देतो दिखे राइको, दौडी आव टोडडली।900।

रेवारी ऊटा मे रहता, भूल्यो घर री बातडली।
बीच जगळ र गवरू ऊभो, दूधो पीवे साढडली।901।

काळ पडघा सू मर डागरा, बिखा[6] पडग्या टाडडली।
सूखा चाब्या ठूठीया न, काळा मारी लातडली।902।

सरभ[7] सीव पर चर मोकळो, हरी भरी है बेकरडी।
चोमास म ऊभो चरत, हरिया पत्ता पानडली।903।

---

1 ऊट 2 थूई 3 ऊट साढ चिलम का धुआ सूघ कर नशा कर लेते हैं 4 ऊट जगल म एकल सवार को देख कर उसे भूमि पर गिराकर अपने पट से मसलकर मार डालता है 5 ऊट का बच्चा 6 दुख 7 ऊट

ऊंट-जटा नै बटै ढेरियौ, बणती दीसै छाटडली ।
सीयाळै मै बैठ्या भाई, काम कर है धाकडली ।904।

सूकी लकड्या भारौ बाध्यौ, लादौ लावै साढडली ।
गळी गळी मै फिरै बेचती, भूख मिटावण आतडली ।905।

लडणौ भिडणौ ऊंट सवारी, करै मजूरी टोडडली ।
पाणी लावै भार उखणलै, हळियौ खीचै खेतडली ।906।

भार पड्या अरडावै ऊंटौ, लार नाखै मीगणली ।
कामडली फटकारघा चालै, होळ धरतौ टागडली ।907।

रात बिराता भटकै ऊंटौ, भूल्यौ गावा डाडडली ।
ठोकर खाय पडै ओठारू, खाया घाल धरतडली ।908।

बूढाप मै हाट टर दै, धाळी दीसै दातडली ।
धीमा धीमा पगल्या धरतौ, खीच्या चालै गाडडली ।909।

ओछै होटा चाचौ ऊंटौ, ऊभौ दीसै टोबडली ।
गाव घरा मै बात हुवै है धणी मारसी रोहिडली ।910।

बत निना घर काम हुवै नी, नी सभळै है खेतडली ।
बिना ऊंट र जीणौ दोरौ, बाळू धोरा धरतडली ।911।

टोडारु वण रम टाबरिया, रळका देता हाथडली ।
ऊंटा म्हारौ जीव जडो है, घर-घर गूंजै बातडली ।912।

ऊंट खोयलौ भूडौ लाग, तेल चिलकता चामडली ।
ऊंचौ नीचौ पगडौ पडता, रगटळ बणजा टोटडलो ।913।

टूटघौ ऊंटौ दिखै गाव मै, घण आसूडा आखडली ।
मरणौ-करणौ हाथ सावरै, चादघा पडगी चामडली ।914।

सिध देस सू आयौ ऊंटौ रसग्या-बसग्यौ रेतडली ।
पाबूजी री किरपा होया, घर घर दीसै साढडली ।915।

जीव-जिनावर

सासर घर म भरया दिस है, दूध मोकळी गावडली ।
बिना जिनावर जीणो दोरो, बाळू घोरा घरतडली ।916।

भाख फाटता कूकड बोल झाडू दब बीदणली ।
दिनडो निकळया डोकर बोल, झट-पट छोडो माचडली ।917।

ऊची सिकरी खाय गुळाच्या, दे झपटारा पाखडली ।
भोळो कबूतर पजा फास, मास जीमले चाचडली ।918।

कोचरडी रूखा म लुकजा, बागल चिपजा खेजडली ।
दिन म सूता नीदा लेव, उधम मचाव रातडली ।919।

कागडोड चिलखा सू न्यारा, काळी लाबी पाखडली ।
तीतर मोडी लेता बोल, कबरी-कबरी पाखडली ।920।

गीलै घोरा माथ विछगी, ममोलिया री चादरटी ।
काळो गूग्या रळ मिळ चाल, माड लीका रेतडली ।921।

तितली जिसडो रूप लियो है, सोनल दीस भीगडली ।
गळ बठली पळका मार, भात भात री पाखडली ।922।

बिछू डकडो दोरो मार, बळता झळता टागडली ।
झाडा देता घर घर दीस, बठया गाबा झपडली ।923।

चिडी कागला दिखै मोकळा, बैठया डाळा खेजडली ।
ऊची ऊची उड गगन मै, पख फलाया कुरजडली ।924।

सोनचिडी सुगना री राणी, उडती दीसै खेतडली ।
काळ भूरै रगा रगाजी, दिख फुदकती रेतडली ।925।

सिझ्या पडया सू उडता आव, पाख पखेरू गावडली ।
ऊच डाळा रूखा बठया, रळ मिळ साथी साथडली ।926।

ढकू-ढेकू करे ढेलडी, मोरा नाचै टागडली ।
रूखा हेट रमता दीसै, दोनू साथी साथडली ।927।

सरवर कूवा दिखै आतरा, पाणी लावै साढडली ।
ऊट पखाला भरिया लाव, गधिया ढाचा मटकडली ।928।

जण सासरा पीडा उठजा, आसू बहवै आखडली ।
डाम लागिया पीड मिट है, दिखै भाजती टोडडली ।929।

हरया आकडा बकरया चरलै, भेडा चरलै पानडली ।
कैर वाठका पागळ चरलै, सूनी दीसै रोहिडली ।930।

पैणौ साप सास नै पीवै, जातौ मारै पूछडली ।
गाव घरा मै हाकौ फूट, चोड पिलाओ साथडली ।931।

आधी राता जरख फिरै है, कट-कट बाजै टागडली[1] ।
डरता डरता टावर सोजा, आडो ढकलै मावडली ।932।

बोट बिलावी बोरया बोलै, थर थर धूजै टागडली ।
भूत पलीत समक्ष भाईडो, भाज पूगजा झूपडली ।933।

लावी पाखा गोडावन री, उड गिगन मै धाकडली ।
देस विदेसा धाक जमाई, मरुधर धोरा धरतडली ।934।

तिरतो आडा दिख तळावा, ज्यू पाणी मै नावडली ।
ऊडी झोला आम पखेरू, करै किळोळा धाकडली ।934।

मेह झडी लाग्या सू भाई, रिडकै ऊभी भसडली ।
नाडी वीचा तिरतो तिरतो, भिडक भाई पाडडली ।935।

हिरण वाखाट रमता धाल, सायै ऊभी मावडली ।
नील गाय रोही म ऊभी, चरती दीसै घासडली ।936।

---

1 गधे जितनी जरख रात्रि म जगल से गाव म आती है। इसके परो की हड्डिया कट-कट की जोरदार आवाज करती हैं। गाववाला का विश्वास है कि रात्रि मे डाकण इसकी सवारी करती है।

धरमा-करमा

दया धरम जीवा म वसिया, भगवन वसिया हीवडली ।
भजन वाणी मिंदर म गूजे, गावा गूज गीतडली ।1937।

गोळ थम्बा ऊचा वण्या है, मिंदर वण्या है टेकडली ।
मिनख लुगाई टावर टोळी, दिख जोडता हाथडली ।1938।

जात पात आडी नी आव, मालिक वसिया हीवडली ।
देवि देवता पीर पगम्बर, ध्याव सगळी गावडली ।1939।

साधू आया उछव छायजा, ऊभा जोडै हाथडली ।
भगवन म्हारै घरा पधारी, स्स र मूड वातडली ।1940।

भिग मिर भिर मिर कुत्तडी ब्याई, टाबर मूडै वालडली ।
घर-घर आटा दिखै मागता, सीरो जीम कुत्तडली ।1941।

होळी दियाळी ईद माथ, घर घर दीस हरखडली ।
गळबायडली घाल मिळ है, अेक दुज री हाथडली ।1942।

रग रोगन सू रगी मूरती, करी थरपना ठीवडली ।
मा भवानी जोवडै बसगी, मरूधरा री धरतडली ।1943।

पीपाजी री याणी सुणल, हियै वसा थू वातडली ।
मिनख जमारा नाटककारो, मालिक दख आखडली ।1944।

दिन निकळचा सू भजन करीथ, सुणो टाबरा वातडली ।
वुढा-बडेरा देता दीस, गाव घरा मैं सीखडली ।1945।

भजन सुण्या सू सुख पावैलो, जीवा रहसी चनडली ।
साधू-सता सदा सिसाई, धरम करम री वातडली ।1946।

मसीत मिंदर दोनू बण्या है मरूधरा री टीबडली ।
पडत मौलवी सुख सू रहव, वठचा ठडी छावडली ।1947।

इरला बिरला आक दिखै है, धोळी फूला पाखडली ।
सिवजी आ म बासो लोनो, घ्याव धोकै साथडली[1] ।1948।

जीवण माता लाज राखदी, सेखाणै री घरतडली ।
औरगजेब री फोज हारी, जद खोली मा आखडली ।1949।

दादी सती री मिंदर दीसै, सेखाणै री टीबडली ।
भाई साथै सती हुई है, रळ मिळ दोनू बेनडली ।1950।

लालगिरीजी अलख जगाई, बीकाणै री धरतडली ।
राजाजी नै परचौ दीनो, नीदा बीचा रातडली ।1951।

देवि-देवता छाया आया, केस बिखरै गोरडली ।
भाग न्हाखती ऊमै-झमै, मूण्डै चिपजा दातडली ।1952।

देवि-देवता ठाव-ठिकाणै, कर आरती सायडली ।
जद आफतडी आन पडै है, देव रुमाळ गावडली ।1953।

दान पुन करणै री रीता, धोरलिया री धरतडली ।
कन्यादान बिन जीणो आधो, समझ बाबल मायडली ।1954।

खाटू स्यामजी आय बिराज्या, बाळू धोरा टीबडली ।
अेकादस नै मेळो लागै, भगत दिखै है धाकडली ।1955।

बिना गुरु र ज्ञान मिल नी, घर-घर गावा बातडली ।
पंडित बैठ्या वेद पढावै, सुणै गाव मे सायडली ।1956।

धरम करम नै पल्लै राख, आया जलम्या रेतडली ।
साच बोलणो हिवडै बसग्यो, कूड दिखै नी आखडली ।1957।

---

1 मरुदेश म ऐसे आक दुलभ होते हैं जिन पर चमेली के फूलो की तरह बिल्कुल सफेद फूल आते है । इसम शिव भगवान का वास होता है । आक की जड को खोदने पर साप निकलता है ऐसी गांव के लोगों की मान्यता है । सभी लोक इसकी पूजा करत है ।

रामसा पीर

रामदेवजी जलम लेवता, मुळकी धोरा धरतडली ।
जद भगवन अवतार पधारघा, फूला बरसी पासडली ।1958।

सात दिना रा हुया रामसा, परचौ दीनो मावडली ।
दूध उफणतो हेट उतरघौ, जामण देखी आयडली ।1959।

नीली घोडी उड गगन म, अजमल ऊभा छातडली ।
दरजी टागा धर धर धूज, ऊभो जोड हाथडली ।1960।

राम पीरजी दडो रम है, पूगो रासस झूपडली ।
भैरव मारघो गाय बचायो, रुस रै मूड हासडली ।1961।

सारथिय री मौत हुया सू, घर म रोव मावडली ।
हिंदुवा सूरज हूलो देता, खाले साथी आखडली ।1962।

लाखोजी री बाळध आयी, राम पीर री गावडली ।
मिसरी न बा लूण कह्यो तो, लूण बणगी साकरडली ।1963।

पाच पीरजी आय विराज्या, रूणच री टोयडली ।
देख पावणा भगवन कहव, जीमो सता राटडली ।1964।

सीपिया तो पड्या मक्क मै, किणविद जीमा रोटडली ।
आप आप री सीप्या साभी, भगवन राखै आजमडी ।1965।

पाच पीर मन ही मन मुळकै, जीवा जाणी बातडली ।
सावरिय रो परचो देख्या, जोडी दोनू हाथडली ।1966।

दूध कटोरो पीता दोस, भगवन ऊभा रोहिडली ।
हरजो माटो देख रामसा, टेक्यो माथो धरतडली ।1967।

रणछोड री रूप देख कर, जोगी जोडी हाथडली ।
पाणी री अरदास करी तौ, भरती दीसै नाडडली ।1968।

माथौ वटिया पड्या दलाजी, चोर लूटली रोकडली ।
भगवन जीवनदान दियौ तौ, सेठा खोली आखडली ।1969।

वायता सेठ दिसावर जाय, भगवन देता सीखडली ।
जद पाणी मैं डूगो डूबै धणी तार द नावडली ।1970।

विरमदेव अर राणी रोनैं, वाछी मरगी गावडली ।
गुम सुम भावज वणी दिखै है, छोड्या पाणी रोटडली ।1971।

भाडी माथ दिखै सूकती, गाव गोर मैं चामडली ।
चुटिय सू जद छुई रामसा, मिळी गाय सू वाछडली ।1972।

नेतलदे सू नी टूरीजै, लूलो दीस टागडली ।
भगवन साथै ब्याव हुया सू, ठम-ठम चाल बीदणली ।1973।

मिनी मरोडी धरी थाळ मैं, कर मसकरी साथडली ।
धणी रूणेचै हाथ लाग्या, चढती दीसै छातडली ।1974।

नेतलदे भगवन सू पूछ, काई जणसी बहुवडली ।
पेट मायनै हेलौ सुणियौ, थाळ बाजसी टीबडली ।1975।

हडबू देख्या रामदेवजी, वोरण बीचा गावडली ।
गळराथडली घाल मिळै है, दोनू भाई रोहिडली ।1976।

रतन कटोरी चुटियौ सूप्यौ, भगवन कहता वातडली ।
भाई म्हारा धरा पधारो, हूं पूगूला रातडली ।1977।

हडबू कहवै सुणो साथिडा, बाबौ बैठ्या रोहिडली ।
रतन कटोरी साम धरिया, रुख री फाटी आखडली ।1978।

गाव मानखौ पूग समाधी, खोद न्हाख दी माटडली ।
रूणैच रा धणी दिख नी, धारलिया री धरतडली ।1979।

सुगना*

रामै पोर रे ब्याव मायं, सुगना जोवै वाटडली ।
सासरिय म वठी रोवै, डुसका खाती वनडली ।1980।

जेळ मायनै रतनो वठ्यो, घूटं बधगो माळडली ।
सुगना घर मे वात सुणी तो, कळपी आखो रातडली ।1981।

लीलै री असवार देखलै, सुगना बीती वातडली ।
घोडै चढिया भालो लोया वडग्या पूगळ कावडली ।1982।

पूगळवासी घर-घर धूज, फाटी दोसै आखडली ।
भगवन थानै माफ कर है, सुगना बैठी गाडडली ।1983।

साम वेटो मरगो पडघो है, छाती कूटै मावडली ।
विन वाळकिय जोणा दोरी, सुगना जाणे वातडली ।1984।

ब्याव रचाय'र भगवन आया, घरा बधाव मावडली ।
सुगना घर म वठी रोव, पकड काळजो हाथडली ।1985।

भगवन आख्या ओजै खोज, कित गइ म्हारी वनडली ।
केस बिखेरघा सूनी आग्या, वैन करे है वातडली ।1986।

जामणजाई वात वताओ, सोगन थानै वैनडली ।
थाकी फाटघो बोल निसरग्या, कुवर देखली मौतडली ।1987।

भगवन हेला दिया कुवर न, फर मायै हाथडली ।
हसतो हसतो कुवर उठ है, चढजा मामै गोदडली ।1988।

---

* रामदेवजी की गादी पर उनकी बहिन सुगना को सुसरालवाले इसलिए नही भेज रहे थे कि रामदेवजी नीची जाति के लोगों के साथ उठत वठते थे । पूगल के परिहारों पर आक्रमण कर के बहिन को घर लाते हैं । बहिन का पुत्र मरने पर पुन जिंदा करते हैं ।

हरजी भाटी गाता दीस, बाबा थारी गीतडली ।
घर घर डाली दियो सनेसो, भगवन आया साथडली । 989 ।

दलो सेठ अर रतनो समझ्या, बाबा थारी बातडली ।
अजमल घर अवतार पधारया, घर-घर छाई हरखडली । 990 ।

बाबा थारो जय जय गूजें, रूणेच री टीबडली ।
निरताळी री बजतो टाल्या, मधरी छोडे तानडली । 991 ।

जात पात स्म भेळो दीसै, बाबा थारी धरतडली ।
भजन गावता भेळ बैठ, हस-हस करता बातडली । 992 ।

देवळ माथै धजा फिराव, पिचरग नेजा छातडली ।
पाळा आता भगत देखले ठडी करता आखडली । 993 ।

हिंदू मुसलिम दोनू मान, बाबा थारी बातडली ।
भाईचारो बस्या जीव मैं, रूणेचै री धरतडली । 994 ।

घर घर टावर दिखै गळै मैं, बाबा थारी तातडली ।
मावड बैठी म नत मागै, हसती दीसै बेटडली । 995 ।

रणछोड रा दीसै पगलिया, चौकी आळा गावडली ।
घरा घरा म थान बण्या है, ठडी छाया खजडली । 996 ।

बावडी पर बठयो मानखो, भजन करै दिन रातडली ।
परचो पाता आस्या खोलै, कोढ भडै है चामडली । 997 ।

मारवाड गुजरात पूगी, धरम करम री बातडली ।
उळज्या लटक्या काम हुवै है, म नत माग्या साथडली । 998 ।

मनडो भटका खातो दीस, जीव पड नी चैनडली ।
रूणचै मैं पूग भाइडो, ठडक पाव होवडली । 999 ।

भगत खडयो अरदास करै है जोडया दोनू हाथडली ।
बाबा थारी सरण आयग्यो राखो म्हारी लाजडली ।1000।

पीर-ओलिया

सूफी बावो कर इबादत, नागाण री धरतडली ।
च्यारुमेरा हसी खुसी है, कुफर चुरावे आखडली ।।1001।

भूत पलीता आग लागजा, बाबा थारी काकडली ।
डरता डरता पूठा भाज, छोड मिनख री हाथडली ।।1002।

मोठ-बाजरी वण्यो खीचडो, साथ मोळी छाछडली ।
बावो बहव फौज जिमाओ, गामो ढक्दी हाडल्ली ।।1003।

बैठघा फोजो दिख जोमता, नी खूट है खीचडली ।
चमतकार पीरा रो देख्या, टेकी फोजा गोडडली ।।1004।

पोटली म कीडो आयगो, बाव देखी आखडली ।
पूठा छोटण टूरचा बापजी, जीव घरा न गावडली ।।1005।

उरस हुया सू हेलो होव, सुणलो भाया बातडली ।
मास खावणो नी पोसाव, दरगा बावै धरतडली[1] ।।1006।

बावै जीवा रहम मोकळी, नी मारण दे गावडली ।
पाणी लीया खून धोयद, बाधै सीगा पाटडली[2] ।।1007।

सूफी बावो सजदो कीनो, जुग बोत्या दिन रातडली ।
माथ ऊपर इण्डा राखदे, आळो समझ्या चिडकटली ।।1008।

बावै री जद महर[3] हुव तो बरस रहमत[4] गावडली ।
टावर टोळी रमता दीस, हरख काड[5] रेतडली ।।1009।

---

1 नागौर म सूफी बाव के उस के अवसर पर आवाज होती है कि मास खाकर दरगाह पर न आयें 2 पट्टी 3 दया 4 कृपा 5 खुशी-खुशी

वाव र हेल र मायै, भाजी आवै घेनडली ।
सूफी वावौ लाड लडावै, वाछो चाटै हाथडली ।।1010।

वावौ करता दिखै इमामत, खाजाजी री धरतडली ।
अरस आजम झुकतौ दीस, रहमत वरसै धाकडली ।।1011।

सूफी वावौ वसियत करग्या, दरुद दिराया रोटडली ।
आस-पास मास दिखै नी, हिरदै राख्या वातडली ।।1012।

वावौ कहग्र सुणलो भाई सवर वडी है सायटली ।
विना सवूरी जीणो आधो, नी पावैनौ चैनडली ।।1012।

भूख पेट अेक ही दु ख है, वाकी सव है हरखडली ।
पेट भरया सू अेक इ सुख है, दुखडा गिणलै आगळटी ।।1013।

वहाऊदीन इम्तान लेवा, भेज्यौ सानौ चादडली ।
ताळ तलावा दियौ फॅलाय, भरी रेत स गाडडली ।।1014।

सेख आगणै गाटी पूगी, रसै री दैख आखडली ।
चम चम करतौ सोनौ चमकै, मरूधरा री रैतटली ।।1014।

करामात पीरा री देरया, सेख टक दी गोडडली ।
मन ही मन वावै नै ध्यावै, कर-कर ऊची हाथडली ।।1015।

महमदअली जी बैठया दिखै, करै इवादत धाकटली ।
अल्ला-अल्ला करता-करता, मूद्या वठया आखडली ।।1016।

मस्त मौलाजी ला लगाई जाळा ठडी छावटली ।
इसा पीर विरला ही दिखसी धोरलिया री धरतडली ।।1017।

साफ़ पडघा सू आय विराज, फळम आग डोकरडी ।
माल मलीदा रस ठुकराया, जीमै रूखी रोटडली ।।1018।

वावै रैं दरवार पूगकर, करै इवादत साथडली ।
जिका काम वरसा नी होया, होजा हाथौ हाथडली ।।1019

हिंददेस रा धणी खड्या है, मरूधरा री कावडली ।
खाजाजी री रहमत वरसे, वाळू धोरा धरतडली ।।1020।

नरहड गावा दिखे आवती, लिया भूतणी साथडली ।
रहम करम वाव री वरसधा, आछी होजा गोरडली ।।1021

पीरा आळी जाळ पूगिया, मन्नत पूरी सायडली ।
भूत पलीत दीस भाजता, गाव साचोर धरतडली ।।1022।

रिडमलसर गावा री धरती सोनल रूपल रेतडली ।
मिरजावली नावे री महर, वरसे है दिन रातडली ।।1023।

सेख हुस्सन करे इवादत, पीलू रूखा छावडली ।
सेखाण री धरती वैठ्या, तसवो फेर धाकडली ।।1024।।

मोहम्मद खा देवे हाजरी ऊभा जोड हाथडली ।
जणे सेखजी महर हुई तो, राज थरपले धरतडली ।।1025।

तारकीन वाव री चिल्ला, दिखे झूझुनू टीवडली ।
खानू पीर री दरगा दीसे, गिगना ऊंची टेकडली ।।1026।

तन्ना पीरजी धाकड तपिया, जोगणे री धरतडली ।
हिन्दू मुसलिम दोनू आवे, दरगा वाव गावडली ।।1027।

खाटू गावा हुव इवादत, दरवेसा री टीवडली ।
सेमाली रे ऊंच टीले, दरगा दीसे धाकडली ।।1028।

नागाणी खाटू अर नरहड, दरवेसा री धरतडली ।
पीर पैगम्बर बसया दिख है, कण-कण धोरा रेतडली ।।1029।

हिंदू मुसलिम हिरद वसगी दरवेसा री वातडली ।
जण बापजी गावा आव, पगल्या लागे साथडली ।।1030।

साचे मन सू वावो ध्यावे, मन्नत पूरी सायडली ।
गाजा वाजा चादर लीया, पूग दरगा धरतडली ।।1031।

गोगाजी

बाछल जामण पूत जलमियौ, ददरेवा[1] में हरखडली ।
झेवर[2] ऊभा हरख मनावै, थाळ बाजिया छातडली ।।1032।

पालणियै में सूत्यो गोगो, साथै वठी सापणली ।
दादोजी जद मारण ढूकै, भगवन रोकै हाथडली ।।1033।

गोगो पाबू चोपड रमता, दिखै फेंकता कोडडली ।
हारयौ पाबू दिखै सूपतौ, भाई घर री बेटडली ।।1034।

बूडोजी राजी नी होवै, ब्याव रचावण धीवडली[3] ।
गोगोजी न रीस आयगी, भेजी पद्मा सापणली ।।1045।

कोलूमड बागा मै कामण, तोडै फूला पाखडली ।
केलमदे न सपणी डसलै[4], ब्याव गोगो सायडली ।।1036।

गोगोजी रो ब्याव मड है, गोरख सुणलै वातडली ।
उडण खटोल उडै गुरूजी, आय बिराजै टीबडली ।।1037।

केलमदे गोगोजी ब्यावा, हरख[5] छायग्यौ गावडली ।
जोहा[6] भामा बात सुणी तो, भीचो मूडै दातडली ।।1038।

अरजन सरजन लडता दीसै, हाथा थाम्या बीजडली ।
गोगोजी घोड पर चढिया, लडै सूरमा धाक्डली ।।1039।

भगवन खण्डो दिगै चालतो, फोजा टेवी गोडडली ।
अरजन सरजन दिखै हारता, तुरका घूजो टागडली[7] ।।1040।

---

1 गोगोजी के रहने का स्थान इसे आजकल चूरू कहते हैं। इसे गोग मढ़ी भी कहा जाता था। 2 गोगाजी के पिता 3 बेटी 4 काटना 5 खुशी 6 जाति विशेष का नाम 7 अरजन सरजन की सहायतार्थ आने वाले मुसलमान जाति विशेष के लोग।

गोगोजी सरगा सू आवै   सुरियल मिलवा रातडली ।
सिणगारा सू सजी गवरजा, ऊभी दीस छातडली ।।1041।

बिना धणी र घण सिणगारा, सासू देव तानडली ।
जामण थारी जायो आवै, मिलजा म्हा सू रातडली ।।1042।

रात पडचा गोगोजी आव, जामण देख आखडली ।
मावड ताना दिया पूत नै, गोग छोडी सजडली ।।1043।

पगा सिराण पण्डत मोलवी बठचा गोग मेडकली[1] ।
भाईचारो दिखै न दिखसी जिसडो गोग गावडली ।।1044।

झण्डै माथ साप मण्डचो है, लाम्बो चोडो धाकडली ।
बाळू धरती फिरै पताका, मिंदरा गोग छातडली ।।1045।

हिन्दु मुसलिम दोन आव, गोगामेडी धरतडली ।
दरगा मिंदरा पूग साथिडा दिख जोडता हाथडली ।।1046।

डरू हाथा धावड बाज हियो हाखदयो सापणली ।
अरु काटा लिटता दीस, नीच मिनख री टागडली ।।1048।

जाहर पीर है नाम गोगो दूर दिसावर बातडली ।
छोटा मोटा रस ध्याव है, हिन्ददेस री धरतडली ।।1049।

गागामेडो मेळै माथ दिख मानखो धावडली ।
पेट हाथ सू दिख खिसकता, सूत्या ऊपर रेतडली ।।1050।

ठौड ठौड पर दिख मूरत्या, भाटा माथ सापणली ।
गाव गाव म थान दिखै है, गेजडलै री छावडली ।।1051।

साप डसोडा जद आव है, बाज भाभर ढोलकडी ।
भगत नाचता दिखै गाव म, जहर उतारै हाथडली ।।1052।

---

1 हिन्दू मुस्लिम दोनो ही गोगाजी की समाधि पर सिर और पाव की तरफ साथ साथ बठते हैं। दोना धर्मों का यह सगम मरुधरा की धरती पर दिखाई देता है।

पाबूजी*

पाबूजी अवतार लियो जद, हरख छायग्यो धरतड़ली ।
मारवाड़ राठौड़ा भाई, धरमा राखी साखड़ली ।1053।

धाधल अपसरा व्याव रच्यौ, मनरी करता बानड़ली ।
पाबू जिसड़ो पूत जलमियो, मरुधरा री धरतड़ली ।1054।

लछमण रा अवतार पाबूजी, मारवाड़ मैं बातड़ली ।
सिंघणी सूती दूधो पावै, धाधल देखी आखड़ली ।1055।

धाधल मौत हुया सू भाई, बाप दिखै नी मावड़ली ।
साव अेकलो पाबू रहग्यौ, धाय सभाळै सायड़नी ।1056।

जींदराव जद घोड़ी मागै, नटजा देवल सायड़ली ।
घोड़ी म्हार जीव जड़ी है, घर री राख लाजड़ली ।1057।

पाबू घोड़ी ऊभा मागै, देवल सूंपै गसड़ली ।
केसर काळवो हिण हिणाव, ऊंचो कान कनोतड़ली ।1058।

खीची न जद ठाह पड्यो तो, मीची मूंड दातड़ली ।
डरतो-डरतो चुपन बठ्यो, मोको देखै आखड़ली ।1059।

डोडवाणा पूग पाबूजी, लीनी हाथा जीतड़ली ।
डोडे न या बाध नासदयो, मिजाज तोड्यौ मावजड़ी ।1060।

अन्न धाधल मौत देखली, पाबू मारधा चोजड़ली ।
भील माइड़ा वर चूवल्यो, जालाण री धरतड़ली ।1061।

---

* पाबूजी की माता सिंघनी का रूप बना कर दूध पिला रही थी धांधल ने छुप के देख लिया। इस के पश्चात पाबूजी की मां संसार को छोड़ कर इन्द्रलोक को चली गई क्योंकि अप्सरा ने शादी के समय शर्त रखी थी कि उसके साथ छुप कर भी कोई न देखे। पाबूजी को लक्ष्मण का

राव देवडो दु ख देव है, पावू सोनल वनडली ।
चाबक रा फटकारा लाग्या, लीला जभगी चामडली ।।1062।

वार चढोडो पावू दीसै, धूळ वातूळा माधडली ।
राव देवडो डरतो धूज, हिलती दीस टागडली ।।1063।

ऊभा पावू माफ कर है, दिखै छोडता भावडली ।
जाता-जाता गणो सूप्यो, पहरो सोनल बैनडली ।।1064।

दोद सूमरै साढ टोळी, हरमल देख आखडली ।
पावू घेर देव दायजे, सूप गाग हाथडली ।।1065।

ऊट जिनावर लायो पावू, मारवाड री धरतलडी ।
राइका आज मगल काम पर, जमी दिरावै गावडली ।।1066।

देवल माथ विखो पडघो जद, ऊभी जोव वाटडली ।
पावू नै अरदास कर है, भगवन राखो लाजडली ।।1067।

देवल चारणी जद पुकारै, घोडी तोड जेवडली ।
पावूजी सनी म समक्ष, हाथा थामी बीजडली ।।1068।

आसै पासै बात हुवै है खीची घरी गावडली ।
सेजा माथ सोढी छोडी, जोणा कसली घोडडली ।।1069।

खीची भाग्यौ गाय छोडती, पावू लीनी जीतडली ।
घाव खाया पड्या पावूजी, छेकड लीनी मौतडली ।।1070।

ऊच नीच जाता नी दीसै, पावू थारी धरतडली ।
नीची जाता ऊची होगी, भगवन थाम्या हाथडली ।।1071।

घर-घर गावा जमो देवता, बाजै माटा धाकडली ।
भोपा थोरी दिखै वाचता, पड पावूजी गावडली ।।1072।

अवतार मानते हैं। देवल चारणी की गायें छुडाते समय जोदराव खीची से युद्ध करते हुवे अधिक घाव लगने से वीरगति को प्राप्त हुए। सिंघ प्रदेश से सवप्रथम ऊट को पावूजी लाय तथा अपनी भतीजी के दहेज म दिया था।

तेजोजी

गूजरी री मोसो[1] सुणघा सू, समझी तेजल बातडली ।
किण गावा मैं ब्याव हुयो है, साच[2] बताओ मावडली ।।1073।

रतन बेटो बीदण थारी, कहतो दीम मावजडी ।
बार बरस सासर बैठी, पहला लावो बैनडली[3] ।।1074।

जामण जायी राधा लेवण, रुण-झुण जोडी गाडडली ।
रात दिना नै भूल्यो तेजल, पग्यो बनड गावडली ।।1075।

घरा आगणै घोवड ऊभी, मावड मूड हासडली ।
भाई तणा बैन घर आयी, गाव घरा म हरखडली ।।1076।

बिन सुणना तेजोजी टुरग्या, काठी कमिया घोडडली ।
गैलै[4] बीचा आग लागगी, तेजल देखो आखडली ।।1077।

बळतो[5] बासग नाग देखियो, झट पट खींचो पूछडली ।
काळो[6] मूडै दिख बोलतो, जुलम कियो थू घरतडली ।।1078।

बिना नागण रै जिणो दोरो, नी आवेली नींदडली ।
डसणो म्हारो धरम करम है, सुणले तेजल बातडली ।।1079।

सासरिय सू पूठो[7] आनो, एक सू थारी बाचडली ।
चाद सूरज री सोगन खाय, तेजल टुरग्यो गावडली ।।1080।

भोडल बागा जासो लोनो, वठपा ठडी छावडली ।
सास पडघा पनघट पर पूछ, रतनो जो री झूपडली ।।1081।

---

1. ताना 2 सच-सच 3 भाभी ने कहा बारह वर्षों स बहिन ससुराल में बटो है पहले उसको लाओ फिर स्त्री को लेने जाना 4 रास्ता 5 जलता हुआ 6 काला साप 7 वापस

सासरै मैं पूग तेजोजी, बैठ्या ऊपर जाजमडी।
साळो जी र साथै बठ्या, हस-हस करता बातडली ।1082।

सासूजी रै मन नी भाई, तेजल आणो गावडली।
नाक चढाया क्रिसै धूमती, तीखी करती बातडली ।1083।

रतन दूजी वहवड दीसे, भोडल नी है मावडली।
थाळ माय नै बाकळ पुरस्या, तेजल खीची हाथडली ।1084।

हीरा गूजरी हाथ जोड्या, कहती दीस बातडली।
रोता-रोता मूंडै बोली, मीणा टोरी गावडली ।1085।

मीणा रै माझी नै मारया रूस री फाटी आखडली।
हाथ जोडता मीणा ऊभ्या, माग धुनियौ गावडली ।1086।

हीरा मन नी बाता भाई, ऊभी देव सानडनी।
तेजोजी काणधा न लावण हाथा थामी बीजडली ।1087।

काणधो कैरडा लाय तेजल, सूपं हीरा हाथडली।
ठौड ठौड पर घाव दिस है लथ पथ खूना चामडली ।1088।

बाबी बासग नाग पूगसा, तेजल मूड बोलडली[1]।
कोल करोडा पूरा करसा, घरमा रहसी सातडली ।1089।

वासग नाग डस तजाजी, मूडा खोल्या जीभडली।
घर घर थारी पूजा होसी, नाग राज कह बातडली ।1090।

सरगा जाता भगवन कह्या, सुण नाईका बातडली।
मा-बाप न पगा लागणी, फेरी ठावर हाथडली ।1091।

तेजोजी भगता नै दग्या, धरम करम री सीखडली।
घर घर मैं तेजोजी गाय, खेत बोवता गावडली ।1092।

---

1 तेजोजी की मृत्यु के समय उन्होंने साप को दिये वचन के अनुसार उस की बाबी क पास ले चलने को कहा। साप को डसने हेतु अपनी जीभ निकाल कर दी क्योंकि शुद्ध स्थान पर डस सक क्योंकि सारा शरीर घावा से भरा था।

जाम्भोजी*

स्मसान सेवी डरतौ सुणलै, जाम्भोजी री बातडली ।
बाळक मूड ग्यान सुणया सू, ऊभो जोडै हाथडली ।1093।

जम्भोजी बकरया नै कहवै, पाणी पीवौ नाडडली ।
बकरा सगळा बैठ्या दीसै, दूदै देखी आखडली ।1094।

मेडतिय री राज मागतौ, दूदै जोडी हाथडली ।
लक्डी री तलवार देवता, भगवन सूपी जीतडली ।1095।

काळ पड्या सू मरै मानखौ, भगवन राख लाजडली ।
घरा गाव मै हुग्ग्ल दिख है, चरलै डागर घासडली ।1096।

हासिम-कासिम कद पड्या है, सता सुणली बातडली ।
बादस्या नै भेज्यौ सदेसौ, चेला आग्या गावडली ।1097।

रूख खेजडी हिवडै बसियौ, माया कटिया धाकडली ।
जोधाणै री राजा हारयौ, नाम गाव है खेजडली ।1098।

पीपासर म जलम लेवता, भगवन कहवै बातडली ।
रूख जिनावर धरम बचाणौ, दी बिसनोई सीखडली ।1099।

धरम-करम री नीव राखदी, गाव मुकामा धरतडली ।
घार तपस्या रग दिखावै, घर घर पूगी बातडली ।1101।

खुरासान अर लका पूग कर, हवन करै है धावडली ।
सम्भरायल जाम्भोजी बैठ्या, भजन करै दिन रातडली ।1102।

---

*बचपन मे जामोजी बहुत कम बोलते एव भोजन करते थे । स्मशान सेवी तान्त्रिक को इलाज के लिए बुलाया गया । उसने मां बाप को कहा यह सिद्ध पुरुष है । अत इन्हें अधिक न छेडे ।

जसनाथजी

बबलू गाव कतरियासर है, सिद्धा घरमा घरतडली ।
रामू सारण सोख सुणै है, घरम छतीसा आकडली ।।102।

नारेल सूप लूणकरणजो घडसो खोटो रोकडली ।
हर-हर खोटा कहता दीस, भगवन बठ्या टीवडली[1] ।।103।

रोजी पूग्यौ सतो बुलावण, चूडी खेडा गावडली ।
कतरियासर भगवन न दीस, रोजी फाटी आखडली ।।104।

देवपाल जसनाथ जगावै, मत्र पढ है धाकडली ।
भगवन प्रकट होता दीसै, सती कर है वातडली ।।105।

दो समाध्या खोदण खातिर, भगवन दीनी सीखडली ।
सगळा नै वा काम सूपिया, बठ्या ऊपर घरतडली ।।106।

पाच महत अर मूल गूरुजी, बठ ऊपर जाजमडी ।
अगनि जागरण होतौ दीस, भजना गूज गीतडली ।।107।

चोथौ पद थ गावौ भाई, काना सुणल बातडली ।
जय हो जय हो करता नाच, खीरा उछळ टागडली ।।108।

मूड म खीरा न लेव, होट बळै नी जीभडली ।
खीरा ठडा होता दीसै, रस री देख आखडली ।।109।

भेळा खीरा की नी वाल, खिडिया वाळ चामडली ।
आस पासै चुगता चुगता फेंक, पूठा आगडली ।।110।

---

1 बीकानेर के राजकुमार लूणकरण ने नारियल एव घडसी ने आधे खोटे और आधे खरे सिक्के भेंट किय । उसी समय कह दिया हर हर आध खोटे आध खरे *जसनाथजी की आशिष से खोटे होते हुए भी लूणकरणजी को बीकानेर का राज्य मिला ।*

जैन

आदिनाथ रा भगत दिखै है, जैन धरम री वातडली ।
मूण्डै आगै पाटी बाधै, होट दिखै नी दातडली ।1111।

भरी जवानी साधू बणजा, मोह करै नी मावडली ।
पूठा मुड घर गाव न देखै, करै तपस्या धाकडली ।1112।

गावा बीचा साधू दीसै, भगता मूडै हासडली ।
भगवन म्हारै घरा पधारो, जोडया ऊभा हाथडली ।1113।

धोळा धख गाभा नै पहरै, चमक मूडो धाकडली ।
जिणरै घर पर किरपा होजा, वाछा खिलजा साथडली ।1114।

पगा उभाणा दिखै जावता, पूगै दूजो गावडली ।
जीव बचावण खातिर माई, भूल्या पीडा काटडली ।1115।

सूरज रहता जीमण जीमै, धरम करम री वातडली ।
छाण छाण कर पाणी पीवै, जीमै रूखी रोटडली ।1116।

जीव जिनावर धक्को न देवै, मरै न कीडी रेतडली[1] ।
अहिंसा रो ओ रूप साथिडा दिख न दूजी धरतडली ।1117।

भगवन हेलो होतो सुणलै, करै सथारो[2] डोकरडो ।
सरग माय न जाय बिराजै, बात बसी है जीवडली ।1118।

जैन धरम रा साधू जिसडा, विरला दिखसी धरतडली ।
आती जाती सासा बीचा[3], देख भगवन आखटनी ।1119।

---

1 छोटे से छोटे जीव को भी बचाकर चलते है। 2 मृत्यु पर न गाते है और न पीटते है। 3 श्वास प्रेक्षा ध्यान के माध्यम से धीरे धीरे अभ्यास करते हुए भगवान के दर्शन करते है।

मीरा*

कुडकी गावा जलमी मीरा, मेडतिय री धरतडली।
प्रेम-गोपिका आय विराजी मरूधरा री टीबडली ।।।20।

ऊच टील गाय आयजा, दूधा चालै धारडलो।
चारभुजा री मूरत निकळी, खोदया धरती माटडली ।।।21।

विसरौ प्यालो मीरा पी'गी, हस-हस करती वातडली।
भगवन री किरपा र ताणा, साप वण है हारडली ।।।22।

मीरा बाई भजन गावती, टुरगी धारा धरतडली।
मेडतिय म आय विराजी, छोट सासरौ सायडली ।।

हाथ तदूरो दिल वाजती, मूड मधरी गीतडली।
भजन वाणी सू गाव गूज्या, हरख छायग्या टीवडली

जण मेडतो मीरा छाड, दिस उदासी गावड
मिनख लुगाई टावर टाळी, आसू चाल धार

पुसकर वीचा टुरी सायणी, सावरिय री गा
ठौड ठौड पर भगत खडया है, फूल विछाया डा

च्यार-पण्डत अरदास कर है, जाडया दोनू
मीरा बाई घरा पधारो, नी तो लेस्या

सावरिय रै आग रावै, मत छाडो ये
तेज चादणी जोरा चमक्यो, सरगा

* प्रेम गोपिका के पति न रासलीला मे
ने आत्महत्या करली। श्री कृष्ण ने आगी
मैं तरे हृदय म निवास करूगा। मीरा
अत म श्री कृष्ण म लीन हा जाती है।

करणी माता

हिंगलाज मा रौ मिंदर दीसै, दूर दिसावर धरतडली ।
मुसलिम भाई कहता दीमै, हज नानी री बातडली ।।1129।

आवड माता आय बिराज्या, थळी देस री टेकडली ।
तेमड टीलै बसी भवानी, धरमा राखी नींवडली ।।1130।

करणी बिन किरणा नो निसरै, देस जागळू धरसडली ।
बिन माताजी राज रहवै न, बीक जाणी बातडली ।।1131।

जोगमाय री रूप देख कर, तुरका धूजी टागडली ।
सेखौ भाटी पूगळ लाई बेटी ब्यावा रातडली[1] ।।1132।

जसाणै री राव जैतसी, ऊभौ जोर बाटडली ।
अदीठ आछा होती दीसै, करणी फेरया हाथडली ।।1133।

लडणो भिडणो छोडो रावळ, हेत बसावो हीवडली ।
जैसाण बीकाणै नाकड, रेखा खीची मावडली ।।1134।

बेटौ डूब्यौ बीच तलावा, कोलायत री झीलडली
करणी माता हेलो देता, लाखण खोली आंखडली ।।1135।

काळू सूजो डाबू मारया, लाई मा घर गायडली ।
दसरथ भगता हुई थरपना, देसनोक री धरतडली ।।1136।

गगासिंध जी जुद्ध मैदाना, ध्याव मावड जीवडली ।
करणी माता दरसन देता, लेली हाथा जीतडली ।।1137।

---

1 पूगल की रानी ने करणी मा से अपने पति को सिंध के नवाब की जेल से छुडाने की प्रार्थना की। मा के कहने से वह अपनी पुत्री की शादी बीकोजी से करती है। मां भाटी को स्वतंत्र करा कर कन्यादान हेतु पूगल लाती है इस तरह राठोड और भाटियों में सबध स्थापित होते हैं।

मीरां*

कुडकी गावा जलमी मीरा, मेडतियै री धरतडली।
प्रेम गोपिका आय विराजी मरुधरा री टीवडली ।।120।

ऊच टील गाय आयजा, दूधा चालै धारडली।
चारभुजा री मूरत निकळी, खोदया धरती माटडली ।।121।

विसरो प्यालो मीरा पी'गी, हस-हस करती बातडली।
भगवन री किरपा र ताणा, साप वण है हारडली ।।122।

मीरा बाई भजन गावती, टुरगी घोरा धरतडली।
मेडतियै मै आय विराजी, छोड सासरो साथडली ।।123।

हाथ तदूरो दिखै बाजती, मूड मधरी गीतडली।
भजन वाणी सू गाव गूज्या, हरख छायग्या टीवडली ।।124।

जण मेडतो मीरा छोड, दिख उदासी गावडली।
मिनख लुगाई टावर टाळी, आसू चाल धारडली ।।125।

पुसकर बीचा टुरी साथणी, सावरिय री गावडली।
ठौड-ठौड पर भगत खडया है, फूल बिछाया डाडडली ।।126।

च्यार पण्डत अरदास कर है, जाडया दोनू हाथडली।
मीरा बाई घरा पधारो नी तो लेस्या मौतडली ।।127।

सावरिय रै आग रावै, मत छोडो थे हाथडली।
तेज चादणो जोरा चमक्यो, सरगा पूगी साथडली ।।128।

---

* प्रेम गोपिका के पति ने रासलीला मे जाने से मना करने पर गोपिका ने आत्महत्या करली। श्री कृष्ण ने आशीर्वाद दिया कि अगले जन्म मे मैं तेरे हृदय म निवास करूगा। मीरा बाई वही प्रेम गोपिका है। जो अत म श्री कृष्ण म लीन हो जाती है।

करणी माता

हिंगलाज मा री मिंदर दीसै, दूर दिसावर घरतडली ।
मुसलिम भाई कहता दीसै, हज नानी री बातडली ।।129।

आवड माता आय विराज्या, थळी देस री टेकडली ।
तेमड टीलै बसी भवानी, धरमा राखी नीवडली ।।130।

करणी बिन किरणा नी निसरै, देस जागळू धरतडली ।
बिन माताजी राज रहवै न, वीक जाणी बातडली ।।131।

जोगमाय री रूप देख कर, तुरका धूजी टागडली ।
सेखो भाटी पूगळ लाई जैटो ल्यावा रातडली[1] ।।132।

जसाणै री राव जैतसी, ऊभो जोवै बाटडली ।
अदीठ आछी होती दीस, करणी फेरया हाथडली ।।133।

लडणी भिडणी छोडी रावळ, हेत बसावो हीवडली ।
जसाणै थीकण काकट, रेखा खीची मावडली ।।134।

नेटो डूब्यो बीच तलावा, कोलायत री झीलडली
करणी माता हलो देता, लाखण खोली आखडली ।।135।

काळू सूजो डाबू मारया, लाई मा घर गावडली ।
दसरथ भगता हुई थरपना, देसनोक री धरतडली ।।136।

गगासिंघ जी जुद्ध मदाना, ध्यावै मावड जीवडली ।
करणी माता दरसन देता, लेली हाया जीतडली ।।137।

---

1 पूगल की रानी ने करणी मा से अपने पति को सिंध के नवाब की जेल से छुडाने की प्रार्थना की। मा के कहने से वह अपनी पुत्री की शादी बीकोजी से करती है। मां भाटी को स्वतंत्र करा कर बन्धान हेतु पूगल लाती है इस तरह राठौड और भाटियों में सम्बन्ध स्थापित होते हैं।

रहणो-सहणो

सोनै जिसडा धोरा चमकै, मखमल जन्नी रेतडली ।
बुढा वडरा रळ-मिळ बठै, भली विचार बातडली ।1138।

भाई चारो बस्यो मना मैं, थळी देस री धरतडली ।
अेक दुजै रै दु ख दरदा मैं, भाज आधी रातडली ।1139।

घर-घर दीसै हेत मोकळो, हिळ मिळ रहवै सायडली ।
जात-पात न भूली बिसरी, बठी गाव गीतडली ।1140।

गावा रीता घणी सातरी, चाल अेकल डोरडली ।
घरा गाव नै बाध्या चालै, हस हस करता बातडली ।1141।

आब हवा रै लणा दिखे है, गवरु ऊभी टीबडली ।
बाजरिय रा सोगर जीमै, चूरचा घोव साकरडली ।1142।

खाणो पीणो रहणो सहणो, अेकल सुघल बोलडली ।
काका बाबा कहता दीस, घर-घर टावर टिगरडली ।1143।

बडै-वडेरा मान घणो है निजरा नीचो आखडली ।
मूण्डै बोलै पगा लागणो, गाव धरा री रीतडली ।1144।

साफ-सुथरी धोळी ऊजळी, दूधा न्हायी रेतडली ।
पीळो लहरो ओढया ऊभी, धोरलिया री टीबडली ।1145।

तीजतिवारा मेळा ठेळा, राग रग अर गीतडली ।
धोरलिया रो जीव जीवसी, हरस कोड गावडली ।1146।

दिन उग्या सू कर कामन, नी थाक है गोरडली ।
हसतो मूडो चम चम चमक घरा घरा मैं सायडली ।1147।

जण वायरो[1] मधरो चाल, गैळ छायजा आखडली ।
जिवड म ठडकडी पावै, सूत्यो लेव नीदडली ।।1128।

छोटै-वड री काण[2] राखी, सुणल टावर बातडली ।
घरा घरा म सीखा देवै, दादो दादी मावडली ।।1149।

कढी खीच री जीमण जीम, घीव सबडकै हाथडली ।
पाणी पीया कर खखारा, हाथ फेरतो मूछडली ।।1150।

मोठ आगळिया दिया फिरोळा, बाजर चुगनै रावडली[3] ।
खद वद खद वद सिज खोचडो, तातो उछळै छाटडली[4] ।।1151।

भाभरकै[5] उठ आटो पीस, घर-घर गावा गोरडली ।
घटी घमडका देती फीर, भरती दीसै बाटडली ।।1152।

पोढो ढाळधा दही विलोवै, ऊधी करिया गोडटली ।
ऊधो सूधो फिर झरणो, चूटो उतरै धाकडली ।।1153।

बीज मतीरा छडती दीसै, मूसळ लीया भावजडी ।
गाभ दूधो छाण कामणी, चूल राधै खीरडली ।।1154।

वडा-वडेरा वैठ्या दीसै, मूण्डो ढाकै बीदणली ।
हाथ पगरखी थाम्या चालै, होळ-होळ वहुवडली ।।1155।

कुम्या लीया साग वणाव, चूल बैठी सायडली ।
घीया रै छमकार भूज, कुडछो लीया गोरडली ।।1156।

रातडली मै वैठ्या छोरया, मधरी गावै गीतडली ।
कावी भावज आन मिल्या सू, गीत सुणीज धाकडली ।।1157।

कुचमादी टाबरिया दीस्या, घुडक्या देव मावडली ।
सळिया सिचला टावर वठ, रडकै कोनी आपडली ।।1158।

---

1 हवा का झोंका 2 इज्जत 3 रावडो–बजरा म बहुत छोटा सफेद परपर 4 अनाज म इतनी ताकत होता था कि दूर तक गम छींटे उछलत थे 5 बड़ा मुहूर्त ।

साथीडा रै साथ जाव, न्हावण धोवण नाडडली ।
गठा मारया पाणी उछळै, कूद झाल्या नाकडली ।1159।

चम-चम करता मूडा चमकै, राती दीसै चामडली ।
दूध धीव री नदिया बहव, बैठया सबड रावडली ।1160।

झूपडली जतना सू बणगी, लेसो देवै गोरडली ।
धोळो रातो पोतो मारया, चमक-दमक भीतडली ।1161।

मरणै परण ऊक चूक मैं, पच बठजा जाजमडी ।
पचा बीचा पड्यो फेसलो, ऊभो जोडै हाथडली ।1162।

पच फेसली साचो निक्ळ, स्स र मूडै हासडली ।
दूधो पाणी न्यारो-न्यारो, गावा वात्या धाकडली ।1163।

टाबरिया री टाळ्या दीसै, हाका हाकी टीबडली ।
फाटया कुडता पगा उभाणा, रमता दीस गावडली ।1164।

गाव ठाकरा री ठकराई वठ ऊपर जाजमडी ।
छोटा माटा मान देवता, ऊभा जोडै हाथडली ।1165।

राजा राणी वाता चाल, धूणी माथ गावडली ।
सगळा बैठ्या द हूकारा मधरी लाग रातडली ।1166।

आठू पोर लूट लावडा, करै हथाया चौथडली ।
अेक-दुजै री मूण्डो देख्या, भटक समझै वातडली ।1167।

अेंडी वेंडी आबी-सावी, हुवै हथाया धाकडली ।
वेरी-गरी नथ्यू सैरो, करतो दीस बातडली ।1168।

होक्ो पीता बीच हथाया, दिखै फोरतो हाथडली ।
ब्याव सगाई औसर मौसर, वात्या चाल चौथडली ।1169।

विन हथाया जीव नी लागै, मिनख लूगाया गावडली ।
चौथडली पर वात करया सू, पच जाव है रोटडली ।1170।

अमल ऊगता उपज हथाया, बठ्या दीसै चौथडली ।
ऊच नीच नै भूल्यो विसरयौ, जी री करलै बातडली ।।1171।

लकड्या भारो माथ धरियो, पगा बाधली बूहिडली[1] ।
तप तावडो लूवा चाल, भाज्यो[2] आवै गावडली ।।1172।

खीप जटडी[3] हाथ ढेरियो, वटतो दीसै जेवडली[4] ।
पालो नीरो लावण सारू, वणतो दीसै छाटडली[5] ।।1173।

घरा घरा स ऊन लेवती, चरखो कातै डोकडली ।
भरी दुफारी पूणी लीया, वेजो वणदै गोरडली ।।1174।

लकड्या भारो दिखै बाधतो, लिया खीप रो जेवडलो ।
लादो लीया फिरै सहर म, मो'रो खीच्या साडडनी ।।1175।

तूवा नीजा साथ बाजरी, आटो पीस भावजडी ।
हाथ थपला देती सेक, जाडी-जाडी रोटडली ।।1176।

लकडी छाणो धुमता दीसै, वळती दीसै थेपडली ।
फूक भूगळी जोरा मार, जगती दीस आगडली ।।1177।

बुना-चटेरा धाव मारिया, सोपो पडजा गावडली ।
मिनख लुगाई डरता भाज, वडता दीसै झूपडली ।।1178।

घर लाग्या वैरिया भाई, इण मू पहन नाटडली ।
गाथ घरा मै साग बणाव, जीम बैठ्या रोटडली ।।1179।

पाचा थर अटावण दूध, लूण घाळदयो हाडडली ।
साटी-सारी वणियो अचार, जीम घर मे गोरडली ।।1180।

ठोड-ठोड पर पोता दीस, होवै थोडो चोलमडो ।
गोट धुर रा उठता दीस, घर-घर गावा झूपडली ।।1181।

---

1 बूई 2 दौडता हुआ 3 बकरा व ऊंट के बाल 4 रस्सा 5 बकरो के बालों से बना हुआ एक प्रकार का बडा पना ।

जद टावरिया भूखा दीस, जामण[1] लेव गोदडली।
बुरगाटो ओढणिय मारया, हाचल[2] देवे मावडली।।1182।

घाघरिय रा बोछा मारया, मरी इढूणी लूगडली[3]।
माथ ऊपर धरयो खारियो, छाणा चुगले डोकरडी।।1183।

ईस तिडकगी मूज टूटगी, तागा होगी दावणली[4]।
माचा भोळा हुया पडया है, घर घर दीसै गावडली।।1184।

आटा बाटा मैल जमी है, मैसा पडगो जूवडली।
कोलायत री मेट[5] लेवती, मायो धोवै गोरडली।।1185।

दोईतो नानाणै आयो, वठ नानी गोदडली।
रातो मातो[6] हातो दीम, जीम्या घीव साकरल्ली।।1186।

मीटीय री बात बट्वती, नानी बठी माचडली।
टायर सुणता सुणता मोज्या, मोठी लेता नीदडली।।1187।

सी कोट्टू सू सहर बसै है, गिगना छाया बादळडी।
घडी घडी म किला वणावै, मिटजा चाल्या पूनडली।।1188।

खवासजी केसा नै काट बठया छीया खेजडली।
माथै बीचा सडक वणावै, लावी राखै चोटडली[7]।।1189।

राखी रै तिंवारा माथ, हरख छायजा गावडली।
भाई हाथा राखी बाध हसती हसती बनडली।।1190।

रुख राइडो ऊभो दीसै, सोनल फूला पाखडली।
आता जाता रुम देख है, ठडी करता आखडली।।1191।

तिला मायसू तेल निकाळै, तेलण बेचै हाटडली।
गाव घरा मै घाणी चालै, खळ खावै है भसडली।।1192।

---

1 मा 2 स्तन 3 ओढणी 4 दावण 5 मुलतानी माटी 6 मोटा ताजा 7 नाई बाल काटने पश्चात सिर के बीचो बीच उस्तरे स सडकनुमा स्थान बना देता है तथा लबी चोटी रखता है।

वावळिया सू गूद निकळै, करलै भेळी हाडडली ।
कुमट गूद है रस सू मूगो, विकै फळादी गावडली ।।193।

आक वडा र बीचा जलम्यो, वेटो बेगम टीवडली ।
अक्वर मूण्डै नाम निसरियो, धोरा गूजो धरतडली ।।194।

जालाणो जाळा सू भरियो, पग-पग दीस छावडली ।
आता जाता नीचे बैठे, ठडी लेव पूनडली ।।195।

हरी भरी जाळा र माथै, पीलू दीस धावडली ।
वुढा वडेरा टाबर टोळी, तोडै भरलै जेजडली ।।196।

पाका पील पडया डागळै, सूक्या वणजा कोकडली ।
भूखा धाया सगळा चूस, जालाण री धरतडली ।।197।

गूदया माथ घणा गूदिया, खाया चिप-चिप दातडली ।
ऊवळी म दीस चूटतो, चूल सेवँ सायडली ।।198।

तिलवाडै मै मेळा लागै, मासर दीस धावडली ।
मल्लीनाथ जी देता दोम, मोठो पाणी नाडडली[3] ।।199।

गगनहर धोरा म वहवै, मिटती दीसै टीवडली ।
मरुधरा लहरावै खेती, गगानगर री धरतडली ।।200।

आधी राता घर मू चाल्यो, जाव दूजी गावडली ।
चोर चकरा वचै भाईडो, कमर बाधिया रोकडली ।।1201।

जागळ देस जगळ मैं वसियो, दूर दर है गावडली ।
ऊचा धोरा दिख लाधता, चढिया ऊपर साढडली ।।1202।

कैर आकडा झाडया सूकी झपटा लाग्या लूवटली ।
लूख भरोडी डाळ्या हान, हरी भरी है खेजडली ।।1203।

---

1 सिंघ मे लोग कहते हैं कि अकबर बादशाह का नाम आक और वड के बीच मे जन्म लेने के कारण रखा गया था। 2 कोकडी-पालुआ को सुखा कर जालोर के लोक काकडी बनाकर दूर दिसावर तक साथ रख कर चूसते हैं। 3 मेले के समय थोडी गहराई पर ही मीठा पानी निकल आता है। मेले पश्चात् इसी स्थान से खारा पानी निकलता है।

घाटी मारघा गवरू दीसै, ढकिया गमछै नाकडली ।
ऊटा चढिया धाडा मार, लूट सोनो चादडली ।।204।

धरम निभाता दूर धाडवी, देवी ध्यावै जोवडली ।
हाथ जोडता मायो टेक, सुगन देखल आरतडली ।।205।

लूठा न थे दिस लूटता, ऊभा भरलै जेवडली ।
निरबलिया नै दिस बाटता, मूठघा भर-भर राखडली ।।206।

ऊटा चढिया दौडा दौड, सरपट भाज टोडडली ।
अेडी मारघा रुस सू आगै, पगा पागड जीतडली । 1207।

दूर गाव सदेसो देवण, पलाण कसियौ साढटली ।
ऊटै चढियौ द फटकारी, पूगै राता रातडली ।।208।

साथळ थापी दता ऊभो, बोछा मारघा धोतडली ।
मछया बुविया सामै दीस, मालो ऊच्या हाथउली ।।209।

अेटो करार दिस न दिखसी, जिसडी धोरा धरतडली ।
ऊटै नै ईडर सू ऊच, फार मूण्डी हाथडली[1] ।।210।

ढोल सू जद ब्याव रचाव भरखै परम मरवणली ।
सूर वत बिना मरणो चोखो, किणी चाटलै गारडली ।।211।

गाळ भूपडा हिल न हिलसी, जोरा चाल्या आधडली ।
बगला माथा पून निकळजा, झूपो ऊभो टीबडली 1212।

सिखरा सूरज तप तावडो, पीपळ गहरी छावडली ।
दोफारा मै बैठघा दीस, चिडी गुरसली कागलडी ।।213।

रेतडली मै जलम्या भाई, भरसी बीचा रेतडली ।
विना रेत र दिख भटकती, जीव आतमा धरतडली ।।214।

---

1 पुराने जमाने के लोगों म इतनी ताकत था कि ऊट को नीचे से हथेली पर उठाकर उसका मुह दूसरी तरफ फर देते थे 2 झूपडा—मरु प्रदेश म गोल झूपड अधिक तथा झूपडो की सख्या कम होती है क्योकि अधिक आधिया चलने से झूपडिया उडने का खतरा रहता है तथा झूपड आस पास से हवा निकल जाने स सुरक्षित रहवै ह।

उमस गाव में जद छा जाव, हिलै डूलै नी पानडली ।
माचो लीया दिख ढाळतो, खेजडलै री छावडली ॥1215॥

धारा धरती जायो जलम्यो, कोछा मारया धोतडली ।
चौसगी न लिया हाथ म, काम करै है धाकडली ॥1216॥

आकटल रा घुनिया उडता, दिखै गगम में धाकडली ।
घोळा घख है फूला हळका, तिरता दीसै पूनटली ॥1217॥

मूटो नाक सिरख सू ढकियो, सरडक लेवै नीदडली ।
खरराटा नाका सू चाल, ऊनी होजा गूदडली ॥1218॥

ठट पडया सू खिल जवानी, घर घर गजरू गावटली ।
खाणो पीणो अग-चग लागै, चिकणो चिलकै चामडली ॥1219॥

ताव-तप जणै चढयो दिखै है, टूणो करदै मावडली ।
माथै ऊपर मिरच उवार, घरै कुण्डाळ रोटटली ॥1220॥

मसाण जगाव है जनीजो, मतर पढता ल्हासडली ।
वसीकरण सुरमै रै खातर, वठया आधी रातडली[1] ॥1221॥

भूत भूतिया बावळ मागै, सूपो म्हारै हाथडली ।
नी सूप्या सू थान खास्या, सुणो जतीजी वातडली ॥1222॥

आप आप न बावळ साभो, देती दीसै हाथडली ।
मतर छोडो काजळ पाडो, भूत दिखावै खेडडली ॥1223॥

जणै भूतणी वडै सोखता, सूकै काया चामडली ।
सोच फिक्र[2] मैं घुळतो-घुळतो, आखिर लेय मौतडली ॥1224॥

जण भूतणी वडै पोखता, मूण्डै दीसै हासडली ।
दूध घीव री नदिया वहव, रिपिया दीस जेवडली ॥1225॥

1, ऐसी मान्यता थी कि वशीकरण सुरमे के बलबुते पर किसी स्त्री पुरुष को वश म किया जाता था इसे आधी रात के समय श्मशानों म प्राप्त किया जाता था। 2 चिन्ता

ओसर मोसर करता-करता, घर री विकजा लोटडलो ।
खेत डागरा बां'रो लै जा, घर में सालो पोटडलो ।।1226।

मोया वीचा हुव लडाया, भूल गावा रीतडलो ।
होडा-होडी चढ कचेटया, सालो करल जेवडलो ।।1227।

न्यातड वीचा नाक रागबा, खरच सगळो पूजडलो ।
मूल ब्याज नै देता देता, घर रहव नो टापडलो ।।1228।

ऊधा-ऊधा काम कर है, भूण्डो घाल रीतडलो ।
अेक दुज री देखा-देखो, करतो दीस साथडलो ।।1229।

तू-तू म म होता होता, हाथा लेल डागडलो ।
अेक दुज री माथा फोड, सूना चाल घारडलो ।।1230।

भाईडा म हुया लडाई, घर-घर खिचजा भीतडलो ।
मरण परण अेव आगणे, भूल बिसरै वातडलो[1] ।।1231।

वेंदा पोथ्या लिखी पडी है, मरूदस री गाथडली[2] ।
फाळीबगा ल्यादघा मिलिया, गणा गाभा ठीवडलो ।।1232।

मावट भासा अग जग है, रसी बसी है रेतडली ।
बोली म्हान घणो सुहान, मीठो लाग वातडली ।।1233।

नैणसी इतिहास लिख्या है पढ मानखो धाकडलो ।
जूनो[3] पोथी कहती दीसै, वाता मरुधर धरतडलो ।।1234।

अबुल फजल अर फैजी भाई, खाण्डी थाम्यो हाथडलो ।
कलम लिया इतिहास लिख है, वठया खम रातडलो ।।1235।

पीथळ पाती पढी साथिड, राण तणगी मूछडली ।
विन भाया र वद न रहतो, आण वाण रा बातडलो ।।1236।

---

1 गाव के लोक लडाई होने पर एक दूसरे से नहीं बोलते थे परन्तु शादी तथा मरणे के अवसर पर पुन एक साथ हो जाते थे । 2 गाथा
3 पुरानो

सुखा भरोड़ी

रात सुहाणी तारा चिलक, इमरत न्हाखै चानणली ।
धोरलिया र माथ गूंजे, मधरी मधरी वासडली ।1237।

धोरा धरती साफ सूथरी, कीच दिखै नी आखडली ।
ओबर गोबर रस की सूक्यो, सूको दीसै बासळडी ।1238।

तावन्यि म माछर मरजा, माखी मरजा लूवटली ।
सोवण सस बजावण ढूकै, मीठी लेतो नीदडली ।1239।

चानणली राता मै रमल, गवरू ऊंची टीबडली ।
दैलो गिलो दीस सूकतो, गरम पसीनो खाखरली ।1240।

नू लपटा सू मिटै बिमारी, रोग दिखै नी गावडली ।
हसी खुसी न्यावरिया रमलै, घर-घर जामण गोदडली ।1241।

थोडा गाभा सुख सू रहल, टाबर डोकर गोरडली ।
धोरलिय र माथ सूत्यो, ठटी लेनै पूनडली । 1242।

रात पड्या सू ठडी होजा, बाळू धोरा धरतडली ।
माचा ढाळवा बठ्या दीसै, मधरी करता बातडली ।1243।

गूद गिरी रा लाडू बाध, सो मै जीम मेथडली ।
सासरिया नै तेल देवता, काम करै दिन रातडली ।1244।

इसो सुख तन मिलै न मिलसी, जिसडो धोरा धरतडली ।
तनडै-मनड रमै रामजी, सुख सू लेव नीदडली ।1245।

जेठ असाढा घोर माथै, सूत्यो ऊपर माचडलो ।
भाभरकै न ठमारो लाग्या, ओढ सायो धोतडली ।1246।

चढी खुमारी

मनवारा सू अमल ऊगजा किरची घरिया जीभडली ।
क'र मखारा हूक्कारा सू, धोरा घूज घरतडली ।1247।

होळी दियाळी ब्याव अेढ, प्याला भरद बोतलडी ।
देसी ठररो सगळा पीव, ठाक्र दारू दाखटली ।1248।

सगा परसगो भाई बन्धू जद मिळ बठै जाजमडी ।
दारू र मनवारा प्याला, पूग होटा जीभडली ।1249।

जण डुमण्या मधगो गाव, दारू प्याला हायडली ।
होडा होडी गिपिया बरस, खाली होजा जेबडली ।1250।

भरी जवानी दारू पीव राता डोरा आखडली ।
मदमस्ती म दिख चालती, गबरू ऊचो टीबडली ।1251।

बब बोलता जुद्ध करवानै, हाथा थामै बोजटली ।
दारू पीता दूणी ताकत, दुसमो धूज टागडली ।1252।

मरछकियोडो दिख जुझारू, रण मदाना खेतडली ।
बयारू मेरा लडती लव्ती, लेल साथी जोतडली ।1253।

लाल कसूबी दारू दोस, गटक ऊभो बोतलडी ।
राता डोळा जगना दोस, पलका उठता आखडली ।1254।

भाई चारो दारू बीचा, बैठ्या दोसै झूपडली ।
अेर दुज सू मिल्या विना सू नी बीते है रातडली ।1255।

ब्याव तिवारा अमल गळ है, घर घर धोरा धरतडली ।
हथेळी मैं दोम लेवतो, सबड ऊभो गावडली ।1256।

रमतां

बूढा वडेरा टाबर टोळी, रमता दीसै टीवडलो ।
बिना रम्या सू जीणो दोरौ, ज्यू जीणो बिन रोटडलो ।।1257।

टाबरिया घरकुलिया रमत, गवरू कुसतो गावटलो ।
मोटयारा री रम्मत तास है बूढा चौपड जाजमटी ।।1258।

आधल घोट रम्मत मायनै, पाटी ऱाधै आखडलो ।
आधौ ऱणियौ चक्कर खाव, टटोळ पकडै हाथटलो । 1259।

मीया घोडी रम्मत टावरा, धरै हाथ झुक भीतडलो ।
घाडी बणणो पटसी भाई, जमी लागिया टागडलो ।।1260।

ठिया दडी री रम्मत मायनै, दूम्या राती डागटलो ।
आमी सामी दडी फक्ता, पडता ऱोचै हाथडलो ।।1261।।

सात ठीकरया बीच कुण्डाळ, चिणदी ऊचो टेकडलो ।
दडी मारिया खिडै ठीकरया, चिणतो लेलै जीतडलो ।।1262।

सील सूक सू वाजी जीतै ऊभी सायी टीपडनी ।
जणै चूक मूडै सू होजा हब्बौ खावै हाथडलो ।।1263।

लग्गू टिग्गू भीड् वट जाव रमल नीचे खेजडलो ।
चोखडलो री रमता ऱीचा, ऊची राख टागडलो ।।1264।

लूणा घाटी रम्मत माय नै, न्यारू मेरा डाडडलो ।
इखरधा बिखरधा दिमै भाजता ऊचै घारै टीबडलो ।।1265।

गिल्ली डडा रमता दीसै, गावा टाबर टिगरडलो ।
ऊचै गिगना गिल्ली दिस है, पडतौ बोचै हायडलो ।।1266।

दवा-दारू

जिण तलवारा मोड काटिया, खून लागियो धारडली ।
आधो मायो दु खतो मिटजा, देख्या मूडो आखडली ।।1267।

पेट आफरो चढतो दीस, सिणियो सोध गोरडली ।
सिणिय जडनै मूड चाब्या, वाय सुर है धाकडली । 1268।

टाबरिया न टटया लाग्या उक्ळ हाडी रेतडली ।
नितरयो ठडो पाणी लीनो, वठी पावै मावडली ।।1269।

जणै ताव तप दारा चढजा, गाभा दपटै दादडली ।
हिरण मुताळी देता देता, टाबर मूड हासडली ।।1270।

चिडी खेतियो घास मोकळो, द ऊनाळी सायडली ।
म्यादी ताव गिरै उतरतो, हसती दीसै बटडली ।।1271।

ओ री माता जणै धमक्जा, धासो देव मावडली ।
ममोलिया री दिया उकाळी रमल टाबर टिगरडली ।।1272।

रातींदो आस्या पर फिरजा, हाथ दिख नी भीतडली ।
गवार पत्ता घीव म जीम्या, देखै भाळै आखडली ।।1273।

जद भाईडी ठयारी खाव, धास आखी रातडली ।
हळदी गाठियो पुळपुळ पावया, किरचो चूसै जीभडली ।।1274।

राईड रो लक्डी लोनो, बूर जगाव आगडली ।
जणै खाजही अवखी चाल, तेल निकाळ डोकरडी ।।1275।

जेठ असाढा हुव अळाया, मा'रा माथ बैंटडली ।
मुलतानी माटी न मसळै, निया हाथ मै मावडली ।।1276।

गवर*

सिव पारवती दोनू ऊभा, गवरल ईसर गावडली ।
घर घर पूजा पाठ हुवै है, करै उजाणो बहुवडली ।।1277।

घरा घरा सू छोरया आई, ऊम्या दीसै टीवडली ।
होळी पेरया रळ मिळ वठ, मधरी गाती गीतडली ।।1178।

वीकाणै रै ढढा चौक मै, टावर साथै गोरडली ।
हीरा मोती अग अग चमकै, गणो पहरयो घावडलो ।।1279।

सरवर कूवा पाणी पीवण, जाय गवरजा घाटडली ।
पहरी ओढी गवरल ऊभी, दिखै जुवारा हाथडली ।।1280।

सोळ दिन री गोरी पूजा, ईसर आया साथडली ।
गीत गावती टुरी लुगाया, विदा करणन गोरडली ।।1281।

सिणली रै तळाव गिन्दोली, पाळा ऊभी साथडली ।
भेळी होया दिख तिजणिया, साथै राखै वैनडली ।।1282।

घुडलखा जी वार चढ्या है, लाज बचावण रहवडली ।
सामी छाती तीर खावतो, आखिर लीनी मौतडली ।।1283।

घुडलै वीर ज्यान देईदी खातिर घर री वीदणली ।
वचन देवती दिख तिजणिया थारी गास्या गीतडली ।।1284।

गळी-गळी मै छोरचा घूम, घुडलो याम्या हाथडली ।
तेल वळ घी घाल सवागण, घर घर गावै गीतडली ।।1285।

* सेठ गुलाबचन्द अभिनदन ग्रथ लेखक चम्पालाळ एव जोधपुर दुग मे पुस्तक प्रकाशन म बात जगमाल जिन्नोली लायी त स उद्धत ।

जोगी

देवनाथ जोधाण आया, पकडी काळी सापणली ।
समसाणा री राज देवता, राजा राखी बातडली ।।1286।

कनफटियौ जोगी घर आयौ, देतौ फेरी गावडली ।
बैठ राजा बठ परजा, धमचक चालै धाकडली ।।1287।

ओघड जोगी दिप गाव म, हिंगळा चेला मावडली ।
कान फाडणी बद कियो है जटा दिप नी चोटडली ।।1288।

जण अघोरी जोगी आव, डर मानखौ गावडली ।
समसाणा सू आयौ जोगी, सीध्या राप छायडली ।1289।

रावळ जोगी भगवा गाभा रार्ख झण्डो झोळक्डी ।
घरा घरा सू भिक्छा माग, सीगी बाज धाकडली ।।1290।

निल खोदता दिखै साथिडा, ऊभा बीघा रोहिडली ।
साप पूछ नै पकड खीचलै, दाव मूडौ डागटली ।।1291।

मूडी खोल फोडै काथळी, जहर नाखल बाटक्डी ।
पूछ पकडया दीस लावतो, ढक मामन छाबडली ।।1292।

साप सलेटा छाबट बठ्या, कांधै लीनी कामडली ।
ठौड ठौड पर खेल दिखाव, रिपिया लेव रोकडली ।।1293।

काल बलिया बीण वजाव, देख टाबर टिगरडली ।
मद-मस्ती लहराव काळो मघरी वाज्या पूगडली ।।1294।

ब्याव तिवारा मिनख लुगाई, नाच दिखाव धाकडली ।
मघरी मघरी ताना छोड, मीठी गाव गीतडली ।।1295।

कला

रग-रेजी छापलिया मारै, बिक चोवट[1] हाटडली ।
रग लाग्या सू चमकै दूणी, लाल'र पीळी चूदडली ।1296।

बीकाण री सदर जेळ म, बुणै गलीचा जाजमडी[2] ।
रेसम धागा रग-रगीला, कोरै फूला पाखडली ।1297।

गाभा माथै मड माडणा, बाढाण री धरतडली ।
रग रगीला बूटा माड्या, छपती दीसै चूदडली ।1298।

चित्रकला है घणी सातरी, माड्या घोडा साढडली ।
घेर घाघरो देती नाच, भीता माथ गोरडली ।1399।

ढोला मारू मड्या खाल पर चिडकल माडी भीतडली ।
महल माय न मडी कामणी, घूघट काढ्या चूदडली ।1300।

मोर चग मनडै न भावै, जैसाण री धरतडली ।
दाता बीचा मान तारियो, मधरो छोड तानडली ।1301।

माड राग रागा म मोठो, कण कण गूज टीबडली ।
जणै गोरडी गावण ढूक, सरमा मरजा कोयलडी ।1302।

भीणमाल मडोरा पाली, बणी मूरत्या टेकडली ।
रणकपुर मिदरा मै दीस चतर कारिगर हाथडली ।1303।

गीत सगीत गरथ मोवळा, बीकाणै री धरतडली ।
बडा बडा विद्वान आय कर, जूनी पढल पाथडली[3] ।1304।

---

1 गांव के मध्य का वह खुला मैदान जिसके चारो ओर दुकानें होती है। 2 बीकानेर की जेल म बने गलीचे इग्लैंड फास आदि स्थानो बिकत है। 3 पोथी किताब।

भीणी जाळया दिसैं भरोखा, ऊभी भाकैं गोरडली ।
फूला बेला रग रगिली, मडी दिख है धावडली ।।1305।

कारिगरा री घडी मूरती, दिख जीवती गोरडली ।
आता जाता ऊभा देख, पलका थाम्या आखडली ।।1306।

नवलगढ री ऊची हवेल्या, मोटी चवडो भीतडली ।
गिगन छूवती ऊची दीसैं, देख्या पडजा पागडली ।।1307।

टाकी हयोडी द टणकारा, घड सिलावट भाटडली ।
मकराण री चोक्या लीया जडैं कारिगर हायडली ।।1308।

ऊडी नाडी माटी खोदैं, घडतौ दीस मटकडली ।
कूजा घडिया घडया मोकळा, विक्ता दीस हाटडली ।।1309।

सुथारा री चाल्यौ वसोलौ, विखरया छाडा धरतडली ।
घर दरवाजा ओगळ भोगळ बणती दीसैं माचडली ।।1310।

लोह लोहार दिखै हाथ मैं, फूक वठया आगडली ।
जगी हयोडौ जोरा चाल बणती दीस गाटटली ।।1311।

सोनारा री टक-टक चाल, चमक सोनी चादडली ।
धीमी धीमी पड़ै हथोटी, बणती दीस हारडली ।।1312।

ठठारा री ठण ठण बाज, घड टोपिया देगचडी ।
दिन ऊग्या मू बाजण ढूक, बरतन भाण्डा हाटडली ।।1313।

इसडा किला दिख नी दिखसी, जिसडा जेसा धरतडली ।
बिन पाणी बिन गार चुणद, गिगना ऊची भीतडली ।।1314।

ऊट खाल पर काम हुव है, बीकाण री धरतडली ।
सोनल रूपल भीणी भीणी, कोरी फूला पाखडली ।।1315।

मरुधरा र घर घर दीस, कला कार री हाथडली ।
दूर दिसावर नाम कमायौ, बेटौ बाळू रेतडली ।।1316।

सेठा

सेठा वेटा अक्ल घणी है, धीरज राखै होवडली ।
दूर देस सू आय फिरगी, सोरयौ सेठा वातडली ।।1317।

मरुदेस सू टुरघा सेठजी, पूगै दूजी गावडली ।
विन दिसावर फळै नी फूलै, सेठा जाणी वातडली ।।1318।

काम-काज खोजण नै चाल्या, साथै खालो लोटडली ।
पूठा मुडता हाथ दरव है, हीरा मोती जेबडली ।।1319।

सोनी चादी दिखै मोकळी, हे'ली वणगी धाकडली ।
जाळी झरोखा पग पग दिख, मकराण री भाटडली ।।1320।

गरीब गुरबौ आस लगाया, जोव सेठा वाटडली ।
दिसावर सू आया सेठजी, बाट गमछा धोतडली ।।1321।

धरम-करम म रुस सू आग, भगवन बसिया जोवडली ।
ठौड-ठौड पर मिंदर वणावै, कुवा खुदावै नाडडली ।।1322।

दानी अेडा दिखै न दिखसी, जिसटा धोरा धरतडली ।
घणी लुगाई रळ मिळ राख, पोसाळा री नीवडली ।।1323।

दाणै रा दो दाणी करल समझ दिख है धाकडनी ।
व्यापारा म धाक जमाई बेटो मरुधर धरतडली ।।1324।

गाव मोह छोडघा नी छूट, रग-रग बसगी रेतडली ।
दिसावर म वैठघा सेठजी, जीव बस है टीवडली ।।1325।

ऊच-नीच मनड नी माव, काज वस्यो है जोवडली ।
छोटा माटा काम करण में, नो राखै है लाजडली ।।1326।

जैसाण

जसाणै मैं दरब मोकळो, गळिया गादी जाजमडी ।
अमला री मनवारा गूजै, घरा घरा री चौथडली ।।1327।

जसाणै रै हाबूर गाव भाटा छायो छोटडलो ।
दूध चाडियै जावण देव, दही जम है धाकडली[1] ।।1328।

काजू बिदाम भाटा वणग्या, जेसा गावा कठोडो ।
जद भाईडो तोड देखल, गिरी जमी है रेतडली ।।1329।

गाव डाबल भाटा वणग्या रख बाठका खेजडली ।
सैलाणी इण आय गाव म, परख ललै हाथडली ।।1330।

जेसाण र बडै बाग म[2] आम्बा भरल छावडली ।
झील किनार रूखा माथ मीठो बाल कायलडी ।।1331।

सुहागिया है नाम बावडी, ठडो पाणी धाकडली ।
कपूरडी बेर सू निसर, जळ नीरोगो धरतडली ।।1332।

बोरा भर-भर पनडी लावै, दिखै वेचता हाटडली ।
जेसाण री धरती बसगी घर घर गमबो पत्तडली ।।1333।

पत्था माथ पाणो छिडक, सूकै ऊपर छातडली ।
पुनम चाद री किरण पडया सू महक भर है पूनडली[3] ।।1334।

कूवै बीचा खोद बणाव, बैठण सारू आरडली ।
बारै साथै उतर साथिडा, सुख सू लेव नीदडली ।।1335।

---

1 जसलमेर जिले मे हाबूर गाव म एसा पत्थर है जिसे दूध मे डालने पर दही जम जाता है। 2 जसलमेर से 8 कि मीटर दूर है। 3 सिंध से पनडी की पत्तिया लाकर छत पर चादनी रात म सूकाते थे जैसलमेर की हवा से पत्तिया मे चौगनी खुशबू हो जाती थी।

सेखाण

रघुनाथगढ रा भाटा भाइ, चम-चम चमकै धाकडली ।
पणी[1] बणाती दिखै लुगाया, मधरी गाती गीतडली ।।1336।

गणस चौथ न लाडू बाटै, गुरू बाधलै पागडली ।
गुरवाणी चूदड मै ओढ, गाव घरा री रीतडली ।1337।

भगर-मगर भेरणिया चाल, भाक फाटिया गावडली ।
मधरी मधरी पून बीच मैं, घणी सुहावै तानडली ।1338।

सेखाण मै रम्मत घालता, साग रचाव धाकडली ।
अमरसिंघ, जगदेव कंकाळी, सगळी देख गावडली ।1339।

च्यारुमेरा भीड दिखै है, पाटी ढाळयो टीबडली ।
घरा घरा सू आय लुगाया, देख बैठ्या छातडली ।1340।

ढुल्लो मोठो गातो दीसै, ऊची खीच तानडली ।
आठ कोसा रै आतर सू, सुणलै भाई बोलडली ।1341।

झुंझा जाट रै नामा माथै, सहर बस्यो है धावडली ।
आज झूंझूनू नाम बोलिजै, मूण्डै साथी साथडली ।1342।

दया धरम रग-रग म बसिया, हिवडै भगवन वातडली ।
जिव जिनावर सुख सू रहवै, सेखाण री गावडली ।1343।

धरम करम री बात हुवै है, घर-घर धोरा धरतडली ।
सतनारायण कथा सुणी ये, कट्टी दीसै डोकरडी ।1344।

---

1 दीवार पर लिपाई करने के लिए चूने को अत्यंत बारीक पीस कर उसम सिघ राज नामक चिकने पत्थर की बुरकी छिन्क कर फिर घुटाई करदी जाती है।

सिखा

जूनी वाता सुणै गावरा, बैठ्या ऊपर टीबडली ।
रात पड्या सू भळ वठ्या, द हुंकारा धाकडली* ।1345।

पाच पचारो कह्यो करणो, मूड बोली साचडली ।
परिहार तन वात बताई टको राख द हाथडली ।1346।

घणै टाबरा दु खडो पासी, राता कटसी रानडली ।
थोड टाबरा सुख सू रहसी, हिवडै राखी बातडली ।1347।

पढणो लिखणो मत भूली थू, हिरद राखी बातडली ।
ठगोरा सू कद नी ठगसी, राक्ड रहसी आटडली ।1348।

रूख बाढणो पाप लागसी मिट जावेली छावडली ।
काळ दूकाळ आय घेरसी, नी बरसेली बादळडी ।1349।

जीव मारिया हत्या हासी, सूनी होसी रोहिडली ।
विना सासरा जीणो आधो, नी लाटीज खेतडली ।1350।

अचरो-कचरो पास राखो, धूवा दिस न आखडली ।
साचो जीणो इणन कहव, सूणती जा थू साथडली ।1351।

नितरयो छाण्यो पाणो पी'ली सीखा देव मावडली ।
कीडा सू छुटकारो पा सी, पचजावेली रोटडली ।1352।

नसापता नै नाक राखी, ऊमर कटसी धाकडली ।
मादो तातो कद न दिखसी, मूण्ड रहसी हासडली ।1353।

---

* गर्मी के मौसम म रात्रि के समय गाव के लोक इक्ट्ठ होक्र ऊचे टीले पर बठते हं । एक व्यक्ति कहानी सुनाता है दूसरे हुंकारा दे के उसका साथ देते है ।

लडणो भिडणो नाकै राखो, सुख सू लेसो नींदडली ।
कोट कचड्या चढता चढता, घिस जावेली मोजडली ।1354।

भूण्डी रीता तोड नाखदी, दूधा भरसी चाडडली ।
घर आगणियै सुख सू रहसो, हस-हस करसो वातडली ।1355।

घाई घुती करया सू भाई, रोग लागसी जीवडली[1] ।
सोच फिकर मैं घुळतो घुळतो, आखिर लेसो मौतडली ।1356।

ओछ मिनखा हुत न राखो, सारा मिटेली सायडली ।
छोटी छोटी वाता माथै, लडतो दीसै गावडली ।1357।

भाइला री भेद न कहणो, हसतो लेली मौतडली ।
बिन साथी रै जीणो दोरो, सुणलै साथी वातडली ।1358।

घरा लुगाई भेद न देणो, वात वसासी ढोवडली ।
घर मालिक बिन घर नी चाल गाव घरा री रीतडली ।1359।

जमी वाटिया जीव वटला छोटी होसी खेतडली ।
वटतो वटतो दु खडो पासी, अकल बैठयाँ झूपडली ।1359।

आपा-धापी कदै न करनो, घरमा राखो वातडली ।
मिनख जमारो मुड नी आव, मत मीचो थू आखडली ।1360।

भाई चारै भगवन मिलसी, कर दखो थू वातडली ।
मिनख मिरया सू मिळै आतमा, मालिक वसिया जीवडली ।1361।

धीरज राख्या वीर वणेलो, सगळा सुणसी वातडली ।
रीस करया मू वळता झळता, काळी पडसी चामडली ।1362।

मिनख जमारो दियो सावर, भजन करी दिन रातडली ।
सरगा वीचा जाय वसेली, सुण साथीडा वातडली ।1363।

---

1 एक दूसरे की बुराई करने से मनुष्य भूत बड़ा कर लेता है। भूत रूपी रोग से पीडित होकर चिन्ता म घुल घुल के मृत्यु को प्राप्त होता है।

मरुधरा

चादडले री रात चादणी तारा छायो रातडलो ।
धोरलिया रा गाव भलेरा, रळ मिळ वठै साथडलो ।1364।

रग-रग म माटो कण बसियो, हिवड माता घरतडलो ।
बीकाण गावा म बसगो, मरुधरा री साथडलो ।1365।

सूर तणा ही सदा रही है, इण धरती री लाजडलो ।
जोधाणै री धरती माथ, हेला दव सायडलो ।1366।

मरूधरा रौ माथा ऊचौ दिल्ली पूगी बातडलो ।
नागाणौ पूठा नी देख्या, राणो हाडो साथडलो ।1367।

चागाना र बीचा ऊभा, किलो दिख है टकडलो ।
जालाण र गल बीचा, नाम पूछल साथडलो ।1368।

बाळू रेता रगा रगीजो, रूपल गोगै सानडलो ।
जैसाण री गळी गळी म मूमल बठी साथडलो ।1369।

घरा घरा मैं हरखकाड है मूड दीस हासडलो ।
बाडाणै रै गाव बसो है, गीत गावतो साथडलो ।1370।

धोरा धरती मूड बोलै, मोती निपज घावडलो ।
सेखाणै रै खना बीचा, हसतो नाच मायडली ।1371।

मरुधरा सूरा री धरती जलम जोधा मावडलो ।
धरती मा री लाज राखदी, वहतो दीस साथडलो ।1372।

मरुधरा री लाज राखवा ऊभी टोल वटडलो ।
करणी माता साथ पदमनी, मरवण मूमल साथडलो ।1373।

परिशिष्ट

भिणलै

सिणकलिया टाबरिया दीस, हाथा लीया पाटडली ।
गावा री पोसाळा भिणलै, क-को कोटको बारखडी[1] ।।1374।

पोसाळा मै उधम मचाया, गुरु खीचलै चोटडली ।
सिचला सिचला टाबर बैठै, पडतो दीस्या ठूळकडी ।।1375।

पढणो बोळी लिखणो थोडी, कठा जूनी पोथडली ।
उणणो गुणणो हिवडै उपजै, डढा ढावा घूटडली ।।1376।

गुरू देव री मुहारणी मै, ऊचा-पूचा ढूचडली ।
पढणो लिखणो कोठ करियो, हिमै उतारी बातडली ।।1377।

विना पढोडा दिख गाव म, अकल वसी है हीवडली ।
हाथ आगळघा गिणता-गिणता, करलै लेखा जोखडली ।।1378।

अ सू अडवो दीमै खत म, डरती भाजै लूकडली ।
आ सू आळी बण्यो भीत पर, कूच्या रास मावडली ।।1379।

इ-सू इढाणी माथै राखी, पाणी लाव गोरडली ।
ई सू ईसा माचा टूटी, ताणा होगी मूजडली ।।1380।

उ सू उखळी कूटै बाजरी, मूसळ लीया भावजडी ।
ऊ सू ऊटो बैठ्यो दीस, ठडी छीया सेजडली ।।1381।

ऐ सू ऐडी दिख रगडतो, भाटै माथै गोरडली ।
ऐं-सू ऐवड चरतो चालै, माथो जोडया घेटडली ।।1382।

---

1 गावा की पाठशालाओ मे पुराने समय म क को काटका याने शब्दा के साथ स्थानीय रोजमर्रा काम म आने वाली वस्तुओ के नाम के साथ जोड कर पढाया जाता था। इसी क्रम म छ दा के माध्यम स गीत गात

मरुधरा

चादडले री रात चादणी तारा छायो रातडली ।
धोरलिया रा गाव भलेरा, रळ मिळ वैठ साथडली ।1364।

रग रग म माटी कण बसियो, हिवड माता धरतडली ।
वीकाणै गावा म बसगी, मरुधरा री साथडली ।1365।

सूर तणा ही सदा रहो है, इण धरती री लाजडली ।
जोधाण री धरती माय, हेला दव साथडली ।1366।

मरुधरा री माथा ऊचो दिल्ली पूगी वातडली ।
नागाणी पूठी नी दस्या, राणी हाडी साथडली ।1367।

चागाना रै बीचा ऊभा, किलो दिखै है टकडली ।
जालाण र गेल बीचा, नाम पूछल साथडली ।1368।

बाळू रेता रगा रगीजी, रूपल गोगै सोनडली ।
जसाण री गळी-गळी मै मूमल वठी साथडली ।1369।

घरा घरा मै हरखकाड है, मूड दीस हासडली ।
बाढाण र गाव वसो है, गीत गावती साथडली ।1370।

धोरा धरती मूडै बोल, मोती निपज धावडली ।
सखाण र खता बीचा, हसती नाच साथडली ।1371।

मरुधरा सूरा री धरती, जलम जोधा मावडली ।
धरती मा री लाज राखदी, कहती दीस साथडली ।1372।

मरुधरा री लाज राखवा ऊभी टील बटडली ।
करणी माता साथ पदमनी, मरवण मूमल साथडली ।1373।

परिशिष्ट

भिणलै

सिणकलिया टाबरिया दीस, हाथा लीया पाटडली ।
गावा री पोसाळा भिणलै, क को कोटको बारखडी[1] ।1374।

पोसाळा म उधम मचाया, गुरु खीचल चोटडली ।
सिचला सिचला टाबर बैठे, पडती दीस्या ठूळकडी ।1375।

पढणो थोळो लिखणो थोडो, कठा जूनी पोथडली ।
उणणो गुणणो हिवडै उपज, डेढा ढावा घूटडली ।1376।

गुरू देव री मुहारणी मैं, ऊचा पूचा कूचडली ।
पढणो लिखणो कोठ धरियो, हिय उतारी बातडली ।1377।

बिना पढोटा दिखै गाव म, अकल बसी है हीवडली ।
हाथ आगळया गिणता गिणता, करल लेखा जोखडली ।1378।

अ सू अडवो दीमै खत म डरती भाजै लूकडली ।
आ-सू आळी बण्यो भीत पर, कूच्या राखै मायडली ।1379।

इ-सू इढाणी माथै राखी, पाणी लावै गोरटली ।
ई-सू ईसा माचा टूटो, तागा होगो मूजडली ।1380।

उ सू उखळी कूटै बाजरो, मूसळ लीया मावजडी ।
ऊ-सू ऊटो बठयो दीस, ठडी छीया खेजडली ।1381।

अे सू अेडी दिख रगडती, माटै माथै गोरडली ।
अ सू अवड चरतो चाले, माथो जोडया घेटडली ।1382।

---

1 गावा की पाठशालाओ म पुराने समय म क का काटका याने नादा के साथ स्थानीय रोजमर्रा काम में आने वाली वस्तुओ के नाम के साथ जोड कर पढ़ाया जाता था। इसी मदम म छ दा क माध्यम स मीन वाले

आ मू आरण घास मोकळो, चरतो दीस टोगडलो ।
ओ सू आसया ढलतो दिखै, थामो हाथा डागडलो ।।1383।

अ-अ वारया सू भाई, भिण्यो मानखो गावडलो ।
बिना भिण्या मू जीणो आधो हिवट राखो वातडलो ।।1384।

क-को कोटको कड-कड बोल, पापट तोडया हाथडलो ।
ख खो खाजडो माथ चाल, जूवा कार्ढ मायडलो ।।1385।

ग गो गारो गावगो भाई, मार सबडका घीरडलो ।
घ घो घघूडो उड गिगन मैं, भेळो चिलखा कागडलो ।।1386।

च चो चीपियो राटी सेक, जीम घोव सावरडलो ।
छ छो छीको ऊचो टागियो, माय राब्रदी राटडलो ।।1387।

ज जो जळव्या वठी जीम, मेठा टळा गोरडलो ।
झ झो झरणो दही बिलोव, वणती दीसै छाछडली ।।1388।

ट टो टण मण टोरगो भाई, गण मण चारा गाडडलो ।
ठ ठो ठठारो घडता दीस ताम्बा पीतळ देगवडी ।।1389।

ड-डो डम्मर हाथा वाज मूड बाज बासडलो ।
ढ ढो ढकणी दीम ढाकती, चूलै सीज्या खीचडलो ।।1390।

त-तो ताकडो वठयो तोल, घर घर गावा हाटडलो ।
थ थो थाळो पुरम्या वठो, जीम घर म गोरडलो ।।1391।

द दो दीवटो जगतो दीस, हुयो चादणो झूपडलो ।
ध धो धणो र लार चाल घूघट काढया वहुवडली ।।1392।

न नो नाकने झाल्या ऊभो, घर घर सासू गावडलो ।
प पो पपयो मोठो वाल, बादळ छाया रातडलो ।।1393।

एव मुणत गुणाते वणमाला तथा दस तक के अको का जान हो जायेगा। यह काय व्यक्ति घर का काय करते खेत बोते, शादी त्योहार एव उत्सव के समय गात गात कर सकता है। स्थानिये धुनो म उक्त छदो

फ फो फळसियो खोल्या ऊभो, घर म वडजा साढडली ।
ब बो बाटकी साग परस्यो, वठ्यो जीमै रोटडली ।।1394।

भ भो भैंसो आवै मारतो, करतो ऊंचो पूछडली ।
म मो मोरियो दिसै नाचतो, बादळ नाग्या छाटडली ।।1395।

य यो यज्ञ म्हानै होतो दिसै, हरख कोड गावडली ।
र रो राखी पूनम तिवारा, बैनड बाधै हाथडली ।।1396।

ल-लो लाडू वठ्यो जीम फेर पेट पर हाथडली ।
व-वो वीरतो गावा आयो, हसती दीस बैनडली ।।1397।

स सो साप लहरानै काळी मधरी चाल्या पूनडली ।
ह हो हळियो खेत म चालै, निपजै मोती धरतडली ।।1398।

क्ष त्र ज्ञ बोल्या सू भाईं, भिण्यो मानखो गावडली ।
पढै लिख र च्यार आख है, समझो भाया बातडली ।।1399।

अेको अक अेक गेडीयो, मडियो ऊपर पाटडली ।
दूओ दो है दो गावडल्या, रळ मिळ चाली रोहिडली ।।1400।

तीयै तीन है तीन बकरया, घर घर दूवै मावडली ।
चोक च्यार-च्यार पाडक्या, चरतो दीस घासडली ।।1401।

पाच पाच पाच कागलिया नैठ्या ऊपर भीतडली ।
छक छव है छव छाजला, धान फटकसै मावडली ।।1402।

सात सात सात कबूतर, उडता दीस झूपडली ।
आठ आठ आठ चिडकल्या, भीता माही गोरडली ।।1403।

नवै नवू है नवू गेजड्या, ऊभ्या दीसै टीवडली ।
अेकै मीडो दस बोल्या सू, भिण्यो मानखो गावडली ।।1404।

वो जोड मे गाने से प्रामवासो शीघ्रता से गाने लगेंगे इस स उनका पढ़ने म शाय स पान्ति होना दृष्टिगाचर होगा ।

ओ मू ओरण घास मोकळौ, चरती दीस टोगडली।
औ सू आसथा ढलतो दिख, थामी हाथा डागडली।1383।

अ-अ वाल्या सू भाई, भिण्यी मानखो गावडली।
बिना भिण्या सू जीणो आधो, हिवडै राखो बातडली।1384।

क-को कोटको कड कड बोल, पापड तोड्या हाथडली।
ख खो खाजडो माथ चालै, जूवा काढै मावडली।1385।

ग गो गोरी गावटी भाई, मार सबडका खीरडली।
घ घो घघूडो उड गिगन मैं, भेळी चिलखा कागडली।1386।

च चो चीपियो राटी सेक, जीम घोव साकरडली।
छ छो छीको ऊचो टागियो, माम राखदी रोटडली।1387।

ज-जो जळेब्या बठी जीम, भेळा ठेला गोरडली।
झ भो भेरणो दही बिलोव, बणती दीसै छाछडली।1388।

ट-टो टण-मण टोवगो भाई, गण मण चाल गाडडली।
ठ ठो ठठारो घडतो दीस ताम्बा पीतळ देगचडी।1389।

ड डो डम्मरू हाथा वाज, मूड बाजै बासडली।
ढ ढो ढकणी दीस ढाकतो, चूलै सीज्या खीचडली।1390।

त तो ताकडी बठ्यो तोल, घर घर गावा हाटडली।
थ थो थाळी पुरस्या बठी, जीमै घर म गोरडली।1391।

द दो दीवटो जगतो दीस, हुयो चादणो झूपडली।
ध धो धणी र लार चाल, घूघट काढ्या वहुवडली।1392।

न नो नाकने झाल्या ऊभो, घर घर सासू गावडली।
प पो पपयो मीठो बोल, बादळ छाया रातडली।1393।

एव सुणते सुणाते वर्णमाला तथा दस तक के अकों का ज्ञान हो जायेगा। यह काय व्यक्ति घर का काय करते खेत बोते शादी त्यौहार एव उत्सव के समय गाते गाते कर सकता है। इसलिये धुनो में उक्त छदो

फ फो फळसियो खोल्या ऊभो, घर में वडजा साढडली ।
ब बो बाटकी साग परूस्यो, वैठघो जीमे राटडली ।।1394।

भ भो भसो आव मारतो, करतो ऊंची पूछडली ।
म मो मारिया दिख नाचतो, वादळ नाख्या छाटडली ।।1395।

य यो यज्ञ म्हान होतो दिख, हरकै कोडै गावडली ।
र रो रातो पूतम निवारा, वैनड वावै हाथडली ।।1396।

ल लो लाडू बठयो जीम फेर पेट पर हाथडली ।
व-वो वीरतो गावा आयो, हसतो दीस वैनडली ।।1397।

स सो साप लहरावै काळो, मयरो चाल्या पूनडली ।
ह हो हळियो खेत म चाल, निपज मोतो घरतडली ।।1398।

क्ष त्र ज्ञ वाल्या स भाई, भिण्या मानखो गावटली ।
पढै लिख र च्यार आव है, समझो माया वातडली ।।1399।

अको अक अेक गेडीयो, मडियो ऊपर पाटडनो ।
दूओ दो है दो गावडल्या, रळ मिळ चाली रोहिडली ।।1400।

तीय तीन है तीन बकरघा, घर घर दूध मावडली ।
चोकै च्यार च्यार पाडक्या, चरती दीमै घासडली ।।1401।

पाचै पाच पाच कागलिया वैठ्या ऊपर भीतडली ।
छक छक् है ठक् छाजला धान फटकले मावडली ।।1402।

सात सात सात कबूतर उडता दीसै झूपडली ।
आठ आठ आठ चिडकल्या भोता माडी गोरडली ।।1403।

नव नवू है नवू सेजडघा, ऊभ्या दीमै टीबडली ।
अेकै मोडो दस बोल्या मू भिण्यो मानखो गावडली ।।1404।

को जोड के गाने से ग्रामवासी ओझना म गान स्मग इस स उनका पढ़ने क माय सम्पान्ति होना दृष्टिगोचर होगा ।



मरकरी

माहुब रण्यो फिर टावरियो, मूड डडी मस्मडली ।
ऊटियो जद मारी लातडो, नाम आयग्यो मावडली ॥1405॥

जे चचळाई घणी दिखाज, सग्या वाघद माचडली ।
गाध पूछ वाधी जेवडी मार ऊम्या डागडली ॥1406॥

गोधो ठडतो दियै भाजतो, अटकै दूजी माचडली ।
हाथ अकुण्या लूसा उतरी, फूटी दोनू गोडडली ॥1497॥

जणै जेवडी टूटै माच, सोरी लीनी सासडली ।
ऊधो पडियो आग्या फाडे, आ हुई काइ वातडली ॥1408॥

चौथडली पर वैठ्यो भाई, गप्पा मारै धावडली ।
रात सेत म भूत देखियो, मार भगायो डागडली ॥1409॥

दूज दिन साथीडा नाचै, भूत वणोडा गेतडली ।
भूत देखिया धाती भरदी, जोरा हाल टागडली ॥1410॥

सतर वतर हुयो डौकरो, टाबर खीचै धोतडली ।
मोको मिलिया लाग मारतो, मूछा फेर हाथडली ॥1411॥

धोळा लोभा काळ रगरो, गध लेड सी नाकडली ।
टिरती राफा धोळ दाता डाकी आयो साथडली ॥1412॥

जद खवासजी गावा आव, टाबर लुकजा भूपडली ।
इरला विरला वाहर रहजा, चढ वठ है खेजडली ॥1413॥

विना धार र फिर उस्तरी माथो दाब्यो गोडडली ।
टोपसी न दीस रगडली, खोर उडावण-टाळली ॥1414॥